राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 बिहार के बाद असम में भी बनेगी नई वोटर...

तुमसे न हो पायेगा...भारत चीन की दुकान बंद करने ... 10

वर्ष : 16 ■ अंक : 92 ■ नई दिल्ली, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि कार्यवाही पर लगाई रोक

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सेना पर टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को कड़ी डांट लगाई। उच्चतम न्यायालय ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। न्यायालय ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2,000 किलोमीटर जमीन चीन ने कब्जा ली है। आप विपक्ष के नेता हैं, अपनी बात संसद में कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। उच्चतम न्यायालय ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ अधीनस्थ अदालत में कार्यवाही पर रोक लगाई। सेना पर टिप्पणी

मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर सोमवार को उनकी आलोचना करते हुए कहा, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसा कुछ नहीं कहेंगे।'' हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में लखनऊ की एक अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, ''आप विपक्ष के नेता हैं। संसद में बातें कहें, सोशल मीडिया पर क्यों कहते हैं?'' पीठ ने पूछा, ''आपको कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीनियों ने कब्जा कर ली है, अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसा कुछ नहीं कहेंगे।'' इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 29 मई को गांधी की याचिका खारिज कर दी थी। गांधी ने समन आदेश और शिकायत को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि यह दुर्भावना से प्रेरित था। यहां की एक अदालत में दायर अपनी याचिका में शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2022 की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान गांधी ने चीन के साथ सीमा गतिरोध के संदर्भ में भारतीय सेना के बारे में कई अपमानजनक टिप्पणियां कीं।

मौसम

अधिकतम तापमान 34.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,02,715
चांदी	1,23,000
सेंसेक्स	81,018
निफ्टी	24,722

जब एयर इंडिया की फ्लाइट में टहलने लगे कॉक्रोच, यात्रियों ने की शिकायत

मुंबई। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट में कॉक्रोच होने की यात्रियों ने शिकायत की कि उनकी सीटों के नीचे कॉक्रोच टहल रहे हैं। इसके बाद दोनों यात्रियों को दूसरी सीटों पर शिफ्ट किया गया। कोलकाता में जब फ्लाइट उतरा तो सीटों के नीचे सफाई की गई। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि कोलकाता होकर सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जाने वाली फ्लाइट संख्या एआई180 में कॉक्रोच पाए गए थे जिसकी वजह से कुछ यात्रियों को असुविधा हुई। केबिन क्रू ने तुरंत यात्रियों के लिए दूसरी सीट की व्यवस्था की।

दिल्ली पुलिस ने बंगाली भाषा को 'बांग्लादेशी' बताया, भड़की सीएम ममता

कोलकाता। बंगाली और बंग्लादेशी भाषा को लेकर राजनीति गरमा गई है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे गए पत्र पर आपित्त जताई। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा 3 अगस्त को लिखे गए पत्र को 'निंदनीय, अपमानजनक, राष्ट्रविरोधी और असंवैधानिक' बताया है।

दिल्ली पुलिस द्वारा लिखे पत्र में बंगाली या बांग्ला भाषा को 'बांग्लादेशी भाषा' कहा था। बंगाली कलाकारों, ममता बनर्जी के साथ-साथ उनकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी सीपीएम समेत अन्य दलों ने भी इसका विरोध किया, साथ ही उन्होंने एक्स पर पोस्ट में देशभर के लोगों से इसका विरोध करने की अपील भी की है।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन, पीएम सहित मंत्रियों ने जताया शोक

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली/रांची। पृथक झारखंड आंदोलन के अग्रदूत एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को यहां निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। श्री सोरेन एक माह से भी अधिक समय से यहां सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती थे। उनका किडनी तथा हृदय संबंधी बीमारियों का इलाज चल रहा था। उन्होंने आज सुबह अस्पताल में ही अंतिम सांस ली। श्री सोरेन के पुत्र एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर उनके निधन की जानकारी देते हुए लिखा 'आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए है। आज मैं शून्य हो गया हूं।' दिशोम गुरुजी के नाम से लोकप्रिय श्री सोरेन के निधन की खबर मिलते ही समूचे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गयी। पिछले कई दिनों से राज्य में विभिन्न स्थानों और विशेष रुप से उनकी कर्मभूमि संताल परगना में लोग मंदिर, मस्जिद और गिरजाघरों में पूजा अनुष्ठान कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की दुआएं कर रहे थे। झारखंड मुक्ति मोर्चो के संस्थापक श्री सोरेन पृथक राज्य के आंदोलन में लगातार संघर्षरत रहे और वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य का गठन हुआ। झारखंड में गरीबों के मसीहा कहे जाने वाले श्री सोरेन का जन्म रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में 11 जनवरी 1944 को हुआ था। उनके पिता सोबरन सोरेन शिक्षक थे

लेकिन किसानी का काम भी करते थे। उनकी किसी ने हत्या कर दी थी जिसके कारण श्री शिबू सोरेन को अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी और वह कम उम्र से ही गरीबों पर अत्याचार, अन्याय, नशाबंदी तथा महाजनी प्रथा के खिलाफ संघर्ष की राह पर निकल पड़े। उन्हें मजदूरी तक करनी पड़ी। उन्होंने सदियों से शोषित, पीड़ित आदिवासी समाज को जागरुक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

झामुमो के संस्थापक और मौजूदा राज्यसभा सदस्य श्री सोरेन 1980 से 2019 तक दुमका से सांसद या विधायक चुने जाते रहे। वह दुमका लोकसभा क्षेत्र से आठ बार सांसद तथा जामतारा से एक विधायक चुने गए। वह दो बार राज्यसभा के सदस्य भी रहे। श्री सोरेन तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार में तीन बार कोयला एवं खान मंत्री भी रहे। पहली बार उन्हें 22 मई 2004 में केंद्रीय कोयला मंत्री बनाया गया। लेकिन तीस साल पुराने जामताड़ा के एक मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किये जाने की वजह 24 जुलाई 2004 को उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि इस मामले में करीब एक महीने तक जेल में बंद रहने के बाद वे जमानत पर रिहा हुए। उसके बाद उन्हें फिर दूसरी बार 27 नवम्बर 2004 को पुनः कोयला एवं खान मंत्रालय की जिम्मेवारी दी गयी।

लेकिन दो मार्च 2005 में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद दो मार्च 2005 को वे पहली बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने। लेकिन विधानसभा में बहुमत साबित नहीं कर पाने के कारण 12 मार्च 2005 को महज 10 दिन के भीतर ही उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना पड़ा। इसके बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सरकार में पुनः 29 जनवरी 2006 को श्री सोरेन ने तीसरी बार कोयला मंत्री के रूप में शपथ ली। इस बार भी दुर्भाग्य ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। इस बीच दिल्ली की तीस हजारी अदालत ने उनके निजी सचिव शशिनाथ झा की हत्या के कथित आरोप से संबंधित एक मामले में उन्हें दोषी करार दे दिया। इस वजह से 29 नवंबर 2006 को उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। लेकिन 2007 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस हत्याकांड मामले में उन्हें बरी कर दिया। इसके करीब एक साल के बाद निर्दलीय विधायक मधु कोड़ा सरकार के गिर जाने की वजह से 28 अगस्त 2008 को शिबू सोरेन कांग्रेस, राजद व अन्य गैर भाजपा समर्थित विधायकों के समर्थन से दूसरी बार सांसद रहते राज्य के मुख्यमंत्री बने। छह महीने के भीतर विधानसभा का सदस्य बनने की अनिवार्यता के मद्देनजर तमाड़ विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में यूपीए ने उन्हें साझा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा। लेकिन इस उपचुनाव में पराजित होने की वजह से महज 114 दिन के भीतर ही 18 जनवरी 2009 को उन्हें मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा।

आदिवासी और वंचितों को सशक्त बनाने का जुनून था शिबू सोरेन को : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया है और आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के उनके जुनून की सराहना की है। श्री मोदी ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, श्री शिबू सोरेन जी एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में तरक्की की। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से समर्पित थे। उनके निधन से मुझे बहुत दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि पृथक झारखंड आंदोलन के अग्रदूत और दिशोम गुरूजी के नाम से मशहूर श्री सोरेन का आज यहां निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। श्री सोरेन एक माह से भी अधिक समय से यहां सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती थे। उनका किडनी तथा हृदय संबंधी बीमारियों का इलाज चल रहा था। उन्होंने आज सुबह अस्पताल में ही अंतिम सांस ली।

माइक्रोटनलिंग : भारत ने पाइपलाइन के इतिहास में नए मानक किए स्थापित : हरदीप पुरी

■ 1964 में कमिशन की गई 434 किलोमीटर लंबी ऊर्जा रेखा वर्षों से पूर्वोत्तर भारत के विकास की धड़कन बनी है।

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि असम में बहने वाली बेकी नदी में माइक्रोटनलिंग के जरिए महज 28 दिनों में पाइपलाइन बिछाई गई। उन्होंने बताया कि यह काम एक उत्कृष्ट तकनीक के साथ बिना किसी खुदाई और नदी के सतह पर बिना किसी नुकसान के केवल सटीकता के साथ पूरा किया गया और भविष्य के लिए इंजीनियरिंग के एक मिसाल पेश हुई। केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, असम में बहने वाली बेकी एक शक्तिशाली लेकिन बाढ़ग्रस्त नदी के नीचे भारत की सबसे पुरानी क्रॉस कंट्री पाइपलाइन गुजरती है।

1964 में कमिशन की गई 434 किलोमीटर लंबी ऊर्जा रेखा वर्षों से पूर्वोत्तर भारत के विकास की धड़कन बनी है, लेकिन समय के साथ ऊर्जा के इस अविरल बहाव को जारी रखने के लिए इस जीवनरेखा को नया जीवन देना जरूरी हो गया। हालांकि, पाइपलाइन बिछाने की पारंपरिक तकनीकें जैसे ओपन कट, एचडीडी, सस्पेंशन आजमाई गईं, लेकिन इस संवेदनशील पारिस्थितिक नदी तल में कोई भी पारंपरिक समाधान काम न आया। उन्होंने आगे जानकारी दी कि तभी एक उत्कृष्ट तकनीक 'माइक्रोटनलिंग' उपयुक्त समाधान के रूप में उभरी, जिसमें बिना किसी खुदाई और सतह पर किसी तरह के नुकसान के केवल सटीकता के साथ गहराई में और नदी के नीचे काम हुआ। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, हौसले और इनोवेशन के साथ असंभव को संभव बनाया गया।

इस काम के लिए दुनिया की सबसे उन्नत माइक्रो टनलिंग मशीनों में से एक हेरेंक्नेच्ट एवीएन 1600 एमटीबीएम तैनात की गई। इस मशीन ने वर्षों के कार्य को रिकॉर्ड 28 दिन में पूरा किया, जिड्ससे यह प्रोजेक्ट भविष्य के लिए एक इंजीनियरिंग की मिसाल बन गया और पाइपलाइन इतिहास में एक नया मानक स्थापित हो गया। इससे पहले रविवार को उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2015 से भारत में कार्यरत अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) कंपनियों ने 172 हाइड्रोकार्बन क्षेत्र खोजे हैं, जिनमें 62 अपतटीय क्षेत्रों में हैं।

जितेंद्र आव्हाड का बयान उनका निजी नजरिया नहीं करूंगा कोई टिप्पणी : उदित राज

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। एनसीपी (एसपी) के नेता जितेंद्र आव्हाड की ओर से 'सनातन' धर्म के खिलाफ दिए गए बयान से देश की सियासत गर्मा गई है। उनके बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह आव्हाड का निजी नजरिया है और वह इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे। उदित राज ने कहा, 'जब शिवाजी का राजतिलक होना था, तब कोई पंडित तैयार नहीं था। उन्हें वाराणसी जाना पड़ा, जहां एक पंडित के बाएं अंगूठे से तिलक किया गया। इसके बाद भी भारी रकम उन्हें चुकानी पड़ी। यह अपमान तो था ही।' उन्होंने आगे कहा कि भारत में जातियां समाज को बांटती हैं। मैं अपने अनुभव से कहूं तो एक गांव में 10 जातियां हों, तो अलग-अलग टोले बन जाते हैं, जो एक-दूसरे के विपरीत रहते हैं। यह एक तरह का अघोषित सिविल वॉर है, जो हमारे समाज का अभिशाप है। यह जातिगत मानसिकता शिक्षा, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में प्रगति को रोकती है। उदित राज ने भाजपा नेता नितेश राणे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जो जिहादी सोच रखता है, वही दूसरों को जिहादी कहेगा। मुझे तो इस देश में कोई जिहादी दिखता नहीं। छोटे-मोटे झगड़े हर जगह होते हैं, चाहे वह जाति के बीच हों या धर्मों के बीच। केवल हिंदू-मुस्लिम में ही नहीं, बल्कि जातियों में भी गहरे मतभेद हैं। इसे भी एक तरह का जातिगत जिहाद कह सकते हैं। उनके दिमाग में केवल जिहाद है। उदित राज ने राहुल गांधी के हालिया कृषि कानूनों पर दिए गए बयानों का जिक्र किया। उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी 2015 के उस बिल की बात कर रहे थे, जो बहुत खतरनाक था। इसका भारी विरोध हुआ था, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। कुछ लोग इसे गलत समय से जोड़ रहे हैं। अरुण जेटली के बारे में राहुल गांधी का इशारा उसी बिल की ओर था।

फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस भारत दौरे पर, रक्षा-व्यापार संबंध होंगे मजबूत

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर सोमवार को पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और फिलीपींस के बीच रक्षा और व्यापार संबंधों को मजबूत करना है। 2022 में पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक भारत यात्रा है। राष्ट्रपति मार्कोस सोमवार दोपहर नई दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरेंगे। उनके साथ प्रथम महिला लुईस अरनेटा मार्कोस और कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों व व्यापारिक नेताओं का एक

उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल होगा। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है, जिससे इसकी अहमियत और बढ़ जाती है।

इस यात्रा से रणनीतिक और रक्षा सहयोग, खासकर समुद्री क्षेत्र में और मजबूत होने की उम्मीद है। यह ध्यान देने योग्य है कि फिलीपींस भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली खरीदने वाला पहला विदेशी देश है। ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप 19 अप्रैल, 2024 को फिलीपींस को सौंपी गई। इस यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा पर केंद्रित रक्षा सहयोग को बढ़ाने के लिए एक समझौते की उम्मीद है। अपने इस दौरे के दौरान राष्ट्रपति मार्कोस 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर उनसे सोमवार को नई दिल्ली में मिलेंगे।

अब आतंकवादियों के सिर पर मंडरा रही मौत

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में चल रहे अभियान में सेना ने ऐसी चाल चली है, जिससे आतंकियों की मौत तय है। पहली बार सेना ने इस ऑपरेशन में 'रूद्र' अटैक हेलिकॉप्टर को उतारा है, वह भी पूरे हथियारों के साथ। 20 मिमी की ऑटोमैटिक गन से लैस रूद्र अब आतंकियों के सिर पर मंडरा रहा है। जहां कोई हिला, वहीं सीधा गोला दागा। इस ऑपरेशन में सेना को इनपुट मिला कि कुछ आतंकी एक घने इलाके में छिपे हैं और फायरिंग कर रहे हैं। तो जमीन से लड़ते-लड़ते अब आसमान से भी बंदूकें गरजने लगीं और रूद्र ने मोर्चा संभाल लिया है। रूद्र की तैनाती से ये 'नो एस्केप ऑपरेशन' बन गया है।

सांसद सुधा ने चेन स्नैचिंग के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

■ यह घटना सोमवार सुबह पोलैंड दूतावास के पास हुई, जिसमें सांसद को मामूली चोटें भी आईं।

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई से लोकसभा सांसद आर सुधा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में उनके साथ हुई चेन स्नैचिंग की घटना की शिकायत की है। यह घटना सोमवार सुबह पोलैंड दूतावास के पास हुई, जिसमें सांसद को मामूली चोटें भी आईं। आर सुधा ने अपने पत्र में बताया कि वह पिछले एक साल से नई दिल्ली में तमिलनाडु हाउस (कमरा नंबर 301) में रह रही हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक आधिकारिक आवास

नहीं मिला है। वह नियमित रूप से संसदीय कार्यवाही और समिति बैठकों में भाग लेती हैं। सुधा ने बताया कि समय मिलने पर वह सुबह की सैर के लिए निकलती हैं।

4 अगस्त को सुबह करीब 6 बजे सुधा और राज्यसभा की एक अन्य सांसद रजती सैर के लिए निकलीं। पोलैंड दूतावास के गेट-3 और गेट-4 के पास एक अज्ञात व्यक्ति, जो हेलमेट पहने हुए था और स्कूटी चला रहा था, ने उनकी सोने की चेन झपट ली। सुधा ने बताया कि स्कूटी सवार धीरे-धीरे विपरीत दिशा से आया, जिसके कारण उन्हें कोई शक नहीं हुआ। झपटमारी से उनकी गर्दन पर कुछ निशान भी पड़ गए। उन्होंने खत में लिखा है कि इस अचानक हुई वारदात से वो चोटिल हुईं। वह किसी तरह गिरने से बच गईं। इसके बाद दोनों सांसदों ने मदद की गुहार लगाई। घटना के कुछ देर बाद दोनों को दिल्ली पुलिस की गश्ती वैन दिखी। जिसके बाद सांसद सुधा और रजती ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। आर सुधा के मुताबिक पुलिस वालों ने उन्हें लिखित शिकायत दर्ज करने और संबंधित पुलिस स्टेशन से संपर्क करने की सलाह दी। एमपी सुधा ने गृह मंत्री से इस घटना पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने दिल्ली में सांसदों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

सम्मान उच्च सदन में मौजूद सांसदों ने उनके सम्मान में मौन रखा।

संसद का मानसून सत्र: एसआईआर को लेकर लोकसभा में विपक्ष का जोरदार हंगामा

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के जोरदार हंगामे के चलते कार्यवाही बाधित रही। लोकसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) को लेकर चर्चा की मांग रखी और सुनवाई होती नहीं देख जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद स्पीकर ने पहले 2 बजे तक के लिए और फिर कल मंलगलवार 11 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

यहां राज्यसभा में सोमवार सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के बाद सिटिंग सांसद शिबू सोरेन के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उच्च सदन में मौजूद सांसदों ने उनके

सम्मान में मौन रखा। इसके बाद सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। यहां बताते चलें कि उच्च सदन में आज गृह मंत्री अमित शाह मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव पेश करने वाले थे। यह प्रस्ताव लोकसभा में 30 जुलाई को मंजूर किया जा चुका है।

इस प्रकार संसद के मानसून सत्र के 11वें दिन लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामें के चलते पहले 2 बजे तक के लिए फिर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस प्रकार 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र की संसदीय कार्यवाही लगातार हंगामें की भेंट चढ़ती रही है। इस दौरान, महज 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दरअसल इन दोनों ही दिनों में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा की गई थी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025

संक्षिप्त समाचार

ईश्वर से मिलन की प्राप्ति का प्रतीक है शिवलिंग

हल्द्वानी, एजेंसी। स्वराज सेवा ट्रस्ट के संयोजन में घुनी नंबर एक कठघरिया में श्री शिवपुराण कथा जारी है। शनिवार को कथा व्यास पंकज जोशी ने कथा सुनाते हुए कहा कि शिवलिंग केवल पत्थर या धातु का आकार नहीं है, यह निराकार ईश्वर का प्रतीक है। इसकी पूजा से आत्मा को शांति, जीवन को दिशा और अंततः ईश्वर से मिलन की प्राप्ति होती है। श्रद्धा और भक्ति से शिवलिंग का पूजन करने पर भगवान शिव की कृपा सदा बनी रहती है। इससे पूर्व सुबह गणेश पूजन, सर्वदेव पूजन आचार्य हेम सत्यवली, मयंक उपाध्याय, रूपेश जोशी ने संपन्न कराया। यहां यजमान देवकीनंदन पांडे, रमेश चंद्र पांडे, मनोज जोशी, ट्रस्ट की कार्यकारी अध्यक्ष ममता रुबाली, कोषाध्यक्ष हेम पंत, खष्टी सुयाल आदि मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों ने अपने अपने नाम के 100 पौधे रोपे

हल्द्वानी, एजेंसी। सौहार्द जन सेवा समिति के संयोजन में स्कूली बच्चों ने अपने-अपने नाम के 100 पौधे स्कूल परिसर में रोपे। गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल कमलुवागांजा के खेल परिसर में बच्चों ने अनार, आम, अमरुद, जामुन, लीची, नीबू, नीम आदि के फलदार और छायादार पौधे लगाए। संस्था अध्यक्ष विद्या महतोलिया ने बताया कि संस्था 2005 से हर साल पौधरोपण कार्यक्रम करती आ रही है। अगले वर्ष इन पौधों का समिति निरीक्षण करेगी। जिन बच्चों के पौधे सुरक्षित रहेंगे, उन बच्चों को समिति प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी करेगी। संरक्षक पीसी पंत ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला। अभियान में उपाध्यक्ष तनुजा पांडेय, कोषाध्यक्ष ममता भट्ट, संरक्षक नीरजा बोरा, सचिव विद्या जोशी, उपसचिव अंजू पांडेय, संयुक्त सचिव शशि जोशी, कविता तिवारी, पूर्णिमा पांडेय, माया उप्रेती, संयोजक ईश्वर चंद्र भट्ट समेत उद्यान विभाग का सहयोग रहा।

चोरपानी में एक सप्ताह से पानी नहीं आने से लोग परेशान

रामनगर, एजेंसी। वार्ड नंबर 19 चोरपानी मानिला विहार में पानी के ओवरहेड टैंक को भरने वाली मोटर खराब होने से जल आपूर्ति ठप हो गई है। इसके चलते विगत एक सप्ताह से नलों में पानी नहीं आने से लोग परेशान हैं। मोटर ठीक होने तक लोगों को जल निगम के टैंकरों की मदद से पानी सप्लाई दी जा रही है। जल निगम की अधिशासी अभियंता पल्लवी चौधरी ने बताया कि एक सप्ताह मोटर खराब हो गई थी। मोटर को ठीक करा दिया है। शनिवार शाम टैंक भरने के बाद रविवार से पानी आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

जिले के चार ब्लॉकों में होंगे बाढ़ सुरक्षा के काम

भीमताल (नैनीताल), एजेंसी। शिप्रा नदी में जल संरक्षण के साथ बाढ़ सुरक्षा के लिए भूमि कटाव की रोकथाम और क्षतिग्रस्त दीवारों के सुधारीकरण के साथ कमलताल झील के सौंदर्यीकरण और अन्य निर्माण कार्यों के लिए जिला योजना से सिंचाई विभाग को 4.53 करोड़ की धनराशि जारी हुई है। जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी डॉ. मुकेश सिंह नेगी ने बताया कि शिप्रा नदी में जलसंरक्षण के लिए 20 लाख से काम किए जाएंगे। सिंचाई विभाग बेतालघाट, ओखलकांडा, रामनगर और कोटाबाग ब्लॉक में 1.90 करोड़ की लागत से बाढ़ सुरक्षा के लिए भूमि कटाव की रोकथाम और क्षतिग्रस्त दीवारों के निर्माण कार्य करेगा। कमलताल झील का सौंदर्यीकरण 12 लाख से होगा। बताया कि गौलापार के नवाड़खेला में नहर सुधारीकरण, चाफी में सिंचाई नहर में पाइप लाइन योजना के लिए 5 लाख की धनराशि खर्च होगी। भीमताल थाने के पास क्षतिग्रस्त दीवार को भी सही करने के साथ अन्य निर्माण कार्य किए जाएंगे।

नवजात का शव मिलने से सनसनी

रामनगर, एजेंसी। ग्राम पूछड़ी की फौजी कॉलोनी में कोसी नदी के पास एक नवजात शिशु का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। शनिवार की सुबह ग्राम पूछड़ी की फौजी कॉलोनी में कोसी नदी में लोगों को एक नवजात शिशु का शव दिखाई दिया। सूचना पर एसएसआई मनोज नयाल पहुंचे।

ऋषिकेश में उफान पर चंद्रभागा नदी, प्रदेश पर अगले 24 घंटे भारी!

हरिद्वार, एजेंसी।
उत्तराखंड में बीती रात से ही कुदरत का कहर देखने को मिल रहा है. बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए हैं. गंगा का जलस्तर पर भी लगातार बढ़ता जा रहा है. हरिद्वार में गंगा वार्निंग लेवल से मात्र .10 मीटर नीचे बह रही है. पुलिस-प्रशासन और आपदा विभाग गंगा के जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं. लगातार बारिश हुई तो खतरे के निशान को पार कर जाएगी गंगा॰ हरिद्वार के भीमगौड़ा बैराज पर गंगा का वार्निंग लेवल 293 मीटर है, वहीं डेंजर लेवल 294 मीटर है. फिलहाल गंगा का जलस्तर 292.90 मीटर तक पहुंच गया है, जो वार्निंग लेवल से मात्र .10 मीटर ही नीचे है. ऐसे में निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है. पुलिस-प्रशासन लोगों को अलर्ट कर रहा है. साथ ही अपील भी कर रहा है कि इस समय नदियों के किनारे न जाएं. नदियों से दूर रहने की सलाह॰ हरिद्वार जैसे हालात ही ऋषिकेश में भी बने हुए हैं. बरसाती नदियों के उफान पर आने से ऋषिकेश में भी प्रशासन अलर्ट नजर आ रहा है. तमाम निचले इलाकों में मुनादी कर लोगों को गंगा और बरसाती नदियों से दूर रहने की चेतावनी दी जा रही है. ऋषिकेश में चंद्रभागा नदी उफान पर॰ इसके अलावा जल पुलिस और एसडीआरएफ के जवान तमाम गंगा घाटों पर मुस्तैद नजर आ रहे हैं. ऋषिकेश में पहली बार चंद्रभागा नदी का रौद्र रूप इस सीजन में देखने को मिला है. चंद्रभागा नदी के किनारे बनी पार्किंग में भी पानी भर गया है. गंगा भी अपनी चेतावनी रेखा तक पहुंच चुकी है. यदि बारिश नहीं रुकी तो बहुत जल्द गंगा अपने खतरे के निशान को छू जाएगी. प्रशासन ने भारी बारिश को देखते हुए पहाड़ों पर लोगों को सफर करने से परहेज करने की सलाह दी है. भारी बारिश की चेतावनी जारी की थी. सोमवार चार अगस्त सुबह मौसम विभाग ने जो प्रेस नोट जारी किया है, उसके मुताबिक अगले 24 घंटे यानी कल सुबह करीब 10 बजे तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश देखने को मिलेगी.

उफनती रामगंगा ने रोकी श्मशान घाट की राह

अंत्येष्टि के लिए लोगों को नहीं मिली जगह, रास्ते पर लगीं 6 चिताएं

बेरीनाग, एजेंसी।
पिथौरागढ़ जिले में थल रामगंगा नदी में इन दिनों बारिश के कारण नदी का जल स्तर लगा बढ़ता जा रहा है. नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. वहीं रामगंगा नदी तट पर शव दाह संस्कार के अंत्येष्टि के लिए जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. नदी के किनारे से ऊपर रास्तों तक पानी आ जाने के कारण चिता लगाने के लिए भी लोगों को जगह नहीं मिल रही है. जिससे लोगों को नदीं को जाने वाले रास्ते पर ही चिता लगानी पड़ रही है.

रविवार को पांखू, कांडे किरौली उडियारी क्षेत्र से आए आधा दर्जन शवों की अंत्येष्टि के लिए चिता लगाने के लिए जगह नहीं मिली. साथ ही विश्राम गृह नहीं होने से लोगों को बारिश में ही भीगना पड़ा. जिससे लोगों में व्यवस्थाओं को लेकर आक्रोश भी देखने को मिला. पिछले दिनों सिंचाई विभाग के द्वारा नदी के किनारे सुरक्षा के लिए तटबंध का निर्माण कार्य किया गया था, लेकिन बारिश के मौसम में शव दाह स्थल के लिए कोई भी स्थान नहीं रखा गया. जिससे आए दिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लंबे समय से स्थानीय लोगों के द्वारा सरकार से बरसात और गर्मी के मौसम के दौरान शव दाह संस्कार के लिए स्थान निर्धारित और अंतिम संस्कार शामिल होने वाले लोगों के बैठने के लिए विश्राम गृह बनाने की मांग कर रहे हैं.

व्यापार संघ अध्यक्ष बेरीनाग राजेश रावत और पूर्व प्रधान संगठन के अध्यक्ष चारू पंत ने बताया कि जिस तरह से बरसात के दिनों में नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

पौड़ी में श्रीनगर रोड पर दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर हुआ राख

पौड़ी, एजेंसी।
शहर के श्रीनगर रोड पर बीती देर रात एक दुकान में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया. आग लगने की घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो आग आसपास की दुकानों में फैल सकती थी. फिलहाल पुलिस-प्रशासन आग लगने की घटना की जांच कर रहा है. वहीं प्रथम दृष्टया में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है.

दुकान स्वामी मुकेश नेगी ने बताया कि वह दुकान के पास ही अपने घर में रहते हैं. बीती देर रात अचानक उन्हें दुकान की ओर से धुआं उठता दिखा और जलने की गंध आई. जब वे भागते हुए दुकान पहुंचे तो देखा कि अंदर धधकती आग ने पूरी तरह से सामान को अपनी चपेट में ले लिया था. उन्होंने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था और दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया.

मुकेश नेगी ने बताया कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रही है. आग लगने से कंप्यूटर, सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल फोन, महंगे वाहनों के एसेसरीज, नकदी, लेनदेन का रजिस्टर, बैंक पासबुक और चेक बुक जलकर राख हो गया. उन्होंने बताया कि घटना में लगभग ढाई से तीन लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है.

आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को देने की कोशिश की गई, लेकिन नंबर न लगने के चलते उन्होंने स्वयं से ही आग को बुझाने के प्रयास किए. लेकिन तब तक आग सारा समान जल चुका था. आग लगने की सूचना पर आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में मदद की. आग इतनी तेज थी कि अगर थोड़ी देर और हो जाती तो आसपास की अन्य दुकानें भी इसकी चपेट में आ सकती थी. गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और कोई जनहानि नहीं हुई.

पड़ोसी महेश ढोंडियाल ने बताया कि पीड़ित मुकेश मेहनती युवक है और उसकी कार वाशिंग व कार एक्सेसरीज की दुकान है. बीती रात आग लगने की घटना के दौरान उन्होंने अपने प्रेशर पाइप से आग पर काबू पाया।

जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए सरगर्मी तेज, निर्दलीय सदस्य बनेंगे किंगमेकर

पिथौरागढ़, एजेंसी।
सीमांत जिला मुख्यालय पिथौरागढ़ में जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होने के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं. अब जनता में यह जानने की उत्सुकता है कि जिला पंचायत अध्यक्ष कौन बनेगा. यहां भाजपा ने जिला पंचायत अध्यक्ष को लेकर रणनीति तेज कर दी है तो वहीं कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुई है, जबकि निर्दलियों की ओर से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. सभी इस पर वेट एंड वाच की स्थिति में हैं और आरक्षण से संबंधित आपत्तियों के निपटारे के बाद ही हलचल की उम्मीद है. पिथौरागढ़ जिला पंचायत में सदस्यों की 32 सीटें हैं. जबकि इस बार पंचायत चुनाव में जिले में बीजेपी के 15 और कांग्रेस के सिर्फ 6 समर्थित प्रत्याशियों ने ही जीत दर्ज की है. जिसके कारण निर्दलीय सदस्यों की भूमिका किंगमेकर की होगी. सदस्य चुने गए हैं, जिसमें पांखू से भाजपा विचारधारा से विमला देवी, चहज से निर्दलीय राहुल कुमार, सुरखाल से कांग्रेस समर्थित ममता चन्याल, भटयूड़ा से भाजपा समर्थित जितेंद्र प्रसाद, बाराकोट भाजपा समर्थित भावना चन्याल, और दिगरा मुवानी से निर्दलीय हेमंत कुमार शामिल हैं. इनमें चार महिला और तीन पुरुष सदस्य हैं. सात में से तीन सदस्य भाजपा के अधिकृत हैं, जबकि दो भाजपा पृष्ठभूमि के हैं. एक सदस्य कांग्रेस से और एक

निर्दलीय है. अभी तक किसी भी दावेदारी का खुलासा नहीं हुआ है. जिससे आम जनता में यह चर्चा है कि अध्यक्ष कौन बनेगा. पिथौरागढ़ जिला प्रदेश की राजनीति का मुख्य केन्द्र बिंदु भी है. प्रदेश के सीएम पुष्कर धामी का गृह क्षेत्र पिथौरागढ़ जनपद में ही है. जबकि पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व डीडीहाट विधायक बिशन सिंह चुफाल का पंचायत में अहम भूमिका मानी जाती है. पांखू सेरा से जिले में सबसे अधिक 3 हजार मतों से जितने वाली जिला पंचायत सदस्य विमला देवी को प्रबल दावेदार माना जा रहा है. विमला देवी को भाजपा से टिकट नहीं मिला, लेकिन उसके बाद भी उन्होंने जीत दर्ज की है. विमला देवी के पति दिनेश आर्या भाजपा के अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश मंत्री समेत कई राज्यों में लोकसभा चुनाव और विधानसभा प्रभारी रहने के साथ बड़े नेताओं के करीबी माने जाते हैं.

पदोन्नति के इंतजार में सेवानिवृत्ति की दहलीज पर पहुंचने वाले हैं सैकड़ों दरोगा

हरिद्वार, एजेंसी। पदोन्नति की सीढ़ी चढ़ने का इंतजार करते-करते जल्द ही बहुत से दरोगा सेवानिवृत्ति की दहलीज पर पहुंचने वाले हैं। फोर्स में इंस्पेक्टर के पद न बढ़ने से दरोगाओं में इस बात की चिंता बढ़ने लगी है। अब दरोगा उत्तर प्रदेश की व्यवस्थाओं का भी हवाला दे रहे हैं। जल्द ही यहां पर भी यूपी जैसी व्यवस्थाओं को लागू करने की मांग उठ सकती है।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2013 बैच तक के दरोगा इंस्पेक्टर बन चुके हैं जबकि उत्तराखंड में 23 साल पुराने 2002 बैच के प्रमोशन की प्रक्रिया कुछ साल पहले ही पूरी हुई है। जैसे ही नंबर 2008 का आया तो बहुत से दरोगाओं का खाता खुल गया और वे इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत हो गए। अब आगे जगह नहीं तो फिलहाल पदोन्नति पर विराम सा लग गया। नतीजा ये है कि 2008 बैच के महज 20 फीसदी से कुछ ज्यादा का ही पदोन्नति ले लिए नंबर आ सका है।

इस बैच की बात करें तो बहुत से दरोगा कई साल पहले उम्र के 50वें पायदान को पार कर चुके हैं। ऐसे में अब अगर और भी देरी होती है तो ये केवल कंधों पर दो स्टार लगाए हुए ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इनमें ज्यादा मलाल ऐसे दरोगाओं को है जो लंबे समय से दौड़ भाग कर पुलिस फोर्स में महत्वपूर्ण टास्क पूरा कर रहे हैं। दरोगाओं की ये टीस अब जल्द ही मुख्यालय और फिर शासन तक पहुंचाने की बातें की जा रही हैं।

चंपावत में एक करोड़ की स्मैक बरामद, यूपी का नशा तस्कर भी गिरफ्तार

चंपावत, एजेंसी।
जिले में एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स व चंपावत पुलिस की जुगलबंदी नशा तस्करों के लिए आफत बनती दिख रही है. चंपावत पुलिस व एसटीएफ ने एक बार फिर एक करोड़ को स्मैक के साथ यूपी निवासी स्मैक तस्कर को चंपावत जिले के बनबसा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है.

एसपी चंपावत अजय गणपति के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत नशा तस्करों के खिलाफ मोर्चा खोला गया है. एसपी के नेतृत्व में एसटीएफ व चंपावत पुलिस ने भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद की है. एसपी के निर्देश पर शनिवार 2 जुलाई को सीओ टनकपुर वंदना वर्मा के नेतृत्व में एसटीएफ कुमाऊं यूनिट की टीम तथा थाना बनबसा पुलिस टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए धनुषपुल पुलिस चौकी बनबसा के पास अभियुक्त शकूर निवासी मौहल्ला अब्बासनगर बहेड़ी उत्तर-प्रदेश, उम्र 55 वर्ष के कब्जे से बड़ी मात्रा में 309.96 ग्राम अवैध हेरोइन/स्मैक बरामद कर गिरफ्तार किया.

मामले में पुलिस ने थाना बनबसा जनपद

चम्पावत में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है. बरामद स्मैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ रुपए के लगभग आंकी गई है. मालूम हो चंपावत पुलिस ने 1 अगस्त को भी 8 लाख रुपए की चरस के साथ दो नशा तस्करों तथा 18 लाख रुपए की एमडीएमए ड्रग्स के साथ एक नेपाली को गिरफ्तार किया था. चंपावत पुलिस इस वर्ष 16 करोड़ रुपए से अधिक की ड्रग्स बरामद कर चुकी है. आंकड़ों की बात करें तो एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 2025 जनवरी माह में एक किलो 266 ग्राम अवैध स्मैक सहित एक व्यक्ति को बाजपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया. जनवरी माह में 5 किलो 457 ग्राम चरस के साथ दो चरस तस्करों को नैनीताल जनपद से गिरफ्तार किया. फरवरी माह में पंतनगर थाना क्षेत्र से 62.90 ग्राम अवैध स्मैक बरामदगी कर नशा तस्करों की कमर तोड़ी. उधम सिंह नगर जनपद के किच्छा थाना क्षेत्र से फरवरी माह में दो किलो 590 ग्राम अवैध अफीम को भी एसटीएफ टीम ने बरामद किया. एसटीएफ ने मार्च माह किच्छा थाना क्षेत्र से 262 ग्राम अवैध स्मैक, अप्रैल माह में खटीमा थाना क्षेत्र से 118 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद की.

प्रसव के दौरान दो प्रसूताओं की मौत, गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

हरिद्वार, एजेंसी। घटना के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में हंगामा खड़ा हो गया। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं थे और स्टाफ की लापरवाही के कारण दोनों महिलाओं की जान चली गई। उत्तराखंड के हरिद्वार के बहादराबाद क्षेत्र स्थित मां गंगा मैटरनिटी एंड आई केयर अस्पताल में डिलीवरी के दौरान दो प्रसूताओं की मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है और घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

सूत्रों के अनुसार, बहादराबाद क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल में दो अलग-अलग मामलों में गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था। डिलीवरी के दौरान दोनों की हालत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में हंगामा खड़ा हो गया। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं थे और स्टाफ की लापरवाही के कारण दोनों महिलाओं की जान चली गई।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव में हारे प्रत्याशी को थमाया जीत का प्रमाण पत्र, अब दोबारा होगी वोटों की गिनती

चंपावत, एजेंसी।
उत्तराखंड पंचायत चुनाव के परिणाम जारी हो चुके हैं, लेकिन चंपावत से हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां हारे हुए प्रत्याशी को जीत का प्रमाण पत्र थमा दिया गया. जिस पर हारे हुए प्रत्याशी ने ईमानदारी का परिचय देते हुए निर्वाचन अधिकारियों को एक पत्र लिखा है. जिसमें उन्होंने कहा कि उनके प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी को मुझसे ज्यादा वोट मिले हैं, इसलिए जीत का प्रमाण पत्र असली विजेता यानी उसे दिया जाना चाहिए.

ग्राम पंचायत तरकुली में हारे प्रत्याशी को थमाया गया जीत का प्रमाण पत्र॰ जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र चंपावत का है. जहां ग्राम पंचायत तरकुली के ग्राम प्रधान पद पर काजल बिष्ट को विजेता घोषित कर चुनाव अधिकारी ने जीत का प्रमाण पत्र सौंप दिया, लेकिन काजल बिष्ट का कहना था कि मैं तो प्रधानी का चुनाव हार चुकी हूं

तो जीत का प्रमाण पत्र मुझे क्यों दिया जा रहा है

विजेता घोषित काजल बिष्ट ने खुद अधिकारियों को दी जानकारी॰ बताया जा रहा है कि विजेता घोषित की गई काजल बिष्ट को 103 वोट मिले. जबकि, उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार सुमित कुमार को 106 वोट मिले. जिस पर काजल ने अधिकारियों को सूचित करते हुए कहा कि उसे अपने प्रतिद्वंद्वी यानी सुमित कुमार से कम वोट मिले हैं. ऐसे में उसे (सुमित कुमार) को विजेता घोषित किया जाना चाहिए. एसडीएम ने दिए पुनर्मतगणना कराने के आदेश॰ वहीं, जब चुनाव अधिकारी के स्तर पर मामला नहीं सुलझा तो काजल बिष्ट ने उप मंडल मजिस्ट्रेट यानी एसडीएम अनुराग आर्य को मामले से अवगत कराया. जिस पर एसडीएम अनुराग आर्य ने काजल बिष्ट की आपत्ति स्वीकार कर चुनाव अधिकारी को 30 दिनों के भीतर पुनर्मतगणना कराने के आदेश दिए हैं. उधर, पूरे मामले में अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पुनर्मतगणना कराई जाएगी. जिसके लिए तारीख की घोषणा जल्द होने की संभावना है. बरहाल, इस पूरे मामले पर जहां काजल बिष्ट की ईमानदारी की मिसाल दी जा रही है, तो वहीं निर्वाचन अधिकारियों की लापरवाही भी मानी जा रही है, लेकिन यह मामला सुर्खियों में बना हुआ है.

गौर हो कि उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हरिद्वार जिले के छोड़कर बाकी 12 जिलों में दो चरणों में 24 और 28 जुलाई को हुए.

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025

दिल्ली विधानसभा का ऐतिहासिक मानसून सत्र शुरू, मंत्रियों और विधायकों ने भी जताई खुशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया, जो कई मायनों में ऐतिहासिक है। यह सत्र न केवल पूरी तरह से पेपरलेस है, बल्कि विधानसभा अब सौर ऊर्जा से भी संचालित हो रही है। इस बदलाव को लेकर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और कई विधायकों ने खुशी जताई है। मानसून सत्र में शिक्षा बिल और दो सीएजी (सीएजी) रिपोर्ट पेश किए जाएंगे, जो दिल्ली के निजी स्कूलों में फीस वृद्धि पर नियंत्रण और पुराने भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि अब सभी दस्तावेज, जैसे कि रूल्स ऑफ बिजनेस, सीएजी रिपोर्ट, बिल, सदस्यों के नोटिस, प्रतिवेदन और समिति की रिपोर्ट, ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। यह पूरी तरह से पेपरलेस प्रक्रिया है, जो पर्यावरण संरक्षण और धन की बचत दोनों में योगदान देगी। पहले कागजों की सीमित उम्र होती थी और उन्हें संभालना मुश्किल था। अब एक क्लिक पर कोई भी पुराना दस्तावेज देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस बदलाव से सालाना करीब 1.75 करोड़ रुपए के बिजली बिल की बचत होगी। साथ ही, रिकॉर्ड रूम में कागजों को संभालने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। विधानसभा को सौर ऊर्जा से संचालित करने के लिए 500 मेगावाट का सोलर पैनल लगाया गया है, जिससे यह पूरी तरह से हरित (ग्रीन) विधानसभा बन गई है। उन्होंने इसे पर्यावरण के लिए एक बड़ा कदम बताया। वहीं, विधायक आशीष सूद ने शिक्षा बिल को लेकर कहा, 1973 के स्कूल एजुकेशन रेगुलेटरी एक्ट में कमियां थीं, जिन्हें सुधारते हुए यह बिल लाया जा रहा है। इससे शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, निजी स्कूलों और सबसे बड़े हितधारक अभिभावकों को फायदा होगा। अब फीस वृद्धि पर नजर रखी जाएगी उन्होंने कहा कि यह बिल दिल्ली की जनता के लिए दूरगामी परिवर्तन लाएगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार और मुख्यमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम दिल्ली के शिक्षा क्षेत्र को ज्यादा पारदर्शी बनाएगा। भाजपा विधायक गजेंद्र सिंह यादव ने कहा, भ्रष्टाचार के घोटाले उजागर होने चाहिए। सीएजी रिपोर्ट में पुराने भ्रष्टाचार का हिसाब-किताब होगा। विपक्ष इन रिपोर्टों से तिलमिला जाता है, क्योंकि उन्हें जवाब देना पड़ता है। भाजपा विधायक संजय गोयल ने भी इस बात का समर्थन किया और कहा कि सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री आशीष सूद शिक्षा बिल और सीएजी रिपोर्ट पेश करेंगे। यह सत्र दिल्ली सरकार के लिए एक नया अध्याय है। निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर पहली बार रोक लगेगी। विधायक अशोक गोयल ने इस सत्र को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि दिल्ली, देश की राजधानी होने के नाते, तकनीक में अग्रणी होनी चाहिए।

आदिवासी समाज की आत्मा थे शिबू सोरेन : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ आदिवासी नेता शिबू सोरेन के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वह केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड और आदिवासी समाज की आत्मा थे। केजरीवाल ने एक्स पर कहा आदरणीय दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक है। दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड और आदिवासी समाज की आत्मा थे। उन्होंने आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन और संविधानिक न्याय के लिए जीवन भर संघर्ष किया। उनका निधन एक युग का अंत है। उनका जाना देश की राजनीति और आदिवासी आंदोलन की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समस्त परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा झारखंड आंदोलन के जनक, आदिवासी समाज की बुलंद आवाज और लाखों लोगों के प्रेरणा स्रोत दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन से गहरा दुख हुआ। उनका पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन और हाशिए पर खड़े लोगों के हक की लड़ाई में समर्पित रहा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को ये दुख सहने की शक्ति दें। उल्लेखनीय है कि श्री सोरेन का लंबी बीमारी के बाद आज निधन हो गया।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटर को टक्कर मारी डिलीवरी बॉय की मौत

नई दिल्ली,। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नेल्सन मंडेला मार्ग पर सोमवार की सुबह एक तेज रफ्तार वाहन ने एक स्कूटर को टक्कर मार दी जिससे एक कंपनी प्रतिनिधि (डिलीवरी बॉय) की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, वसंत कुंज उत्तर पुलिस थाने को दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जांच अधिकारी फिलहाल दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं। अस्पताल से मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। पुलिस ने बताया कि कानून की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और आगे की जानकारी साझा की जाएगी। उसने बताया कि मृतक और वाहन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

चाणक्यपुरी में झपट मारों ने सांसद आर. सुधा की सोने की चेन छीनी

नई दिल्ली,। दिल्ली के चाणक्यपुरी में अज्ञात झपटमारों ने मयिलाडुतुरै की सांसद आर. सुधा की सोने की चेन कथित तौर पर उस समय छीन ली जब वह सुबह की सैर पर निकली थीं। पुलिस ने यह जानकारी दी। चाणक्यपुरी में कई दूतावास और राज्य सरकारों के आधिकारिक आवास स्थित हैं। पुलिस ने बताया कि इलाके के तमिलनाडु भवन में रह रहीं सुधा सुबह की सैर के लिए निकली थीं, तभी अज्ञात हमलावरों ने उनकी सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। आरोपियों का पता लगाने और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच के लिए कई पुलिस दल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों से भी बात कर रही है और जांच कर रही है। तमिलनाडु भवन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

गेट बंद करने के लेकर हुए विवाद में युवक को मारी गोली, मौत

नई दिल्ली,। दक्षिणी जिले के फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र के डेरा गांव में रविवार देर रात एक 37 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जांच में मृतक की पहचान डेरा गांव निवासी संतलाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि संतलाल की हत्या 19 वर्षीय युवक पीयूष यादव ने मामूली कहासुनी के बाद कर दी। पुलिस को देर रात करीब दो बजे सूचना मिली कि मोहल्ले में कुछ महिलाएं जोर-जोर से रो रही हैं। फतेहपुर बेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि संतलाल के सीने में गोली मार दी गई थी। घटनास्थल से एक खाली कारतूस बरामद हुआ है। क्राइम टीम और रोहिणी की एफएसएल फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए सफदरजंग अस्पताल भेजा गया है। प्रथम दृष्टया में हत्या की वजह गेट बंद करने को लेकर हुए विवाद और आपसी टकराव को बताया जा रहा है। संतलाल जिस संपत्ति का केयरटेकर था, उसी के गेट को लेकर पीयूष यादव से उसकी कहासुनी हो गई थी। आरोपित पीयूष यादव, अमारा मोहल्ला, डेरा गांव का रहने वाला है और छतरपुर फेज-2 में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए उनके संघर्ष को सदैव याद रखा जाएगा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में सोमवार को निधन हो गया। वह गुर्दे से जुड़ी समस्याओं के इलाज के लिए एक महीने से अधिक समय से अस्पताल में भर्ती थे। गुप्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन की खबर बेहद दुखद है। आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और उत्थान के लिए शिबू सोरेन के लंबे संघर्ष को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा,ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शोक संतप्त परिजनों और अनुयायियों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

दिल्ली में महिला सुरक्षा के लिए बने पिंक बूथ खुद बन गए बेबस कहीं टूटी-फूटी हालत तो कहीं पुलिसकर्मियों की आरामगाह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से दिल्ली पुलिस द्वारा शुरू की गई पिंक बूथ योजना अब उपेक्षा का शिकार होती नजर आ रही है। राजधानी के कई पिंक बूथ जर्जर हालत में हैं, सीसीटीवी कैमरे खराब पड़े हैं और महिला पुलिसकर्मियों की अनुपस्थिति ने इस पहल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। महिला सुरक्षा के लिए बनी योजना पर ग्रहण पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के कार्यकाल में 15 जिलों में 139 पिंक बूथ स्थापित किए गए थे। इसका उद्देश्य था कि महिलाएं बिना झिझक अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और तुरंत मदद पा सकें। लेकिन मौजूदा हालात में कई पिंक बूथ अपने मूल उद्देश्य से भटक गए हैं। जनपथ और माता सुंदरी कॉलेज के बूथ का हाल जनपथ मार्केट का पिंक बूथ अब महिलाओं की मदद के बजाय पुलिसकर्मियों की आरामगाह बन गया है। महिला स्टाफ की अनुपस्थिति में यहां पुरुष पुलिसकर्मी समय बिताते दिखाई देते हैं, जिससे महिलाएं खुलकर शिकायत नहीं कर पातीं। माता सुंदरी कॉलेज का बूथ जर्जर हो चुका है, दीवारों का प्लास्टर झड़ रहा है, सीसीटीवी खराब हैं और बैठने की सुविधा तक नहीं है। जीबी रोड पर सक्रिय है पिंक बूथ इसके विपरीत, जीबी रोड का पिंक बूथ पिछले तीन सालों से पूरी तरह महिला स्टाफ के साथ सक्रिय है और यह महिला सुरक्षा के लिए एक बेहतर उदाहरण माना जा रहा है। प्रशासन से कोई प्रतिक्रिया नहीं जानकारी के अनुसार शाहदरा जिले में सबसे ज्यादा 17 पिंक बूथ हैं। इस मुद्दे पर जब मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वालसन से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, उसे अस्पताल लाने वाले तीन लोगों पर संदेह

नई दिल्ली,। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में 20 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि इस घटना में वही तीन लोग शामिल हैं, जो युवक को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद फरार हो गए थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की पहचान रोहिणी के सेक्टर 16 के निवासी रोहित बराड़ के रूप में हुई है। बराड़ के गर्दन की बाईं हड्डी के नीचे गोली लगी थी। पुलिस ने बताया कि उन्हें रविवार को बाबू जगजीवन राम मेमोरियल (बीजेआरएम) अस्पताल से सूचना मिली कि गोली लगने से घायल हुए एक व्यक्ति को यहां भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि पंकज, आलम और आकाश नाम के व्यक्ति बराड़ को अस्पताल लाए थे। उन्होंने बताया, पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराने के तुरंत बाद तीनों लोग फरार हो गए। उनका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि घटनास्थल पर कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं था और अभी यह भी नहीं पता चल पाया है कि बराड़ को किन परिस्थितियों में गोली लगी थी। उन्होंने कहा, मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई हैं। टीम सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है और मौके पर जाकर लोगों से पूछताछ भी कर रही है। पुलिस ने बताया कि इस घटना के संबंध में जहांगीरपुरी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली विधानसभा में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव पर हंगामा, धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा बार-बार बाधित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र का सोमवार से आगाज हो गया है। ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर दावों का मुद्दा उठाया, जिसके जवाब में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दरअसल, दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही के दौरान जैसे ही धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई तो विपक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का दावा किया था। चर्चा के दौरान कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने विपक्ष की मंशा पर सवाल उठाया और सदन में नारेबाजी शुरू कर दी। इन नारों से सदन में हंगामा और तेज हो गया। विपक्षी सदस्यों ने कपिल मिश्रा के बयानों को आपत्तिजनक बताते हुए स्पीकर से कार्रवाई की मांग की। विपक्ष के हंगामे और कपिल मिश्रा के नारों के बाद स्पीकर ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन तनावपूर्ण माहौल के कारण चर्चा बार-बार बाधित होती रही। बता दें कि दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हुआ। इस सत्र में शिक्षा बिल, भ्रष्टाचार के आरोपों और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के साथ कई अहम मुद्दे उठाए गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने सत्र की शुरूआत पर अपनी-अपनी बातें रखीं, जिसमें सरकार के फैसलों की सराहना और आलोचना दोनों शामिल रहीं। राष्ट्रीय राजधानी में इस बार का विधानसभा सत्र 4 अगस्त से शुरू होकर 8 अगस्त तक चलेगा। इस बार के विधानसभा सत्र में शिक्षा से जुड़ा नया बिल लाया जाएगा। विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, विधानसभा की कार्यवाही 4 अगस्त से 8 अगस्त तक चलेगी। हालांकि, आवश्यकतानुसार सत्र की अवधि को विस्तार दिया जा सकता है।

कुणाल हत्याकांड: लेडी डॉन जिकरा समेत 8 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में हुए बहुचर्चित हत्याकांड में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लेडी डॉन जिकरा समेत 8 आरोपियों के खिलाफ कड़कड़डूमा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में हत्या, आपराधिक साजिश और अन्य गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। पुलिस की ओर से कोर्ट में दायर चार्जशीट में जिकरा के अलावा जाहिदा, शाहिद, अनस, अनीस, नफीस और विकास के नाम शामिल हैं। सभी को 17 वर्षीय कुणाल की हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह वारदात उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके के जे-ब्लॉक में हुई थी, जहां 17 साल के कुणाल की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। कुणाल उसी इलाके का निवासी था। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 103 (1), 61 (2), 351 (3), 3 (5), 249 (ए) और 238 (ए) के तहत आरोप तय किए हैं। ये धाराएं हत्या, साजिश, हमले, संगठित अपराध और अन्य संगीन अपराधों से संबंधित हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 8 अगस्त को होगी। सीलमपुर के जे-ब्लॉक में किशोर कुणाल की हत्या ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया था। आरोप है कि कुछ युवकों ने उसे घेरकर चाकू से हमला किया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना रहा और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जानकारी के अनुसार, कुणाल अपनी दादी को अस्पताल से डिस्चार्ज करवाकर वापस लौटा था। वह दूध और खाना लेने के लिए घर से निकला था, लेकिन कुछ ही मिनट में पड़ोस के बच्चों ने खबर दी कि उसे कुछ लड़कों और एक लड़की ने चाकू मार दिया। जब तक वो मौके पर पहुंचीं, कुणाल खून से लथपथ था और अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। अब इस मामले में चार्जशीट दाखिल होने के बाद हर किसी की निगाहें 8 अगस्त पर टिकी हुई हैं।

जामिया ने मुख स्वच्छता के महत्व पर कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली,। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के दंत चिकित्सा संकाय ने भारतीय पीरियोडोंटोलॉजी सोसायटी के सहयोग से मुख स्वच्छता पर कार्यक्रम का आयोजन किया। पिंक गम्स पिंक हेल्थ विषय पर एक रील बनाने की प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें छात्रों और प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने मुख स्वच्छता के महत्व पर रोगियों की जागरूकता के लिए लघु वीडियो बनाकर, क्रिया और हास्य का उपयोग करके अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। दंत चिकित्सा संकाय के पीरियोडोंटोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. कीर्ति चावला ने ह्लगुड ओरल हाइजीन प्रैक्टिसह्व विषय पर एक रेडियो वार्ता प्रस्तुत की। इस वार्ता का प्रसारण रेडियो जामिया द्वारा आम जनता तक जानकारी पहुंचाने के लिए किया गया।

उत्तर रेलवे चलाएगा सहरसा-अनन्द विहार के बीच विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे सहरसा जंक्शन और आनन्द विहार टर्मिनल के बीच विशेष वातानुकूलित रेलगाड़ी का संचालन करेगा। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि यह विशेष रेलगाड़ी (05575/05576) दो फेरे में चलाई जाएगी। सहरसा से यह ट्रेन 6 और 13 अगस्त को रवाना होगी, जबकि आनन्द विहार टर्मिनल से वापसी की तिथि 5 और 12 अगस्त निर्धारित की गई है। रेलगाड़ी संख्या 05575 सहरसा जं. से रात 8 बजे आनन्द विहार टर्मिनल के लिए प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन 00:30 बजे आनन्द विहार टर्मिनल पर पहुचेंगी। यह रास्ते में गढ़ बरुआरी, सुपौल, सरायगढ़, निर्मली, घोगरडिहा, झंझारपुर, सकरी, दरभंगा, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, बैरगनियां, रक्सौल, नरकटियागंज, बगहा, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, सीतापुर, शाहजहान पुर, बरेली, मुरादाबाद और गाजियाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। रेलगाड़ी संख्या 05576 आनन्द विहार टर्मिनल से सुबह 5:15 बजे सहरसा जं. के लिए प्रस्थान करेगी। अगले दिन सुबह 10:30 बजे सहरसा जं. पर पहुंचेगी। यह विशेष गाड़ी पूर्णतः वातानुकूलित डिब्बों से सुसज्जित होगी, जिससे गर्मी और उमस के मौसम में यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे टिकट की अग्रिम बुकिंग समय पर कर लें और यात्रा के दौरान कोविड-19 के दिशा-निदेर्शों का पालन अवश्य करें।

अलमारी का लॉक ठीक करने के बहाने गहने चुराए

नई दिल्ली,। हरिनगर में अलमारी का लॉक ठीक करने के बहाने दो बदमाशों ने एक घर से लाखों रुपये के गहने चुरा लिए। घटना के समय घर में बुजुर्ग महिला मौजूद थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। 71 साल की कांता तनेजा हरिनगर में रहती हैं। हरिनगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में कांता ने बताया कि 2 अगस्त की दोपहर वह घर में थीं। इसी दौरान घर के सामने से दो लोग ताला ठीक करवाने की आवाज लगाते हुए जा रहे थे। उन्होंने अलमारी का लॉक ठीक करवाने के लिए पहली मंजिल पर स्थित घर में बुला लिया। अलमारी के एक दरवाजे को बंद कर दोनों काम करने लगे। करीब 10 से 15 मिनट बाद दोनों औजार लाने की बात कहकर चले गए। कांता को कुछ शक हुआ। उन्होंने अलमारी खोलकर देखी तो लॉकर खुला हुआ था और उनके, उनकी बेटी और बहू के रखे लाखों रुपये के गहने गायब थे। जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों की फुटेज को कब्जे में कर लिया है। पुलिस ने फुटेज में कैद बदमाशों की पहचान के लिए मुखबिरों को सक्रिय किया है।

काम का समय बढ़ा लेकिन नहीं बढ़ी कर्मचारियों की संख्या: डुकु

नई दिल्ली, ।दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा काम के घंटे बढ़ाने और कर्मचारियों की संख्या न बढ़ाने के खिलाफ गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने नाराजगी जताई है। इस मुद्दे को लेकर शिक्षकों में भी रोष है। सोमवार को दिल्ली विश्वविद्यालय और कॉलेज कर्मचारी संघ (डुकु) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर विश्वविद्यालय की इस नीति पर चिंता जताई है और जरूरी हस्तक्षेप की मांग की है। संघ ने कहा है कि कॉलेजों को सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक खुले रखने के निर्णय से गैर-शिक्षण स्टाफ पर अत्यधिक काम का बोझ बढ़ेगा, जबकि पहले से ही स्टाफ की भारी कमी है। डुकु के अनुसार, विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने 12 जुलाई, 2025 को यह निर्णय लिया था और 31 जुलाई को संबंधित आदेश भी जारी कर दिया गया। संघ ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप यह निर्णय बिना गैर-शिक्षण स्टाफ की कमी को दूर किए लागू किया जा रहा है, जिससे कॉलेजों में प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्य प्रभावित होंगे। संघ ने कहा कि विश्वविद्यालय और उसके अधीन कॉलेजों में गैर-शिक्षण पद वर्षों से खाली पड़े हैं और वर्तमान स्टाफिंग पैटर्न पुराना हो चुका है, जो एनईपी की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है। ऐसे में कर्मचारियों पर कार्यदिवस बढ़ाने का अतिरिक्त दबाव डालना अनुचित और अव्यवहारिक है। डुकु ने शिक्षा मंत्री से मांग की है कि गैर-शिक्षण स्टाफ के स्टाफिंग पैटर्न की तुरंत समीक्षा की जाए और सभी रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि काम का बोझ संतुलित किया जा सके।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नई दिल्ली,। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज नॉर्थ थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गई। घटना सुबह करीब 6:30 बजे नेल्सन मंडेला मार्ग पर वसंत विहार से वसंत कुंज की ओर जाते समय हुई। पुलिस को सूचना मिली कि पेट्रोल पंप के सामने एक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर दुर्घटनाग्रस्त हालत में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन मौके पर कोई घायल व्यक्ति नहीं मिला। कुछ ही देर बाद एम्स ट्रॉमा सेंटर से सूचना मिली कि मुनिरका निवासी राजकुमार (40) को सड़क दुर्घटना में घायल हालत में लाया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। वहीं पुलिस जांच में यह सामने आया कि दुर्घटना में टक्कर मारने वाला वाहन एक टाटा नेक्सन इलेक्ट्रिक कार थी, जिसकी पहचान कर ली गई है। फिलहाल पुलिस स्थानीय स्तर पर जांच कर रही है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

विश्व आदिवासी दिवस समारोह का भव्य आयोजन, समाज के गौरव ने बढ़ाया मान

आज मीणा प्रगतिशील संस्था, फरीदाबाद द्वारा विश्व आदिवासी दिवस का भव्य और गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत उत्साह और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी वर्ग, अधिकारीगण और युवा सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में श्री विश्राम मीणा, आईएएस, उपायुक्त (ऊउ) नूहं, हरियाणा ने समारोह की शोभा बढ़ाई। विशिष्ट अतिथि के रूप में हेमेंद्र कुमार मीणा, आईपीएस, एसएसपी रेवाड़ी, टी. आर. मीणा, महासचिव, ज्वाइंट एससी/एसटी टीचर्स फ्रंट, शिक्षा निदेशालय दिल्ली एवं मुख्य वक्ता डॉ. हीरा मीणा, गंगा सहाय मीणा, श्रीमती सरोज मीणा सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। समारोह में सांस्कृतिक गायक कलाकार रामू मास्टर जी एवं श्रीमती कमलेश मेडिया जी ने अपनी मधुर और लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का पारंपरिक साफा, माला, गुलदस्ता एवं संस्था का स्मृति चिन्ह (मूमेंटो) भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया गया। साथ ही प्रयास - एक कदम बदलाव की ओर संस्था एवं श्री बालाजी सेवा समिति, रायपुर मंडावर को सामाजिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने प्रेरक उद्बोधनों में समाज को के संकल्प के साथ निरंतर कार्य करने का संदेश दिया। समारोह का संचालन श्री संजय मीणा (एम्स) द्वारा अत्यंत सराहनीय एवं अनुशासित रूप से किया गया। मीणा प्रगतिशील संस्था, फरीदाबाद के अध्यक्षः श्री एच. एस. मीणा, उपाध्यक्षः श्री संजय कुमार मीणा (अककटर दिल्ली), महासचिवः डॉ. सुरेंद्र मीणा, कोषाध्यक्षः श्री महेश चंद मीणा एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। समाज की एकता, संस्कृति और योगदान को समर्पित इस कार्यक्रम में सहभागी बनने व सम्मान देने के लिए आप सभी का हृदय से आभार।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025

बिल सेलेक्ट कमेटी को भेजा जाए और इसके फाइनल होने तक पिछले साल के बराबर ही स्कूलों को फीस लेने का आदेश दिया जाए: आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने भाजपा सरकार द्वारा लाए जा रहे स्कूल फीस बिल को एक सोचा-समझा फर्जीवाड़ा बताया है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जुलाई तक किसी न किसी बहाने से जानबूझकर बिल को टालते रहे, ताकि प्राइवेट स्कूल आराम से फीस बढ़ा लें और अभिभावकों से जबरन वसूली कर सकें। इस बिल में निजी स्कूलों द्वारा बढ़ाई गई फीस वापस लेने का कोई प्रावधान ही नहीं है। यह बिल बच्चों और अभिभावकों के हित में नहीं, बल्कि प्राइवेट स्कूल मालिकों के फायदे के लिए लाया जा रहा है। ह्यह्यआपह्लह्ल की मांग है कि इसे सेलेक्ट कमेटी को भेजा जाए, जो रायशुमारी ले। बिल फाइनल होने तक पिछले साल के बराबर ही स्कूलों को फीस लेने का आदेश दिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो आम आदमी पार्टी सदन से लेकर सड़क तक बिल का विरोध करेगी। सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर ह्यह्यआपह्लह्ल विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा के साथ प्रेसवार्ता कर आतिशी ने कहा कि सोमवार से विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है। इस मानसून सत्र में भाजपा की दिल्ली सरकार प्राइवेट स्कूल फीस बिल के नाम पर फर्जी बिल लेकर आ रही है। सोमवार को यह बिल दिल्ली विधानसभा में टेबल किया जाएगा। दो दिन पहले विधायकों को दिल्ली एजुकेशन ट्रांसपेरेंसी फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस बिल 2020 की कॉपी दी गई है। यह बिल सिर्फ प्राइवेट स्कूल मालिकों के हित में बनाया गया है। आतिशी ने कहा कि अप्रैल में यह बिल कैबिनेट में पास हुआ। अप्रैल में कहा गया कि विधानसभा का विशेष सत्र होगा और उसमें बिल टेबल किया जाएगा। लेकिन कोई विशेष सत्र नहीं हुआ। मई में इस बिल को टेबल करने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया, लेकिन आखिरी मौके पर कैंसिल कर दिया गया। फिर जून कहा गया कि सरकार इस बिल को अध्यादेश के माध्यम से ला रही है। अध्यादेश कैबिनेट में पास हो गया है, केंद्र सरकार को भेजा जा रहा है और किसी भी दिन कानून बन जाएगा। लेकिन वह अध्यादेश भी गायब हो गया। अब जुलाई में कहा गया कि विधानसभा के मानसून सत्र में यह बिल पेश किया जाएगा। आतिशी ने कहा कि अप्रैल, मई, जून, जुलाई यानि चार महीने बीत गए, क्योंकि सरकार के साथ सांठगांठ कर चुके प्राइवेट स्कूल आराम से मनमानी फीस बढ़ा सकें। बच्चों व पैरेंट्स को डरा- धमकाकर उनसे साल की बढ़ी फीस ले लें। इसलिए चार महीने तक बिल को विधानसभा में पेश नहीं किया गया। जब यह बिल पेश किया जा रहा है तो यह बिल 100 फीसद फर्जीवाड़ा है। यह बात इससे पता चलती है कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में प्राइवेट स्कूलों ने बेतहाशा फीस बढ़ाई है। उस फीस को कंट्रोल करने का बिल में कहीं पर कोई प्रावधान नहीं है। बिल में स्पष्ट लिखा है कि 15 अगस्त तक कमेटी बननी होगी। जबकि यह बिल 4 अगस्त को पेश हो रहा है। अब इस पर सदन में बहस होगी, फिर यह पास होगा। इसके बाद केंद्र सरकार के पास जाएगा, फिर गजट में आएगा। 15 अगस्त तो ऐसे ही पार हो जाएगा। फिर कहा जाएगा कि इस साल की तारीख तो निकल गई, अगले साल से देखेंगे। इससे स्पष्ट है कि इस साल बेतहाशा बढ़ी फीस पर बिल के आने से कोई लगाम नहीं लगेगा। आतिशी ने कहा कि 13 पन्नों के बिल में कहीं पर भी प्राइवेट स्कूलों के खातों का ऑडिट करने का प्रावधान नहीं है। इसका मतलब प्राइवेट स्कूल मनमाना फीस बढ़ा सकते हैं। स्कूल की फीस बढ़ाने वाली कमेटी की अध्यक्षता प्राइवेट स्कूल की मैनेजमेंट करेगी। ये वही स्कूल मैनेजमेंट है, जिसके खिलाफ 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में सड़कों पर उतर कर पैरेंट्स प्रदर्शन कर रहे थे। यह बिल सिर्फ प्राइवेट स्कूल मालिकों को बचाने के लिए लाया जा रहा है। आम आदमी पार्टी विधानसभा के सत्र से लेकर सड़क तक इसका विरोध करेगी। अगर जरूरत पड़ी तो कोर्ट भी जाएंगे। जिस तरह से यह बिल बिना परदर्शिता और रायशुमारी के लाया गया है और प्राइवेट स्कूलों को बचाने के लिए जो प्रावधान किया गया है, उसका विरोध करेंगे। आतिशी ने भाजपा सरकार के समक्ष दो मांगें रखते हुए कहा कि इस बिल को सेलेक्ट कमेटी को भेजा जाए। सेलेक्ट कमेटी पैरेंट्स, स्कूलों, एक्टिविस्ट और शिक्षकों से रायशुमारी करेगी।

होलंबी कलां में बम स्क्वॉयड का तलाशी अभियान, पुराने दफन बम मिले सुरक्षित

नई दिल्ली, । बाहरी दिल्ली के होलंबी कलां फेज-2 की झाड़ियों में सोमवार सुबह बम स्क्वॉयड ने विस्फोटकों की तलाश के लिए गहन तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान एनएसजी कमांडो, एफएसएल रोहिणी की टीम और स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। अचानक इलाके में पुलिस और बम निरोधक दस्ते की हलचल बढ़ने से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार किए गए बदमाशों की निशानदेही पर की जा रही थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि वन विभाग की जमीन में विस्फोटक छुपाए गए हैं। चूंकि इस स्थान से पहले भी विस्फोटक बरामद किए जा चुके हैं, इसलिए तलाशी अभियान को गंभीरता से लिया गया। जांच के दौरान पुलिस ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2023 में इस इलाके से बरामद 10 देसी बमों को सुरक्षा कारणों से यहीं एक अलग भूमि में दफनाया गया था। संबंधित विभागों को इस प्रक्रिया की जानकारी पहले ही भेजी गई थी। सोमवार को तलाशी अभियान के दौरान एनएसजी, बम निरोधक दस्ते (बीडीटी) आउटर नॉर्थ और एफएसएल रोहिणी की टीमें मौके पर पहुंचीं और पुराने दफन बमों की सुरक्षा स्थिति की जांच की। बमों के सुरक्षित निपटान और सत्यापन के बाद टीम ने तलाशी अभियान समाप्त कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम ने क्षेत्र के लोगों में तनाव और अफवाह जरूर पैदा की, लेकिन पुलिस ने आश्वस्त किया कि कोई नया विस्फोटक बरामद नहीं हुआ और पुराना स्टॉक ही सुरक्षित पाया गया।

गांधी दर्शन राजघाट में तराना आर्ट व म्यूजिक क्लब ने सजाया कला का अनूठा संगम

प्रात: किरण: मनोज जैन

नई दिल्ली: तराना आर्ट व म्यूजिक क्लब द्वारा नई दिल्ली स्थित गांधी दर्शन म्यूज़ियम, राजघाट में आयोजित प्रदर्शनी में 8 वर्ष से लेकर 65 वर्ष तक के कलाकारों ने आर्ट और फोटोग्राफी के माध्यम से सृजनशीलता का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। इस मौके पर प्रदर्शनी स्थल पर कला, संस्कृति और रचनात्मकता का अद्भुत मेल देखने को मिला। इस प्रदर्शनी में कत्थक सम्राट पंडित बिरजू महाराज की सुपुत्री ममता महाराज, संयोजक नवानिल चौधरी, अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिलाध्यक्ष विपिन जैन, महामंत्री शुभम जैन, मंत्री नरेंद्र जैन, मंडल अध्यक्ष जसवीर सिंह भाटिया, हेमंत चौहान और दीपक जैन सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कलाकारों ने अपनी चित्रकृतियों और फोटोग्राफ्स के माध्यम से कला के विभिन्न आयामों को जीवंत किया। प्रदर्शनी में तनु सिंघल, सुधा चौहान, मीनाक्षी, तिथि दास, अनुराधा नागपाल, प्रीति अग्रवाल, शालिनी नारंग, अनीता मल्होत्रा, बेबी तक्षवी सहगल, बेबी हंसिका और मास्टर देवेश अनमोल सैनी की पेंटिंग को दर्शकों ने विशेष रूप से सराहा। इन कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों में कल्पनाशक्ति, सृजनात्मकता और अनूठे दृष्टिकोण को ब्रश और रंगों के माध्यम से साकार किया। गौरतलब है कि प्रदर्शनी में माडर्न आर्ट के साथ-साथ सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करती पेंटिंग, भगवान बुद्ध और भगवान शंकर की अद्भुत चित्रकृतियाँ भी प्रदर्शित की गईं। मंडला, लिप्पन कला, कैनवास पेंटिंग और शिल्प कला जैसी विविध विधाओं ने प्रदर्शनी को और भी आकर्षक बना दिया। दर्शकों ने न सिर्फ कलाकारों के हुनर की तारीफ की, बल्कि उनकी रचनात्मकता और संदेशपूर्ण प्रस्तुति की भी भरपूर सराहना की।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 21 साल से फरार हत्यारा चीनी मांझा सप्लायर और स्नैचिंग गिरोह पकड़े गए

प्रात: किरण: मनोज जैन

दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच की एनडीआर यूनिट ने 21 साल से फरार पत्नी हत्याकांड के आरोपी वीरपाल उर्फ मयजू (60), निवासी बख्शी का तालाब, लखनऊ को गिरफ्तार किया। 2004 में जहांगीरपुरी में पत्नी की हत्या कर वह फरार हो गया था और अदालत ने उसे उद्घोषित अपराधी घोषित किया था। फरारी के दौरान उसने नाम बदलकर विजय उर्फ रामदयाल रख लिया और लखनऊ में मजदूरी करते हुए तीसरी शादी भी कर ली। इंस्पेक्टर विवेक मलिक की टीम ने तकनीकी व मैनुअल निगरानी के बाद उसे लखनऊ से दबोच लिया। इस मामले की कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) आदित्य गौतम के निर्देशन में हुई। इसी बीच, क्राइम ब्रांच की इंटरस्टेट सेल ने 660 रोल प्रतिबंधित चीनी मांझा के साथ दो सप्लायर – मनीष और सलीम पठान, दोनों निवासी मुरादनगर, गाज़ियाबाद – को पकड़ा। 1 अगस्त 2025 को मिली सूचना के बाद मांडोली के पास मनीष को टेम्पो समेत 540 रोल के साथ दबोचा गया। उसकी निशानदेही पर सलीम पठान से 120 रोल बरामद हुए। पुलिस ने एक टेम्पो, एक स्कूटी और कुल 660 रोल जब्त किए। इस मामले की जांच पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) आदित्य गौतम के निर्देशन में जारी है। वहीं, थाना आनंद पर्वत, मध्य जिला पुलिस ने स्नैचिंग के मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा है, जिनमें दो नाबालिग शामिल हैं। 31 जुलाई 2025 को मिलिट्री रोड पर शिकायतकर्ता से पाँच हजार रुपये की छीना-झपटी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को दबोचा गया। गिरफ्तार करण (19) के घर से ढाई हजार रुपये बरामद हुए। इस कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस उपायुक्त (मध्य जिला) निधान वलसन के निर्देशन में किया गया।

नाबालिग बेटी की हत्या व दुष्कर्म की आशंका पिता ने प्राथमिकी के लिए कोर्ट का किया रुख

नई दिल्ली, । कड़कड़डूमा कोर्ट में एक पिता ने याचिका दाखिल कर नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न, मारपीट और हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। उनका कहना है कि पत्नी उन्हें आठ साल पहले दो बच्चों के साथ छोड़कर चली गई थी। पत्नी एक मुस्लिम व्यक्ति के साथ रहने लगी थी। उसने अपने दोनों बच्चों को भी इस्लाम धर्म में परिवर्तित कर लिया था। याचिका के मुताबिक, शिकायतकर्ता को हाल ही में एक रिश्तेदार से पता चला कि उसकी बेटी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। जब वह शवगृह पहुंचा तो बेटी के शरीर पर चोट के गंभीर निशान नजर आए। बेटी का हिंदू रीति-रिवाजों से अंतिम संस्कार करने के लिए उसने जब मुस्लिम व्यक्ति से शव सौंपने का अनुरोध किया, तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि इसके बाद आरोपी और उसके परिजनों ने शव को गुपचुप तरीके से दफना दिया। उन्होंने इस संबंध में गत 31 जुलाई को जगतपुरी थानाध्यक्ष से संपर्क किया और जिला पुलिस उपायुक्त को भी मेल भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह गंभीर मामला है और इसमें त्वरित जांच होनी चाहिए। शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमिता सचदेवा और पार्थ यादव ने अदालत से अनुरोध किया कि वह थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने और बेटी के शव को दफनाने वाली जगह का पता लगाने के निर्देश दें। अब मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आयुषी सक्सेना ने थानाध्यक्ष से स्थिति रिपोर्ट तलब की है। मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को तय हुई है।

शाहदरा में एक पेड़ माँ के नामह्व का हरियाली महोत्सव अंजू गोगिया बोलीं, पेड़ लगाना जीवन को सजाना है

प्रात: किरण: मनोज जैन

शाहदरा जिले में एक पेड़ माँ के नाम अभियान ने हरियाली और पर्यावरण संरक्षण की एक नई क्रांति खड़ी कर दी है। जगतपुरी भाजपा मंडल की महामंत्री अंजू गोगिया के नेतृत्व और प्रेरणा से यह मुहिम अब पूरे जिले में जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। आज भी जिले के विभिन्न इलाकों, पार्कों और सड़कों के किनारे सैकड़ों लोग पौधे लगाने पहुंचे। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ भाजपा नेताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। पौधारोपण के इस सामूहिक प्रयास ने पूरे क्षेत्र को हरियाली के उत्सव में बदल दिया, जहां हर चेहरा उत्साह और गर्व से चमक रहा था। कार्यक्रम के दौरान अंजू गोगिया ने कहा कि पेड़ सिर्फ प्रकृति की सजावट नहीं, बल्कि हमारे जीवन की सांस हैं। पेड़ लगाना धरती को सजाने और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प है ।ह्व उन्होंने प्रेरक स्वर में यह पंक्तियाँ भी कहीं – पेड़ लगाओ, धरती सजाओ, हरियाली से जीवन जगमगाओ; छाया मिलेगी, सुख आएगा, हर इंसान मुस्कुराएगा। उनके इन शब्दों ने वहां मौजूद हर व्यक्ति के मन में हरियाली को संजोने का संकल्प और भी मजबूत कर दिया। अभियान के तहत लोगों ने न सिर्फ पौधे लगाए, बल्कि यह वादा भी किया कि उन्हें पेड़ बनने तक सहेजेंगे और सुरक्षित रखेंगे। अंजू गोगिया ने कहा कि यदि हर व्यक्ति साल में एक पौधा अपनी माँ के नाम पर लगाए और उसकी देखभाल करे, तो कुछ ही वर्षों में हमारा शाहदरा जिला दिल्ली के सबसे हरे-भरे और प्रदूषण-मुक्त जिलों में शामिल हो जाएगा।

खोया बच्चा परिवार से मिला, ड्रग सप्लायर दबोचे, अंतरराष्ट्रीय ई-सिगरेट तस्करी का पदार्फाश, दिल्ली पुलिस की तीन बड़ी कार्रवाइयाँ

प्रात: किरण: मनोज जैन

दिल्ली के नांगलोई ट्रैफिक सर्कल के पुलिसकर्मियों ने मानवीय संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई का परिचय देते हुए 13 वर्षीय लापता बच्चे सिद्धार्थ को उसके परिजनों से मिलवाया। 4 अगस्त 2025 को टिकरी बॉर्डर प्वाइंट पर तैनात एएसआई दीपक राज, हेड कांस्टेबल रवीकांत, सचिन, कांस्टेबल राकेश और सुमित ने मेट्रो पिलर नंबर 742 के पास सहमे हुए बच्चे को देखा और उसे पानी व नाश्ता दिया। बच्चे की पहचान के बाद पिता जितेंद्र सिंह (निवासी बहादुरगढ़, हरियाणा) से संपर्क कर मामले की एफआईआर संख्या 323/2025, धारा 140(3) बीएनएस, थाना सिटी बहादुरगढ़ के तहत सुरक्षित रूप से सुपुर्द किया गया। पुलिस आयुक्त ने टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की। अपराध शाखा की डब्ल्यूआर-क इकाई ने 5 महीने की लगातार निगरानी के बाद दो वांछित ड्रग सप्लायर विजय उर्फ बीजू और विनीत कुमार उर्फ रहीस, निवासी सीकर, राजस्थान, को माया पुरी फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया। दोनों आंध्र प्रदेश से गांजा खरीदकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करते थे और फरवरी 2025 में 156.742 किलोग्राम गांजा की बरामदगी के मामले में फरार चल रहे थे। इस संबंध में एफआईआर संख्या 47/2025, थाना राजा गार्डन, धारा 20 क्क(सी)/25 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने इन्हें 9 दिन की हिरासत में लेकर आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में तस्करी नेटवर्क के अन्य तार जोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है। सेंट्रल जिले की स्पेशल सेल ने अंतरराष्ट्रीय ई-सिगरेट तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ कर नेपाल के दो नागरिक – बिश्वनाथ बरई और गंगाराम चौधरी – को गिरफ्तार किया और 2970 प्रतिबंधित ह्यएल्फबार आइस किंगह्व ब्रांड ई-सिगरेट के 11 अलग-अलग फ्लेवर बरामद किए। आरोपी चीन से नेपाल के रास्ते दिल्ली में तस्करी कर इन्हें ऊंचे दामों पर बेचते थे और करोल बाग, जनपथ व कनॉट प्लेस जैसे इलाकों में सप्लाई कर चुके थे। इस संबंध में एफआईआर संख्या 302/2025, थाना कमला मार्केट, धारा 4/7 ह्यद प्रोहीबिशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट्स ऑर्डिनेंस 2019 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस की सख़्त कार्रवाई–स्नैचिंग, ऑटो-लिफ्टिंग, लूट, जुआ और हथियार बरामदगी में कई गैंग

प्रात: किरण: मनोज जैन

दिल्ली पुलिस ने राजधानी में अपराध पर नकेल कसते हुए एक ही दिन में अलग-अलग इलाकों में कई बड़ी कार्रवाइयाँ कर एक के बाद एक आपराधिक गैंग का पदार्फाश किया। सेंट्रल ज़िले की स्पेशल स्टाफ टीम ने स्नैचिंग व ऑटो-लिफ्टिंग में लिप्त गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गैंग लीडर विवेक उर्फ सनी, उसके साथी मोहम्मद समीर उर्फ टाटा और एक नाबालिग को मिंटो रोड बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से एक स्नैच किया हुआ मोबाइल, दो चोरी की मोटरसाइकिल और तीन चोरी की स्कूटी बरामद हुईं। विवेक चोरी की गाड़ियों को प्रतिदिन 1,000 किराये पर स्नैचरों को देता था। इस कार्रवाई से स्नैचिंग, वाहन चोरी और चोरी के कुल 7 मामले सुलझाए गए। वहीं, नॉर्थ ज़िले के बुराड़ी थाना पुलिस ने 9 वर्ष से फरार जमानत उल्लंघनकर्ता व दो मामलों में घोषित अपराधी बिजेंद्र उर्फ तिवारी को गाज़ियाबाद से दबोच लिया, जो चोरी और आर्म्स एक्ट के मामलों में वांछित था। इसी ज़िले की पीपी तिस हजारी कोर्ट पुलिस टीम ने महज 24 घंटे में ब्लाइंड लूट का खुलासा करते हुए रिंकू उर्फ गैंद्रा और टीटू उर्फ अखिल को गिरफ्तार कर 5,400 की लूटी हुई रकम, मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल धारदार ब्लेड बरामद किया। नॉर्थ-ईस्ट ज़िले में भी पुलिस की टीमों ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की। अअळर/ठए टीम ने कासिफ उर्फ कास्सू को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 चोरी की गाड़ियाँ बरामद कीं, जिनमें स्कूटी और मोटरसाइकिलें शामिल थीं, जो दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चोरी की गई थीं। वहीं, भजनपुरा थाना पुलिस ने मध्यरात्रि गश्त के दौरान भगत सिंह पार्क से 4 जुआरियों को 20,300 रुपये नकद और 52 पत्तों के साथ पकड़कर दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। इसी ज़िले के वेलकम थाना पुलिस ने गश्त के दौरान दो कुख्यात हथियारबंद अपराधियों अरमान उर्फ टिक्का और जहीर उर्फ गुड्डू को धर दबोचा। इनके पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए। जांच में पता चला कि दोनों पहले भी हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों में शामिल रह चुके हैं। इन सभी कार्रवाइयों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि दिल्ली पुलिस राजधानी में आपराधिक तत्वों के खिलाफ लगातार और सख़्त एक्शन लेने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीबीआई को नहीं मिले सबूत; सत्येंद्र जैन के खिलाफ कोर्ट ने बंद किया भ्रष्टाचार का केस

नई दिल्ली, । दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के मामले को बंद कर दिया। अदालत ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए कहा कि चार साल की जांच के बावजूद भ्रष्टाचार का कोई ठोस सबूत नहीं मिला। विशेष न्यायाधीश (पीसी अधिनियम) डिग विनय सिंह ने सुनवाई के दौरान कहा कि जो तथ्य और आरोप सामने आए हैं, वे आगे की जांच या मुकदमे की कार्रवाई के लिए पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कानून में शक को सबूत का स्थान नहीं दिया जा सकता, और किसी को आरोपी ठहराने के लिए मजबूत और ठोस सबूत आवश्यक होते हैं। सत्येंद्र जैन पर आरोप था कि दिल्ली सरकार में पीडब्लूडी मंत्री रहते हुए उन्होंने आउटसोर्सिंग के माध्यम से 17 सलाहकारों की टीम की नियुक्ति को मंजूरी दी, जिससे सरकारी भर्ती प्रक्रिया दरकिनार हुई। इसी आधार पर सतर्कता विभाग की शिकायत पर सीबीआई ने मई 2019 में एफआईआर दर्ज की थी। जांच के दौरान सीबीआई ने पाया कि विभाग की तत्काल आवश्यकता के कारण ये नियुक्तियां की गईं, प्रक्रिया पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी थी और किसी प्रकार का अनुचित लाभ या व्यक्तिगत फायदा साबित नहीं हुआ। अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए मामला बंद कर दिया। साथ ही, कोर्ट ने यह भी कहा कि भविष्य में यदि कोई नया सबूत सामने आता है, तो सीबीआई को मामले की आगे जांच करने की पूरी स्वतंत्रता होगी।

शाहदरा पुलिस की सतर्कता, 15 अगस्त और रक्षाबंधन पर सख्त चौकसी

डीसीपी के निर्देश पर थाना प्रभारी प्रफुल कुमार और टीम ने गांधीनगर रोड पर की कड़ी जांच

प्रात: किरण: मनोज जैन

शाहदरा जिले में स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन जैसे महत्वपूर्ण अवसरों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है। डीसीपी के निर्देश पर जिलेभर में टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 15 अगस्त और रक्षाबंधन पर जिले में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहे। इसी क्रम में आज शाहदरा जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी प्रफुल कुमार, इंस्पेक्टर विकास कुमार और पूरे पुलिस स्टाफ ने मिलकर गांधीनगर रोड पर सघन जांच अभियान चलाया। वाहन चालकों के कागजात, पहचान और गाड़ियों की डिक्की तक की बारीकी से जांच की गई। पुलिस ने आने-जाने वाले हर वाहन को रोककर उसकी सावधानीपूर्वक तलाशी ली और नागरिकों को भी सतर्क रहने व किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। थाना प्रभारी प्रफुल कुमार और इंस्पेक्टर विकास कुमार ने बताया कि शाहदरा पुलिस लगातार दिन-रात पेट्रोलिंग कर रही है, ताकि अपराधियों को कोई मौका न मिल सके। उनका कहना है कि 15 अगस्त और रक्षाबंधन जैसे त्योहारों पर जिले की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसके लिए पुलिस बल लगातार अलर्ट मोड पर है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के जांच अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और मजबूत हो सके।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शाहदरा व शाहपुर में शिवभक्ति का अद्भुत संगम

प्रात: किरण: डॉ. अनुज अग्रवाल व मनोज जैन

दिल्ली के शाहदरा जिले और उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद के शाहपुर कस्बे व आसपास के क्षेत्रों में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शिवभक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। तड़के से ही श्रद्धालु विभिन्न शिवालयों और मंदिरों में पहुंचने लगे और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर बाबा भोलेनाथ के भक्तों ने पंचामृत से स्नान, बेलपत्र, धतूरा, भांग, कमलगट्टे सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर रुद्राभिषेक किया। महिला श्रद्धालु भी कलश और पूजन सामग्री लेकर लंबी कतारों में खड़ी रहीं, शिवलिंग पर जलाभिषेक कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना करती रहीं। शाहदरा जिले के प्राचीन शिवालयों, बारह वाला मंदिर गोयला, श्री एकांतेश्वर महादेव मंदिर जुड़ी वाला पलड़ा, स्वयं प्रकट शिव-पार्वती मंदिर साझक सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में सुबह से लेकर देर शाम तक भक्तों की भीड़ लगी रही। स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे, ताकि भीड़ में किसी तरह की अफरा-तफरी न हो। जगह-जगह स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को जल और प्रसाद वितरित किया, वहीं मंदिरों में गूंजते भजन और शिव नाम संकीर्तन ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। सिर्फ मंदिर ही नहीं, बल्कि शाहदरा और शाहपुर के मोहल्लों में भी लोगों ने अपने घरों में पूजा-अर्चना और हवन का आयोजन किया। पूरे दिन भक्ति की लहर दौड़ती रही, और श्रावण मास का यह अंतिम सोमवार श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और सामाजिक मेलजोल का अद्भुत प्रतीक बन गया।

दिल्ली में 14.64 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 14.644 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में गांजे की सप्लाई करता था और लंबे समय से ड्रग्स की तस्करी में सक्रिय था। डीसीपी हरेश्वर वी. स्वामी के मुताबिक, पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि नरेला के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल के पास एक गांजा तस्कर बड़ी खेप लेकर आने वाला है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर ए.के. झा के नेतृत्व में टीम ने इलाके में घेराबंदी की। 01 अगस्त की रात करीब 12:30 बजे पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को सफेद प्लास्टिक की बोरी लेकर स्मृति वन की ओर से आते देखा। रोकने पर उसकी पहचान मोहर सिंह के रूप में हुई। बोरी की तलाशी में 14.644 किलो गांजा बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पहले भी शस्त्र अधिनियम के एक मामले में शामिल रह चुका है। अब उससे पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि वह गांजा कहां से लाता था और किन इलाकों में सप्लाई करता था, ताकि तस्करी के नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

कैश फर्म के कर्मचारी से दिनदहाड़े 16 लाख की लूट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । आजाद मार्केट इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने शनिवार को कैश फर्म के कर्मचारी से 16 लाख रुपये लूट लिए। बाड़ा हिंदूराव पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि दिनेश शर्मा चांदनी चौक के हैदरकुली में रहता है। वह बालाजी ट्रेडिंग कंपनी के लिए नकदी लाने और ले जाने का काम करता है। पीड़ित के मुताबिक, वह शनिवार को फर्म के मालिक के कहने पर पश्चिम विहार स्थित एक अन्य फर्म के ऑफिस से 16 लाख रुपये लेने गया था। रुपये लेने के बाद उसने ऑनलाइन ऑटो बुक किया और चांदनी चौक के लिए रवाना हुआ। रास्ते में आजाद मार्केट की रेड लाइट पर भीड़ की वजह से आटो रुका था। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाश आए और पीड़ित से बैग छीनने लगे। पीड़ित के विरोध करने पर दो बदमाशों ने उसे चाकू दिखाया और दिनदहाड़े रुपयों से भरा बैग छीनकर भाग निकले। वारदात के दौरान आसपास बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, लेकिन किसी ने बदमाशों को रोकने का साहस नहीं दिखाया। बदमाशों के भागने के बाद पीड़ित ने घटना की जानकारी फर्म मालिक और पुलिस को दी। फिलहाल एसआई कविंद्र की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। अब तक की जांच में सामने आया है कि बदमाश पश्चिम विहार से ही पीड़ित का पीछा कर रहे थे।

दुष्कर्म का विरोध करने पर बच्ची का सिर फोड़ा

नई दिल्ली, । शाहबाद डेरी इलाके में दुष्कर्म का विरोध करने पर एक शख्स ने बच्ची का सिर फोड़ दिया। पुलिस ने रविवार को पॉक्सो और अन्य धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। दस वर्षीय पीड़िता परिवार के साथ शाहबाद डेरी इलाके में रहती है। वह कक्षा चार की छात्रा है। पीड़िता शनिवार रात घर में सोई थी। तभी पड़ोस में रहने वाला कपिल पासवान छत के रास्ते पीड़िता के कमरे में घुस गया और दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। इस बीच पीड़िता ने शोर मचाया, तो आरोपी ने उसका सिर दीवार पर पटक दिया। इस बीच बच्ची की चीख सुनकर घरवाले कमरे में पहुंचे, तो आरोपी भाग निकला। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक फैक्टरी में काम करता है और फिलहाल फरार है।

विक्रम विवि का नाम बदलकर होगा सम्राट विक्रमादित्य विवि, 6 संशोधन विधेयक पेश

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के छठे दिन कई महत्वपूर्ण घटनाएँ हुईं। सोमवार को सत्र में 6 संशोधन विधेयक पेश किए गए, जिनमें से एक विधेयक पारित हुआ। इस विधेयक के अनुसार, उज्जैन के प्रसिद्ध विक्रम विश्वविद्यालय का नाम अब बदलकर %सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय% होगा। इसके अलावा, मैहर में नई जनपद पंचायत बनाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

विक्रम विश्वविद्यालय का नया नाम उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने %मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025% सदन के पटल पर रखा, जिसमें विक्रम विश्वविद्यालय का नाम बदलने का प्रस्ताव था। इस विधेयक पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने सहमति जताई, जिसके बाद इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। यह निर्णय उज्जैन के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मंत्री ने खोली सरकार के दावों की पोल

सदन में एक चौंकाने वाली घटना तब हुई जब मंत्री प्रहलाद पटेल ने खुद सरकार के दावों की पोल खोल दी। उन्होंने बताया कि अपने सरकारी बंगले में पौधारोपण के लिए उन्होंने नगर निगम से ग्रे वॉटर का कनेक्शन मांगा था, लेकिन निगम के अधिकारियों ने उन्हें पीने के पानी के तीन कनेक्शन देने का प्रलोभन दिया। मंत्री ने इस पर आपत्ति जताई तो अधिकारियों ने कहा कि आप किसी को बताना नहीं। मंत्री ने इस ऑफर को ठुकरा दिया और तीन महीने के इंतजार के बाद उन्हें ग्रे वॉटर का कनेक्शन मिल सका। उन्होंने सदन में कहा कि सभी बड़े बंगलों और होटलों में ग्रे वॉटर की व्यवस्था होनी चाहिए।

मैहर में बनेगी नई जनपद पंचायत

प्रश्न-उत्तर काल के दौरान विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के सवाल पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि मैहर विधानसभा क्षेत्र में एक नई जनपद पंचायत बनाने की प्रक्रिया चल रही है। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग इस संबंध में रिपोर्ट देगा, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी इसकी समय-सीमा बताना संभव नहीं है।

मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया बीमारी से बचाव के लिए की गई विभिन्न गतिविधियां

भोपाल । राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया आज जिला मलेरिया कार्यालय में श्रीमति गीतालक्ष्मी लैब टेक्नीशियन के निर्देशन में श्रीमति अन्नपूर्णा धुरिया लैब टेक्नीशियन, श्रीमति उज्ज्वला खरे लैब टेक्नीशियन, नीरज लोधी लैब टेक्नीशियन, श्रीमति दीपिका टिकले लैब टेक्नीशियन द्वारा एल.एन.सिटी मेडिकल कॉलेज के छात्र - छात्राओं को मलेरिया, फाइलेरिया की माइक्रोस्कोपी प्रशिक्षण एवं जनजागरूकता सम्बन्धी जानकारी दी गई। भोपाल शहर के कई छात्रावासों, आंगनवाड़ी में कार्यशाला एवं प्रचार प्रसार का आयोजन बड़े ही व्यापक स्तर पर किया जा रहा है जिसके अंतर्गत सोमवार को छात्रावास श्यामला हिल्स वार्ड-24 जोन-21 में मनोज बाथम द्वारा छात्रावास बड़बई वार्ड 75 जोन-17 में राजकुमार नागर द्वारा, आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड-43 जोन-12 में शंकरलाल वर्मा द्वारा, मच्छर जनित बीमारियों से बचाव हेतु जानकारी दी गई। जिसमें बच्चों को घर में रखे फालतू कंटेनर को हटाने और 7 दिन के अंदर पानी से भरे खुले बर्तनों को खाली करने की सलाह दी गई एवं लार्वा की पहचान कराई गई और पेंपलेट वितरण किए गए एवं छात्रावासों में लार्वासर्वे, लार्वा विनिष्टीकरण का कार्य किया गया।

रीवा कमिश्नर का अनोखा पर्यावरण प्रेम, हर मंगलवार साइकिल पर सवार होंगे अफसर

अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य को मिलेगा लाभ

रीवा, प्रातः किरण संवाददाता। पर्यावरण को स्वच्छ रखने और ईंधन की खपत कम करने के उद्देश्य से रीवा संभाग के कमिश्नर ने एक अनोखी पहल की है। उन्होंने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों और अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे सप्ताह में कम से कम एक दिन यानी हर मंगलवार साइकिल से दफ्तर आएं। इस दिन को उन्होंने ट्यूसडे-बायसाइकिल डे नाम दिया है।

आदेश की प्रमुख बातें

कमिश्नर के आदेश के अनुसार, मंगलवार को न तो कोई अधिकारी और न ही कर्मचारी अपने सरकारी या निजी पेट्रोल-डीजल वाहनों का उपयोग करेंगे। महिला अधिकारी चाहें तो ई-स्कूटी या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकती हैं। वहीं क्षेत्र में भ्रमण के दौरान यदि निरीक्षण करना हो तो दो या तीन अधिकारी मिलकर पूल वाहन का प्रयोग करेंगे। इससे न केवल पर्यावरण को लाभ मिलेगा बल्कि विभागीय कार्यों का त्वरित समाधान भी हो सकेगा।

कमिश्नर ने कहा कि वर्तमान समय में ईंधन की बढ़ती कीमतें, पर्यावरण प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं समाज के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। ये मुद्दे न केवल हमारी अर्थव्यवस्था पर दबाव डालते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में भी बाधा बनते हैं। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना एक छोटा कदम है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं। इससे स्वास्थ्य बेहतर होगा, ईंधन की बचत होगी और पर्यावरण भी प्रदूषण से बचेगा।

सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

कमिश्नर का यह आदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कई लोग इसे एक सराहनीय पहल बता रहे हैं और इसे अन्य जिलों में भी लागू करने की मांग कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग इस पर व्यंग्य और हास्य भी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अफसरों के लिए यह आदेश लागू करना आसान नहीं होगा।

लाभों पर विशेषज्ञों की राय

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस आदेश को गंभीरता से पालन किया गया तो शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और लोगों में साइकिल चलाने की संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे अफसरों और कर्मचारियों में फिटनेस और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी।

आगे की राह होगी आसान

रीवा कमिश्नर का मानना है कि यह पहल यदि सफल होती है तो इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की सिफारिश की जा सकती है। साथ ही, नागरिकों को भी प्रेरित किया जाएगा कि वे हफ्ते में कम से कम एक दिन अपने वाहन की जगह साइकिल या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।

पैसों के लालच में पिता ने किया बेटी का सौदा 16 साल की उम्र में बना दिया बालिका वधू

धार, प्रातः किरण संवाददाता। मध्य प्रदेश के धार जिले के धरमपुरी थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक कलयुगी पिता ने अपनी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी का सौदा कर उसे शादी के बंधन में बाँध दिया। इस शादी के बदले पिता ने दूल्हे से मोटी रकम ली थी। यह चौंकाने वाली घटना तब सामने आई जब नाबालिग ने अपने ससुराल से घर वापस जाने की इच्छा जताई।

पीड़ित नाबालिग इंदौर के कनाड़िया क्षेत्र की रहने वाली है। उसके पिता, राज सूर्यवंशी, ने 23 जून को उसकी शादी धरमपुरी में हिंदू रीति-रिवाज से करवा दी। शादी के बाद नाबालिग को लगभग एक महीने तक अपने ससुराल में रहना पड़ा, जहाँ उसका पति शिवम लगातार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा।

पिता और पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मामला इंदौर थाने में शून्य पर दर्ज होने के बाद धरमपुरी थाने पहुँचा। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग के पति शिवम और पिता राज सूर्यवंशी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही है। यह घटना समाज में बाल विवाह और बेटियों के प्रति हो रहे अत्याचारों की एक और कड़ी है, जो हमें सोचने पर मजबूर करती है।

ससुराल में प्रताड़ना और पिता का अत्याचार

जब नाबालिग ने अपनी सास से घर जाने की इच्छा जताई, तो सास ने इस बात की सूचना उसकी बुआ को दी। इसके बाद नाबालिग का पिता राज सूर्यवंशी ससुराल पहुँचा और उसने अपनी बेटी के साथ मारपीट की। उसने अपनी बेटी को बताया कि उसे यहीं रहना होगा, क्योंकि उसने शादी के बदले पैसे लिए हैं। इस खुलासे के बाद नाबालिग के पैरों तले ज़मीन खिसक गई।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन रहा सरगुजा जिला

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित बिहान योजना के माध्यम से सरगुजा जिले के लूण्ड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करौली की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की नई कहानी लिख रही हैं। बिहान योजना के तहत गठित हिंग्लेश्वरी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने तेल प्रोसेसिंग इकाई स्थापित कर आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। समूह की अध्यक्ष सरोज के नेतृत्व में 5 स्व-सहायता समूहों की 28 महिलाओं को एकजुट कर प्रोड्यूसर ग्रुप का गठन किया गया। इस समूह ने सरसों तेल निर्माण की फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार का प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। वर्तमान में समूह द्वारा सरसों तेल निर्माण की सम्पूर्ण प्रक्रिया - बीज की सफाई, प्रोसेसिंग, भंडारण, पैकिंग एवं विपणन स्वयं संचालित की जा रही है। इस इकाई में कार्यरत प्रत्येक महिला को प्रतिदिन 200 रूपए की मजदूरी प्राप्त हो रही है।

मालेगांव ब्लास्ट-साध्वी प्रज्ञा बरी होने पर सियासी घमासान

विधायक आरिफ मसूद बोले- आतंकवाद का कोई मजहब नहीं

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। 2008 के मालेगांव बम धमाके मामले में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के बरी होने पर देश की सियासत में हलचल तेज हो गई है। इस फैसले पर भोपाल से कांग्रेस के फायरब्रांड विधायक आरिफ मसूद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा है कि आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता, न आतंकवाद का कोई मजहब से ताल्लुक है, यह व्यक्ति विशेष का ताल्लुक होता है। मसूद के इस बयान से एक बार फिर आतंकवाद और उसके कथित धार्मिक जुड़ाव को लेकर पुरानी बहस छिड़ गई है।

मालेगांव ब्लास्ट और साध्वी प्रज्ञा का मामला

गौरतलब है कि 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए बम धमाके में छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक घायल हुए थे। इस मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर मुख्य आरोपियों में से एक थीं और उन्हें कई सालों तक जेल में रहना पड़ा था। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी और वे भोपाल से लोकसभा सांसद चुनी गईं। इस मामले में लंबी सुनवाई के बाद अब उन्हें बरी कर दिया गया है। आरिफ मसूद के इस बयान ने मामले को फिर से सुर्खियों में ला दिया है और भविष्य में इस पर कानूनी और राजनीतिक घमासान जारी रहने की संभावना है।

महाराष्ट्र सरकार फैसले के खिलाफ अपील करे

आरिफ मसूद ने साध्वी प्रज्ञा के बरी होने के फैसले पर अपनी असहमति जताते हुए सीधे तौर पर महाराष्ट्र सरकार से अपील करने की मांग की है।

उन्होंने कहा, अगर न्यायालय ने उन्हें (साध्वी प्रज्ञा) बरी किया है, जिस तरह बॉम्बे ब्लास्ट (के कुछ आरोपियों) को बरी किया गया है, हम चाहते हैं कि बॉम्बे सरकार (महाराष्ट्र सरकार) इस फैसले के खिलाफ फिर से अपील करे। मसूद का यह बयान ऐसे समय में आया है जब मालेगांव ब्लास्ट का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है और इस पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

उनके इस आह्वान के बाद अब सबकी निगाहें महाराष्ट्र सरकार पर टिकी हैं कि क्या वह इस संवेदनशील मामले में आगे कोई कानूनी कदम उठाती है।

राज्य में जल्द होगी नई शिक्षक बहाली, मुख्यमंत्री

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य में अब भी शिक्षकों की आवश्यकता बनी हुई है। इसे ध्यान में रखते हुए 5,000 नये शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र आरंभ की जाएगी। विद्यालय भवनों के रखरखाव के लिए 133 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है। साथ ही छात्रावासों की स्थिति सुधारने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की संख्या कम

सीएम विष्णु देव साय राजधानी में रविवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी संभालते ही प्राथमिकता रही कि विभाग को गहराई से समझते हुए सुधार की ठोस पहल की जाए। सबसे पहले एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पाया गया कि राज्य में शिक्षक और छात्रों का अनुपात राष्ट्रीय औसत से बेहतर होने के बावजूद वितरण असमान है। ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों की संख्या अधिक है, लेकिन शिक्षक अपेक्षाकृत कम हैं। जबकि, शहरी क्षेत्रों में शिक्षक अधिक संख्या में पदस्थ हैं। इस असंतुलन को दूर करने के लिए युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शुरू की गई।

मप्र शिखर खेल अलंकरण एवं 38वें नेशनल गेम्स के पदक विजेता होंगे सम्मानित

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मध्यप्रदेश शिखर खेल अलंकरण एवं 38वें नेशनल गेम्स 2025 के पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान समारोह मंगलवार, 05 अगस्त को होगा।

रवीन्द्र भवन में शाम 5 बजे आयोजित होने वाले सम्मान समारोह की अध्यक्षता खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग करेंगे। समारोह में संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्री राकेश गुप्ता भी शामिल होंगे।

12 खिलाड़ियों को विक्रम पुरस्कार

शूटिंग खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, क्याकिंग-कैनोइंग (स्लॉलम) खिलाड़ी जान्हवी श्रीवास्तव, तीरंदाजी खिलाड़ी रागिनी मार्को, कुश्ती खिलाड़ी शिवानी पवार, बॉक्सिंग खिलाड़ी श्रुति यादव, जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य, खोखो खिलाड़ी सचिन भार्गो, हॉकी खिलाड़ी नीलू डाडिया, सॉफ्टबाल खिलाड़ी प्रवीण कुमार दवे, शूटिंग (दिव्यांग श्रेणी) रूबिना फ्रांसिस, पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी अपूर्व दुबे और एडवेंचर स्पोर्ट्स् के लिये भावना डेहरिया को विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

11 खिलाड़ियों को एकलव्य पुरस्कार

समारोह में शूटिंग खिलाड़ी रितुराज बुंदेला, क्याकिंग-कैनोइंग (स्लॉलम) खिलाड़ी भूमि बघेल, स्क्वैश खिलाड़ी कृष्णा मिश्रा, फेंसिंग खिलाड़ी पूजा दांगी, रोइंग खिलाड़ी प्रभाकर सिंह राजावत, सेलिंग खिलाड़ी नेहा ठाकुर, तैराकी खिलाड़ी प्रखर जोशी, एथलेटिक्स खिलाड़ी अर्जुन वास्कले, कुश्ती खिलाड़ी प्रियांशी प्रजापत, हॉकी खिलाड़ी अंकित पाल और पावरलिफ्टिंग खिलाड़ी गौरव पचौरी को एकलव्यक पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

विश्वामित्र/लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार

सम्मान समारोह में क्याकिंग-कैनोइंग प्रशिक्षक श्री पीजूष कांती बारोई, तीरंदाजी प्रशिक्षक श्री अशोक कुमार यादव और हॉकी प्रशिक्षक श्री लोकेन्द्र शर्मा को विश्वामित्र पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। जिम्नास्टिक के श्री रतनलाल वर्मा को लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। सम्मान समारोह में 38वें नेशनल गेम्स 2025 के 34 स्वर्ण पदक विजेता, 25 रजत और 23 कास्य पदक विजेता, कुल 82 पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया जायेगा।

तिरिया में प्राकृतिक पर्यटन और आजीविका संवर्धन का नया मॉडल

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर से लगे ग्राम तिरिया ने सामुदायिक प्रयासों के माध्यम से प्राकृतिक पर्यटन एवं आजीविका संवर्धन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत सामुदायिक वन संसाधनों पर अधिकार प्राप्त होने के पश्चात् ग्राम सभा तिरिया द्वारा पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में बीते 27 जुलाई को ग्राम सभा एवं सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति के संयुक्त तत्वावधान में तिरिया संगम पिकनिक स्पॉट में व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्राकृतिक पर्यटन स्थल ग्राम सभा द्वारा संचालित है, जहाँ ग्रामीणों द्वारा पर्यटकों के लिए बाँस से निर्मित नौका (बैम्बू राफ्टिंग) एवं पिकनिक जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

वन अधिकार पत्र प्राप्त होने से पूर्व भी ग्रामवासी जंगल की सुरक्षा हेतु 23-23 सदस्यों की गश्ती टीमों का गठन कर सक्रिय रहते थे, किन्तु इससे ग्रामीणों को स्थायी आय का साधन उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। ऐसी स्थिति में ग्राम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से तिरिया संगम को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन करना था।

किसानों के लिए राहत और चिंता दोनों लाया मानसून

छत्तीसगढ़, प्रातः किरण संवाददाता। भारतीय मौसम विभाग रायपुर ने छत्तीसगढ़ के उत्तरी और मध्य हिस्सों में 8-9 अगस्त तक बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। इस दौरान सरगुजा, रायपुर, बिलासपुर, बस्तर और दुर्ग संभाग में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। विभाग ने मेघगर्जना, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) की भी चेतावनी दी है।

भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

उत्तर छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। खासकर सरगुजा संभाग में पूर्वी उत्तर प्रदेश से लगे क्षेत्रों में चक्रवाती संचरण का प्रभाव दिख रहा है। शनिवार तड़के शुरू हुई बारिश शाम तक जारी रही। अंबिकापुर में पिछले 24 घंटे में करीब 50 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इधर बढ़ रहा मानसून

मानसूनी रेखा फिलहाल अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, छपरा, बांकुरा और कैनिंग से होकर बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रही है, जिससे छत्तीसगढ़ में वर्षा की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से सतर्कता की आवश्यकता है। अगले पांच दिनों तक मौसम इसी तरह बने रहने की संभावना है।

ष्टत्र के इन शहरों में विशेष अलर्ट

विशेष अलर्ट रायगढ़, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर, राजनांदगांव, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, बिलासपुर, कोरबा, दंतेवाड़ा, बेमेतरा, कबीरधाम और मुंगेली जिलों के लिए जारी किया गया है।

पीएम किसान सम्मान निधि से उमेश को मिला आर्थिक संबल

रायपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ग्रामीण किसानों के लिए सशक्त आर्थिक आधार बन रही है। जशपुर विकासखंड के ग्राम सालहेकेराडीह निवासी कृषक उमेश नंदराम भी इस योजना से लाभ प्राप्त कर खेती-किसानी को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। हाल ही में उन्हें इस योजना की 20वीं किस्त की राशि प्राप्त हुई है, जिससे उन्हें खेती के कार्यों में समय पर सहयोग मिला है। नंदराम ने बताया कि वे कई वर्ष से पीएम किसान योजना के नियमित लाभार्थी हैं। प्रत्येक किस्त से खेती संबंधी कार्यों में सहायता मिलती है, जिससे कृषि कार्यों की गति बनी रहती है। इस बार प्राप्त राशि का उपयोग वे खाद-बीज की खरीदी तथा खेत में मजदूरी भुगतान के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सहायता समय पर उपलब्ध होने से कृषि कार्य में आसानी हो गई है।

सरकारी प्रोजेक्ट फंसे संकट में, 5,000 से अधिक संपत्तियों को नहीं मिल रही मंज़िल

आरडीए के 300 करोड़ के मकान-बाजार पड़े खाली, टेंडर पर टेंडर बेअसर

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड और रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट वर्षों से खरीदारों की बाट जोह रहे हैं। प्रदेश भर में हाउसिंग बोर्ड की करीब 4834 संपत्तियां और आरडीए की लगभग 300 मकान, दुकानें और फ्लैट ऐसे हैं, जो बिक नहीं पा रहे हैं। बार-बार टेंडर निकालने और छूट की पेशकश के बावजूद इन संपत्तियों में आम नागरिकों की रुचि नहीं बढ़ी है।

ऑफर के बावजूद खरीदार नदारद

हाउसिंग बोर्ड ने अपनी आवासीय व वाणिज्यिक संपत्तियों पर 30त्न तक की छूट दी है। आरडीए ने भी आवासीय भवनों पर 30त्न और व्यवसायिक संपत्तियों पर 50त्न भाड़ाक्रय सरचार्ज में राहत दी है। लेकिन इन रियायतों के बावजूद बिक्री में अपेक्षित उछाल नहीं आया है।

हाउसिंग बोर्ड की संपत्तियों की सर्वाधिक बिक्री वर्ष 2016-17 में दर्ज की गई थी, जब 4,392 संपत्तियां बिकी थीं। इसके बाद से बिक्री का आंकड़ा लगातार घटता गया। वर्ष 2024-25 में अब तक केवल 1,376 संपत्तियां ही बिक पाई हैं।

महंगे दाम और लोकेशन बनी बाधा

इन संपत्तियों की कीमतें आम लोगों की पहुंच से बाहर हैं। खासकर दुकानें बहुत महंगी हैं, वहीं अधिकतर आवासीय प्रोजेक्ट शहर से दूर आउटर इलाकों में स्थित हैं, जिससे लोगों की रुचि कम हो रही है। इसके अलावा समय पर देखरेख और मेंटेनेंस की कमी से भी संपत्तियों की हालत खराब हो रही है।

सरकार के 5300 करोड़ रुपए फंसे

हाउसिंग बोर्ड के लगभग 5 अरब और आरडीए के करीब 300 करोड़ की संपत्तियां बिक नहीं पाई हैं। अगर समय रहते इनका निराकरण नहीं हुआ तो ये प्रोजेक्ट साल दर साल खराब होते जाएंगे और सरकारी नुकसान बढ़ेगा।

मेघालय का अनोखा गांव कोंगथोंग - यहां नाम नहीं, धुन होती है पहचान

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत विविधताओं और सांस्कृतिक विरासतों का देश है। यहां हर क्षेत्र, हर गांव की अपनी एक अलग और दिलचस्प कहानी होती है। जहां एक ओर तकनीकी विकास की ओर बढ़ते शहर हैं, वहीं दूसरी ओर आज भी कई ऐसे गांव हैं जो अपनी विशिष्ट परंपराओं के कारण अनोखा है। ऐसा ही एक गांव है मेघालय का कोंगथोंग जिसे सीटी गांव कहा जाता है। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां लोग एक-दूसरे को नाम से नहीं, बल्कि सीटी बजाकर बुलाते हैं। कोंगथोंग गांव भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिला में स्थित है। यह गांव शिलांग से लगभग 55 किलोमीटर की दूरी पर है। चारों ओर हरियाली, बादलों से ढके पहाड़, और प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे इस गांव की आबादी लगभग 600 लोगों की है। लेकिन इस छोटे से गांव जो वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध है, वह है जिंगराई सिएवबाई या संगीतमय पहचान। यह परंपरा हजारों सालों से गांव में जीवित है। यहां हर व्यक्ति के नाम के साथ एक अलग संगीतात्मक धुन (३ल्ली) जुड़ी होती है, जो उस व्यक्ति की पहचान बनती है। इसे स्थानीय खासी भाषा में जिंगराई लाबाई कहते हैं, जिसका शाब्दिक अर्थ है प्रेमपूर्वक बुलाने की धुन। कोंगथोंग गांव में इस अद्भुत परंपरा की शुरूआत कब और कैसे हुई, इसके कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं हैं। किंतु गांव के बुजुर्गों का मानना है कि यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, और इसका संबंध प्रकृति से गहरे जुड़ाव से है। स्थानीय लोककथाओं के अनुसार, पहाड़ी और जंगलों से घिरे इस गांव में पहले आवाजों का दूर तक पहुंचना मुश्किल होता था। ऐसे में लोग एक-दूसरे को पुकारने के लिए सीटी जैसी धुनों का प्रयोग करने लगे। धीरे-धीरे यह संस्कृति में ढल गई और अब यह कोंगथोंग की पहचान बन चुकी है। कोंगथोंग में जब किसी बच्चे का जन्म होता है, तो उसकी मां उसे एक विशेष लोरी देती है, जिसमें वह खुद एक अनूठी धुन बनाती है। यह धुन ही बच्चे की पहचान बनती है। यह लोरी आमतौर पर प्राकृतिक ध्वनियों, पक्षियों की आवाजों और पेड़-पौधों से प्रेरित होती है। इसे गुनगुनाना मां और बच्चे के बीच भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक होता है। यही लोरी बाद में उस बच्चे का नाम बन जाती है, यानि जब कोई उसे पुकारना चाहता है, तो वह उसका नाम नहीं, बल्कि उसकी सीटी बजाकर बुलाता है। कोंगथोंग गांव में हर व्यक्ति के दो नाम होते हैं। जिंगराई लाबाई यह वह मीठी, मधुर लोरी होती है जिसे मां अपने बच्चे के लिए बनाती है। यह सिर्फ प्यार और घर के सदस्यों के लिए होती है। दूसरा जिंगराई ओईक- यह थोड़ी छोटी और व्यावहारिक धुन होती है, जिसे सार्वजनिक रूप से प्रयोग किया जाता है। जैसे कोई किसी को जंगल में बुला रहा हो या दूर से संदेश देना हो। इन दोनों धुनों को आम तौर पर केवल गांव के लोग ही समझ सकते हैं। बाहरी लोग इन्हें संगीत का टुकड़ा या मनोरंजन समझ सकते हैं, लेकिन गांव वालों के लिए यह पहचान और भावनाओं का स्रोत है। कोंगथोंग केवल अपनी परंपरा के कारण नहीं, बल्कि अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां के निवासी ज्यादातर खेती-किसानी पर निर्भर हैं। गांव के चारों ओर हरियाली से ढकी पहाड़ियां, छोटे झरने और पक्षियों की चहचहाहट इस स्थान को और भी मनमोहक बनाते हैं। यहां के लोग आज भी आदिवासी खासी संस्कृति से जुड़े हुए हैं। वे बांस, लकड़ी और मिट्टी से बने घरों में रहते हैं। गांव में बहुत ही सरल जीवनशैली है न इंटरनेट, न मोबाइल की लत, न कोई शहरी भागदौड़। कोंगथोंग गांव में एक धारणा है कि नाम लेकर पुकारना आत्माओं और भूत-प्रेतों को आकर्षित कर सकता है। इसलिए लोग एक-दूसरे को ध्वनि या सीटी से पुकारते हैं ताकि नकारात्मक शक्तियां उस नाम को पहचान न सकें। यह विश्वास गांव की रक्षा प्रणाली का हिस्सा बन गया है। आज जब भारत और पूरी दुनिया में आधुनिकता की बयार बह रही है, ऐसे में कोंगथोंग जैसे गांव में इस परंपरा का जीवित रहना बहुत बड़ी बात है। हालांकि, अब कुछ हद तक मोबाइल और सोशल मीडिया की पैठ यहां भी हुई है। युवा वर्ग पढ़ाई के लिए शिलांग या गुवाहाटी जाता है, लेकिन वे अपनी जड़ों से जुड़ाव नहीं भूलते। सरकार और कुछ गैर सरकारी संस्थाएं अब इस परंपरा को यूनेस्को की विश्व सांस्कृतिक धरोहर में शामिल कराने के लिए प्रयासरत हैं। कोंगथोंग अब धीरे-धीरे एक वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। यहां आने वाले पर्यटक स्थानीय लोगों की सीटी संस्कृति को समझते हैं। लोकल फूड का स्वाद लेते हैं। बांस और बुनाई की कारीगरी देखते हैं और सबसे खास है प्रकृति के साथ शांत समय बिताते हैं। कोंगथोंग गांव को 2021 में भारत सरकार के बेस्ट टूरिज्म विलेज प्रतियोगिता में पुरस्कार मिला था। इसके बाद से यह राष्ट्रीय मीडिया और विदेशों में भी चर्चित हुआ। कई डॉक्युमेंट्री, यूट्यूब चैनल और ट्रैवल ब्लॉगर यहां आ चुके हैं। ने भी कोंगथोंग को की सूची में शामिल किया है। कोंगथोंग गांव यह दर्शाता है कि परंपरा और संस्कृति केवल इतिहास की बातें नहीं होती है, वे जीवित अनुभव होती हैं।

गजा में पल-पल मरता भूख के रूप में इंसानियत

अंकित श्रीवास्तव

आज में एक ऐसे देश की बात कर रहा हूँ, जहाँ वर्तमान स्थिति अत्यंत भयावह बनी हुई है। जहाँ हर पल इंसानियत सिसक-सिसक कर मर रही है और दुनिया के तमाम देश तमाशबीन बनकर देख रहे हैं। जहाँ लोग जीवन की जद्दोजहद में अपनी जान गंवा रहे हैं। बच्चे, बूढ़े और महिलाएँ कंकाल बन चुके हैं। छोटे-छोटे बच्चे कुपोषण और बीमारियों के शिकार हो रहे हैं और हर घंटे अपनी जान गंवा रहे हैं। जी हाँ, मैं बात फिलिस्तीन की कर रहा हूँ, जो आज इसराइल की क्रूरता का शिकार बना हुआ है। जहाँ खाने की सामग्री की तलाश में भागते हुए लोगों पर टैंकों से गोलियाँ बरसाई जाती हैं। सवाल यह है कि क्या वे छह महीने के मासूम बच्चे, जो बोल भी नहीं सकते, क्या वे भी दोषी हैं? क्या वे बूढ़े, जो केवल मृत्यु की प्रतीक्षा कर रहे हैं और जिनकी कमजोर हड्डियाँ शरीर का भार तक नहीं उठा पा रहीं, वे भी युद्ध में शामिल हैं? वे महिलाएँ, जिनके स्तनों का दूध सूख चुका है और जो अपने नवजात शिशुओं को माँ के दूध के बदले चने का पेस्ट खिला रही हैं – क्या वे भी लड़ाकू हैं? फिलिस्तीन आज अमानवीयता की परिभाषा बन चुका है। वहाँ हर तीन घंटे में एक बच्चे की मौत हो रही है। अब तक साठ हजार लोग भूख से मर चुके हैं। दवाइयाँ और ईंधन समाप्त हो चुके हैं। वहाँ मानवता का सबसे गहरा संकट उत्पन्न हो गया है और संयुक्त राष्ट्र भी चुप्पी साधे हुए है। हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और फ्रांस जैसे देशों ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की है कि फिलिस्तीन में आम नागरिक मारे जा रहे हैं, इसलिए प्रतिबंध हटाकर वहाँ भोजन, दवाइयाँ और जीवन की आवश्यक सामग्री पहुँचाने की अनुमति दी जाए। साथ ही यह भी कहा गया है कि फिलिस्तीन को ह्यअकाल क्षेत्रह्ल घोषित किया जाए। लेकिन एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (आईपीसी) के मानकों पर फिलहाल फिलिस्तीन को अकाल घोषित नहीं किया गया है। इस संस्था के अनुसार किसी क्षेत्र को ह्यअकालह्ल घोषित करने के लिए यह आवश्यक है कि प्रतिदिन कुपोषण से कम से कम दो बच्चों की मौत हो, पंद्रह प्रतिशत बच्चे कंकाल जैसे दिखें और छह माह से पाँच वर्ष तक के बच्चे गंभीर रूप से बीमार एवं कुपोषित हों। जबकि पूरी दुनिया यह मान चुकी है कि फिलिस्तीन इन सभी संकटों से गुजर रहा है, फिर भी घोषणा में देर क्यों हो रही है? आँकड़े कौन जुटाए जहाँ खाना भी नहीं पहुँच पा रहा? और प्रतिबंधों के बीच वहाँ जाए कौन? ऐसे में संयुक्त राष्ट्र को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, प्रतिबंध हटाकर फिलिस्तीन को अकाल घोषित करना चाहिए और सभी देशों को एकमत होकर वहाँ भोजन, दवाइयाँ और जीवन की आवश्यक सामग्री पहुँचानी मानवता की रक्षा करनी चाहिए।

ट्रंप का व्यवहार प्रधानमंत्री के लिए एक भू-राजनीतिक चुनौती

दो संभावनाएं हैं-पहली, हमारे प्रधानमंत्री कार्यालय और ट्रम्प कार्यालय के स्तर पर गुप्त बातचीत के माध्यम से, अमेरिकी पक्ष की कु छ मांगों को पूरा करते हुए एक तरह का व्यापार समझौता हो जाए और प्रधानमंत्री खेमा इसे एक बड़ी जीत के रूप में पेश करे। अगर ऐसा संभव नहीं होता है और वार्ता विफल हो जाती है, तो प्रधानमंत्री के सामने एक बड़ा विकल्प होगा। वह 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेंगे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग और राष्ट्रपति पुतिन भी इसमें शामिल होंगे। प्रधानमंत्री अपनी विदेश नीति को संतुलित कर सकते हैं और अमेरिका के प्रति अधिक स्वतंत्र रुख अपना सकते हैं दूसरे विकल्प के लिए, प्रधानमंत्री को क्वाड पर भारत के रुख पर तुरंत निर्णय लेना होगा। जिसके चार सदस्य अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं।

नित्य चक्रवर्ती

लेखक

भारत पर उच्च टैरिफ का फैसला उनके और नरेंद्र मोदी के निजी अहंकार का नतीजा था। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वार्ता में पूर्ण समर्पण चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी कृषि उत्पाद क्षेत्र, खासकर दूध और डेयरी क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सकते थे। यहां मोदी के राज्य हित सबसे ज्यादा जुड़े हुए हैं। डेयरी और दूध उद्योग गुजरात के विकास की कुंजी है और लाखों किसान भाजपा के समर्थक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए इस देश पर 11 साल तक निर्विवाद नेता के रूप में शासन करने के बाद परीक्षा की घड़ी आ गयी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुधवार को घोषित और शुक्रवार, 1 अगस्त से प्रभावी, भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं है, बल्कि इसका संबंध इस विलक्षण राष्ट्रपति के अपने कभी अच्छे दोस्त रहे मोदी के प्रति नए दृष्टिकोण, उनके टैरिफ को भू-राजनीति के संचालक के रूप में इस्तेमाल किए जाने, और ट्रंप के इस सिद्धांत की स्थापना से है कि जो हमारे साथ नहीं हैं, वे हमारे खिलाफ हैं। नरेंद्र मोदी के लिए, 2014 से शुरू हुए उनके प्रधानमंत्रित्व काल में भारत-अमेरिका संबंधों की स्थिति इतनी निम्न स्तर पर कभी नहीं रही। ट्रंप ने भारत और अपने प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी का सबसे ज्यादा अपमान किया है, जिन्होंने अपने पहले कार्यकाल के दौरान और इस साल 20 जनवरी से शुरू हुए दूसरे कार्यकाल में भी ट्रंप को खुश करने के लिए हर संभव प्रयास किया। ट्रंप मोदी का अपमान करने पर अड़े रहे, जब प्रधानमंत्री ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में बिना नाम लिए ट्रंप की घोषणा के सन्दर्भ में कहा कि 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम समझौते में किसी भी विदेशी नेता की कोई भूमिका नहीं थी। अगले दिन, ट्रंप ने फिर दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने मं उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। यह 30वीं बार था, जब उन्होंने यही बात दोहराई। भारत पर उच्च टैरिफ का फैसला उनके और नरेंद्र मोदी के निजी अहंकार का नतीजा था। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वार्ता में पूर्ण समर्पण चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी कृषि उत्पाद क्षेत्र, खासकर दूध और डेयरी क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सकते थे। यहां मोदी के राज्य हित सबसे ज्यादा जुड़े हुए हैं। डेयरी और दूध उद्योग गुजरात के विकास की कुंजी है और लाखों किसान भाजपा के समर्थक हैं। व्यापार वार्ता अभी भी धीमी चल रही है। अब भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि के बाद, अगर प्रधानमंत्री के कहने पर भारतीय अधिकारी अमेरिका के आदेश पर अपना रुख बदलते हैं, तो टैरिफ दर को 25 प्रतिशत से कम करने की प्रक्रिया आसान हो सकती है। इसके अलावा, रूस से आयात पर भारत पर 100 प्रतिशत तक का जुमार्ना लगाने की ट्रंप की धमकी देश के भुगतान संतुलन के लिए एक वास्तविक खतरा बन गई है, क्योंकि पिछले दो वर्षों में रूस से सस्ते कच्चे तेल के आयात ने भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बचाई है जिससे सरकार को मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाने में मदद मिली है। अब देखना यह है कि क्या प्रधानमंत्री रूस से सस्ते कच्चे तेल के आयात को जारी रखने का साहस जुटा पाते हैं या आयात में विविधता लाने की प्रक्रिया शुरू करते हैं, हालांकि कीमतें ऊंची होंगी और अधिक विदेशी मुद्रा की आवश्यकता होगी। रूसी तेल के इस संदर्भ में, ट्रंप ने यह कहकर अराजनयिक भाषा का प्रयोग किया है कि मृत रूसी और भारतीय, दोनों अर्थव्यवस्थाओं को डूबने दो। यह एक प्रकार के घृणा सिंड्रोम से उपजा है क्योंकि यह असत्य है। भारत एक मृत अर्थव्यवस्था नहीं है। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन वितरणात्मक न्याय और बेरोजगारी की समस्याएं हैं। कुछ नीतियां त्रुटिपूर्ण हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है, लेकिन वैश्विक संदर्भ में, भारत अलग नज आता है। इस मृत अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर ट्रंप का समर्थन करके राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की बदनामी ही की है। अर्थशास्त्र के जानकार किसी वरिष्ठ व्यक्ति को विपक्ष के नेता का उचित मार्गदर्शन करना चाहिए। नरेंद्र मोदी निश्चित रूप से बैकफुट पर हैं, लेकिन अगर परिस्थितियां उन्हें ट्रम्प की अवज्ञा करने और उनसे लड़ने के लिए मजबूर करती हैं, तो विपक्ष को उनका समर्थन करना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण बात ध्यान देने योग्य है। ट्रम्प ने भारत को नाराज करने के लिए पाकिस्तान के साथ तेल अन्वेषण पर जल्दबाजी में एक समझौते का वायदा किया। पाकिस्तानी मीडिया में इसका कोई संकेत नहीं था।किसी को नहीं पता कि इतने बड़े भंडार कहाँ हैं और क्या वे वास्तव में अन्वेषण और विकास के लायक हैं। लेकिन ट्रंप ने यह कहकर मजाक उड़ाया कि शायद पाकिस्तान एक दिन भारत को तेल बेचेगा। सच कहूं तो, अमेरिका के साथ मौजूदा व्यापार वार्ता में भारत का ज्यादा दबदबा नहीं है। अमेरिका कृषि उत्पादों, खासकर डेयरी उत्पादों के मामले में भारतीय बाजार में अपनी पहुंच को लेकर बहुत अड़ा हुआ है। इसके ऐतिहासिक कारण हैं। अमेरिकी किसानों की कांग्रेस और व्हाइट हाउस में एक मजबूत लॉबी है। किसान संगठन के नेता सरकार का भाग्य तय करते हैं। यह लेखक दिसंबर 1999 में अमेरिका के सिएटल में विश्व व्यापार संगठन की मंत्रिस्तरीय बैठक में मौजूद था। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन थे। बैठक बिना किसी घोषणा के ही रद्द हो गई क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच किसानों की सब्सिडी के मुद्दे पर बहस छिड़ गई और कोई भी पक्ष समझौते के लिए तैयार नहीं हुआ। इसका अगले साल होने वाले चुनावों में डेमोक्रेट्स पर बड़ा असर पड़ा। दरअसल, 2020 के राष्ट्रपति चुनावों में रिपब्लिकन जॉर्ज बुश जीत गए थे और डेमोक्रेटिक पार्टी हार गई थी। इसलिए ट्रम्प भी किसानों के बीच अपने समर्थन आधार को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि उनके कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार तक व्यापक पहुंच मिल सके। नरेंद्र मोदी ने इस पर ध्यान दिया होगा, लेकिन अपनी पार्टी के आधार को बचाने में भी उनकी उतनी ही रुचि है। अब, उभरता परिदृश्य क्या है?

स्कूल छोड़ती बेटियाँ: संसाधनों की कमी या सामाजिक चूक?

बेटियाँ क्यों छोड़ रही हैं स्कूल? सवाल सड़कों, शौचालयों और सोच का है 39% लड़कियाँ स्कूल से बाहर: किसकी जिम्मेदारी? बेटी पढ़ाओ का सच: किताबों से पहले रास्ते चाहिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट ने चौंकाने वाला सच उजागर किया है कि 15 से 18 वर्ष की उम्र की लगभग 39.4% लड़कियाँ स्कूल से बाहर हो चुकी हैं। शिक्षा के इस मौन पलायन के पीछे स्कूलों की दूरी, परिवहन की अनुपलब्धता, शौचालयों की कमी और सुरक्षा को लेकर भय जैसे कारण हैं। यह स्थिति केवल एक व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की कमजोरी को भी दशार्ती है। यह लेख सवाल करता है कि क्या हम सच में बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं या सिर्फ नारे गढ़कर आत्मतुष्टि पा रहे हैं?

प्रियंका सौरभ

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा हर गली-चौराहे, सरकारी इमारतों और बैनरों पर चमकता है, लेकिन यह नारा उन गाँवों और बस्तियों तक नहीं पहुँच पाता जहाँ बेटियाँ रोज स्कूल छोड़ रही हैं। हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 39.4% लड़कियाँ स्कूल से बाहर हैं। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, यह हमारे सामाजिक ढांचे पर एक कठोर टिप्पणी है। घर से स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन की कमी, उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अभाव, शौचालयों की स्थिति और सामाजिक असुरक्षा झ ये सारी बातें किसी शोधपत्र की विषयवस्तु नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत हैं जिनसे रोज हजारों बच्चियाँ जूझ रही हैं। और अंततः उन्हें शिक्षा से हाथ धोना पड़ता है। सरकारी आंकड़े भले ही बढ़े हुए नामांकन दिखाते हों, लेकिन हकीकत यह है कि नामांकन के बाद लड़कियाँ स्कूल तक टिक नहीं पातीं। एक आम ग्रामीण परिदृश्य को देखें। पाँचवीं तक की स्कूल तो आसपास है, लेकिन आठवीं के बाद विद्यालय दूर है। परिवहन की कोई सुविधा नहीं। न बस, न साइकिल, न ही कोई महिला सहकर्मी या मार्गदर्शक। माता-पिता अपनी बेटी को पाँच किलोमीटर दूर अकेले भेजने से डरते हैं। उन्हें चिंता होती है कि रास्ते में कोई छेड़छाड़ न हो, कोई हादसा न हो। उस चिंता में स्कूल जाना बंद हो जाता है। शौचालयों की बात करें तो यह सिर्फ सुविधा नहीं, आत्मसम्मान और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। किशोरावस्था में लड़कियाँ उन परिवर्तनों से गुजरती हैं, जहाँ एक स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय उनकी शिक्षा की निरंतरता तय कर सकता है। लेकिन अधिकांश सरकारी स्कूलों में या तो शौचालय हैं ही नहीं, या हैं तो गंदे, असुरक्षित, या क्षतिग्रस्त। माता-पिता के लिए यह एक और कारण बन जाता है अपनी बेटियों को स्कूल से हटाने का। सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। जिन स्कूलों में कोई महिला शिक्षक नहीं होतीं, कोई सीसीटीवी कैमरा या गार्ड नहीं होता, वहाँ किशोर लड़कियों को भेजना आज भी माता-पिता के लिए जोखिम उठाने जैसा है। यह डर केवल अव्यवस्था से नहीं, समाज की असंवेदनशीलता से भी उपजा है। आए दिन होने वाली घटनाएं, समाचारों में आती छेड़छाड़ की खबरें इस भय को और गहरा करती हैं। इन सबके अलावा शिक्षा को लेकर समाज की प्राथमिकताएँ भी स्पष्ट नहीं हैं। एक लड़का पढ़े तो परिवार का भविष्य बनता है, लेकिन लड़की पढ़े तो ह्यशादी की उम्र निकलने का डरह्ल पैदा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मानसिकता अब भी गहराई से मौजूद है। लड़कियों की शिक्षा को लाभ से ज्यादा खर्च माना जाता है। अब यदि इन परिस्थितियों में एक बेटी स्कूल छोड़ दे, तो क्या इसमें उसकी गलती है? या यह एक सामूहिक चूक है-व्यवस्था की, समाज की, और हमारी? इस स्थिति का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, ठोस क्रियान्वयन से होगा। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हर गाँव से तीन किलोमीटर के दायरे में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हो। यह बुनियादी शैक्षिक ढांचा हर बच्चे का अधिकार है। परिवहन की सुविधा उतनी ही जरूरी है जितनी शिक्षक की उपस्थिति। यदि बच्चियाँ स्कूल नहीं पहुँच पाएंगी तो पढ़ेंगी कैसे? सरकार को स्कूल वैन, छात्रा साइकिल योजना या सार्वजनिक परिवहन में स्कूल पास जैसे विकल्प सुनिश्चित करने होंगे। हर स्कूल में स्वच्छ और उपयोगी शौचालयों की अनिवार्यता केवल ह्यस्वच्छ भारत मिशनह्ल का हिस्सा नहीं, बल्कि ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल के सच्चे मर्म का आधार होना चाहिए। महिला कर्मचारियों की नियुक्ति, नियमित निरीक्षण और साफ-सफाई के लिए स्थानीय प्रशासन को उत्तरदायी बनाया जाए। सुरक्षा के लिए प्रत्येक स्कूल में महिला शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ाई जाए। सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरा और स्कूल परिसर में अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। यह कदम न केवल बेटियों को सुरक्षा का भरोसा देगा, बल्कि अभिभावकों को मानसिक शांति भी। इसके साथ ही स्कूलों के भवन और अधोसंरचना को केवल औपचारिकता के लिए नहीं, गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल का मैदान-ये सब स्कूल के मानक हिस्से होने चाहिए। एक और महत्वपूर्ण बिंदु डिजिटल शिक्षा है। महामारी ने दिखा दिया कि जिनके पास मोबाइल, इंटरनेट और बिजली नहीं, वे पढ़ाई से बाहर हो जाते हैं। ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और उपकरण की उपलब्धता अब विलासिता नहीं, अनिवार्यता है। शिक्षा विभाग को उन लड़कियों की नियमित सूची बनानी चाहिए जो स्कूल छोड़ चुकी हैं। उनके घर जाकर कारण जानना, उन्हें वापस लाने के लिए प्रेरित करना, और माता-पिता को विश्वास में लेना प्रशासन की जिम्मेदारी होनी चाहिए। साथ ही समाज को भी आत्मावलोकन करना होगा। हम अपनी बेटियों को क्यों पढ़ाना चाहते हैं-नौकरी के लिए, शादी के लिए या आत्मनिर्भरता के लिए? जब तक समाज का जवाब अस्पष्ट रहेगा, तब तक समाधान भी अधूरा रहेगा। प्रशासन, समाज और परिवार को मिलकर यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि कोई भी बच्ची शिक्षा से वंचित न हो। इसका अर्थ है केवल विद्यालय खुलवाना नहीं, बल्कि उसमें बेटी के जाने और टिके रहने की पूरी ज़िम्मेदारी लेना। ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ल अगर केवल बैनर की पंक्ति नहीं रहना है तो इसे पंचायतों, स्कूल समितियों, शिक्षक संगठनों, अभिभावकों और छात्रों के साझा प्रयास में बदलना होगा। तभी एक ऐसा समाज बनेगा, जहाँ कोई भी बेटी पढ़ाई से वंचित नहीं होगी।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं। टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्त्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दशार्ती है। भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ह्यवोकल फॉर लोकलह्ल और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। ह्यकौशल भारतह्ल और ह्यडिजिटल भारतह्ल जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है। हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है। इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025

संक्षिप्त खबरें

हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर प्रदर्शन

बागपत,। बागपत जनपद में केन्द्रीय संघर्ष समिति के आवाहन पर अधिवक्ताओं ने मार्च किया है। अधिवक्ताओं ने बागपत कलेक्ट्रेट प्रभारी को ज्ञापन देते हुए हाईकोर्ट बेंच की मांग एक बार फिर दोहराई है। जिला बार एसोसिएशन बागपत के अध्यक्ष नीरज सिंह, महामन्त्री कल्याण सिंह के नेतृत्व में जिला बार एसोसिएशन बागपत के समस्त अधिवक्तागण सोमवर को बार सभागार में एकत्रित हुए। हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर चर्चा की गई। अधिवक्ता सोमवार को न्यायिक कार्यों से विरत रहे। जिसके बाद अधिवक्ता मार्च करते हुए बागपत कलक्ट्रेट पहुंचे और एक ज्ञापन कलेक्ट्रेट प्रभारी को दिया है। ज्ञापन मांग की गई है कि पश्चिमी उ०प्र० में अधिवक्तागणों द्वारा की जा रही हाईकोर्ट बैंच की स्थापना की मांग को आम जनमानस को सुलभ एवं सस्ता न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में शीघ्र पूर्ण किया जाये। इस दौरान काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

अवध विवि के एलएलएम, बीफार्मा डी फार्मा, एमएड की प्रवेश परीक्षा पांच अगस्त को

अयोध्या,। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में संचालित पाठ्यक्रम एलएलएम, बीफार्मा, डीफार्मा, एमएड की प्रवेश परीक्षा दिनांक 5 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। समन्वयक प्रो शैलेंद्र कुमार ने बताया एलएलएम और बीफार्मा की परीक्षा सुबह 10:00 बजे से होगी। छात्रों के केंद्र पर पहुंचने का रिपोटिंग टाइम सुबह 9:00 बजे है। डीफार्मा और एमएड की परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से होगी। परीक्षार्थियों के केंद्र पर पहुंचने का रिपोटिंग समय दोपहर 1:00 बजे का है। इन दोनों केंद्रों पर एलएलएम में 295 परीक्षार्थी एवं डी फार्मा के 98 परीक्षार्थी प्रचेता भवन में प्रवेश परीक्षा देंगे। सीवी रमन भौतिक भवन में एमएड 161 और बीफार्मा के परीक्षार्थी प्रवेश परीक्षा देंगे। उक्त विषयों के सभी छात्रों का प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक १ँ५्री.रे११ड्.ी४ि.ल्ल पर अपलोड कर दिया गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय में आवेदन की अंतिम तिथि 13 अगस्त

मुरादाबाद,। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई से बढ़ाकर 13 अगस्त कर दी गई। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. संतोष कुमार गौड़ ने सोमवार को बताया कि छठी कक्षा में प्रवेश के लिए वे ही विद्यार्थी पात्र होंगे जिनका जन्म 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच हुआ हो। अभ्यर्थी वेबसाइट ६६६.ल्लं५ङ्ग्रिं.ङ्क५.ल्ल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस वर्ष कक्षा पांच में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं भी आवेदन करने के पात्र होंगे।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए दो गुलदार, दहशत में ग्रामीण

बिजनौर,। थाना किरतपुर क्षेत्र के गांव छितावर में रात्रि लगभग डेढ़ बजे बसीकत में दो गुलदार शिकार की टोह लेते हुए जनसेवा केंद्र पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गये। इस घटना की जानकारी तब मिली जब जनसेवा केंद्र पर काम करने पहुंचे व्यक्ति ने काम करने के लिए सिस्टम को खोला तो सीसीटीवी कैमरे में दो गुलदार शिकार की तलाश करते दिखाई दिए जिसकी जानकारी ग्रामीणों को मिलने के बाद गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने वन विभाग अधिकारियों से क्षेत्र में पिंजरे लगवाकर गुलदारों को पकड़ने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग भी सक्रिय हो गया है। एसडीओ ज्ञान सिंह ने बताया कि वह गांव में टीम भेज कर आवश्यक कार्यवाही करायेंगे। उन्होंने अपील भी की है कि कोई भी ग्रामीण खेतों में अकेले न जायें तथा छोटे बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखें।

बलिया में बाढ़ पीड़ितों की मदद में जुटी सरकार

बलिया,। बलिया में बाढ़ ने विकराल रूप धारण कर लिया है। बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए जिला प्रशासन ने भी कमर कस ली है। शहर के निचले इलाकों के बाढ़ पीड़ितों को मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु और डीएम मंगला प्रसाद सिंह के साथ सोमवार शाम को राहत सामग्री बांटी। मंत्री और डीएम ने राहत सामग्री वितरित करने से पहले बाढ़ प्रभावित महावीर घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशासनिक एवं बाढ़ विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देने के साथ ही प्रभावित लोगों को विश्वास दिलाया कि आपदा के इस घड़ी में पीड़ितों को सारी सहायता सुविधा समय से मुहैया कराया जाएंगा। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को तत्काल राहत मुहैया कराए जाने को लेकर सरकार दृढ़ संकल्प है। हमारी सरकार गृह अनुदान से लगातार राहत सामग्री का तत्काल वितरण कर रही है जिससे आपदा काल में पीड़ितों की पीड़ा कम हो सके। उन्होंने बालेश्वर घाट शनिचरी मन्दिर पर बाढ़ पीड़ितों को बाढ़ राहत सामग्री का भी विवरण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सपा प्रमुख यादव ने बाढ़ की स्थिति को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोला

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ,। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में बाढ़ की बिगड़ती स्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमला बोला और कहा कि भ्रष्ट और विफल सरकार जनकल्याण के बजाय इवेंट मैनेजमेंट पर अधिक ध्यान दे रही है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट कर यादव ने कहा,उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार जब बड़े-बड़े लोगों की सुपर वीवीआईपीह्न रैली या सभा का आयोजन कर सकती है तो बाढ़ में राहत-बचाव का काम क्यों नही कर रही है? भाजपा सरकार एक भ्रष्ट और नाकाम सरकार साबित हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रविवार तक उत्तर प्रदेश में 37 तहसीलों के 402 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 84,392 लोग प्रभावित हुए हैं। कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाजीपुर, मिजार्पुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर सहित 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। यादव ने कहा, प्रयागराज ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश में बाढ़ की वजह से भयावह स्थिति है। भोजन और पीने के पानी की किल्लत चरम पर है। शौचालय की समस्या की वजह से लोग अशोभनीय-अमानवीय हालातों में रहने पर मजबूर हैं। उन्होंने दावा किया कि चिकित्सा सेवाएं चरमरा जाने के कारण बीमार बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को दवा-इलाज नहीं मिल पा रहा है। स्वास्थ्य-चिकित्सा सेवाएं ठप्प हैं। यादव ने कहा, चूहों और विषैले जीव-जंतुओं का डर लोगों को सोने नहीं दे रहा है। बिजली की समस्या और करंट का डर अलग से है। ऊपरी मंजिलों पर रहने के लिए मजबूर लोगों के बीच घर के धंसने का भी भय है। लोगों के घरों के सामान डूब गये हैं। लोगों के पास पहनने को कपड़े नहीं है। जो पहने हैं वो भी भीग गये हैं। लोगों के मोबाइल चार्ज नहीं हो पा रहे हैं, जिससे लोगों के बीच संवाद नहीं हो पा रहा है। सपा अध्यक्ष ने जल जनित बीमारियों को लेकर चिंता जताते हुए कहा, बाढ़जन्य बीमारियों की आशंका से लोग ग्रसित हैं। कहा जाता है बाढ़ सिर्फ कीचड़, कचरा, मलबा और दुर्गंध ही नहीं बीमारी-महामारी को भी छोड़कर जाती है। जो लोग दैनिक कमाई पर जीवनयापन करते हैं वो काम पर नहीं जा पा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कमजोर वर्गों की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गरीब-मजदूर भुखमरी की कगार पर आ गये हैं। उन्होंने कहा, किसानों की खेती-जमीन पर पानी फिर गया है। दुकानों को अरबों रुपयों का नुकसान हो गया है। लोगों के पहचानपत्र, राशनकार्ड, जमीन-जायदाद के कागज, बैंक की पास बुक, शैक्षिक प्रमाणपत्र, बीमारी के पर्चे व अन्य जरूरी कागजात या तो भीगकर बर्बाद हो गये हैं या फिर बह गये हैं। लोगों के गाड़ी-वाहन डूब गये हैं। यादव ने बच्चों की शिक्षा में व्यवधान और अंतिम संस्कार न कर पाने पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, बच्चों की शिक्षा का हनन हो रहा है। जिन लोगों का निधन हो रहा है उनके अंतिम संस्कार नहीं हो पा रहे हैं। सोमवार सुबह वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया, जिससे घाट जलमग्न हो गए और अधिकारियों को दाह संस्कार एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को छतों और ऊंचे चबूतरों पर कराना पड़ा। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, सोमवार सुबह तक गंगा नदी 72.1 मीटर पर बह रही थी, जो खतरे के निशान 71.262 मीटर से ऊपर है। उन्होंने कहा कि नदी के किनारे, नाव के सहारे जीवन जीनेवाले समाज के बीच जीविकोपार्जन का गहरा संकट आ गया है लेकिन उनकी दिक्कत सुनने-समझनेवाला भाजपा सरकार या उनके सहयोगी दलों में कोई भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन हालातों में जनता बेहद आक्रोशित है क्योंकि प्रशासन नदारद है तथा भ्रष्ट और विफल शासन आत्म प्रचार की आपसी होड़ में घूम-घूम के फोटो खिंचवाने में व्यस्त है। सपा अध्यक्ष ने कहा, ऐसे में भाजपा सरकार से हमारी ये एक बड़ी मांग है कि वह उपरोक्त बिंदुओं के संबंध में सिलसिलेवार जवाब प्रकाशित करे।

मुख्यमंत्री योगी पहुंचे सहारनपुर, 381 करोड़ की योजनाओं का किया लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

सहारनपुर,। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को सहारनपुर पहुंचे। उन्होंने पहले सहारनपुर मंडल के गठबन्धन जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उसके बाद मंडलीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों पर समीक्षा की। उन्होंने स्मार्ट सिटी की लगभग 381 करोड़ की 15 योजनाओं का लोकार्पण भी किया। सीएम योगी लखनऊ से सरसावा एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से उन्हें हेलिकाप्टर से पुलिस लाइन में बने हेलीपैड पर उतरना था, लेकिन पानी भरने के चलते वे सड़क मार्ग से सर्किट हाउस पहुंचे। समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने गोगा जी महाड़ी पर पूजन किया और वहीं स्थित नवनिर्मित अमृत सरोवर का उद्घाटन किया। वहां से मुख्यमंत्री सीधे जनमंच सभागार पहुंचे। जहां पहुंचकर उन्होंने स्मार्ट सिटी की लगभग 381 करोड़ की 15 योजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने जनमंच कार्यक्रम में जनता को सम्बोधित करते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया। कहा कि स्थानीय और देशी वस्तुओं की बिक्री को बढ़ावा देना प्रदेश के आर्थिक विकास में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं और व्यापारियों से अपील की कि वे स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करें और इनके प्रचार-प्रसार में योगदान दें। रक्षाबंधन के त्यौहार को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 8, 9 और 10 अगस्त को उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में महिलाएं निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। यह सुविधा रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों को समर्पित है ताकि वे अपने भाइयों से मिलने के लिए निर्बाध यात्रा कर सकें। मुख्यमंत्री ने इसी दौरान हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि 13, 14 और 15 अगस्त को प्रदेश का हर नागरिक अपने घर, दुकान और संस्थान पर तिरंगा फहराए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगे के सम्मान में इन तीन दिनों तक पूरे प्रदेश में तिरंगा रैली भी आयोजित की जाएगी, जिसमें आम जनता, छात्र-छात्राएं, व्यापारी, संस्थान और स्वयंसेवी संगठन भाग लेंगे। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से इस अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील करते हुए कहा कि देश की आन-बान और शान तिरंगा है, इसे सम्मान देना हर भारतीय का कर्तव्य है। योगी ने कहा- महाकुंभ की सफलता से विपक्ष परेशान है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों को परेशानी हो रही थी कि सनातन धर्म का गौरव इतना ऊंचा कैसे हो रहा? इन लोगों की संवेदना एक गरीब, एक नौजवान के साथ नहीं होती। इनको भारत की विरासत पर गौरव की अनुभूति नहीं होती। भारत और भारतीयता आगे बढ़ती है, तो इन्हें परेशानी होती है। देश में, आतंकी वारदात को संरक्षण देने में सपा-कांग्रेस आगे रहते हैं। योगी ने कहा- 2 घटनाओं का कोर्ट ने निर्णय करते हुए काम किया। पहला- मालेगांव विस्फोट में कैसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार और उसके सहयोगी दलों ने हिंदू नेताओं को अभियुक्त बनाने की कोशिश की थी। एटीएस के खुलासे से सारे तथ्य सामने आ रहे हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का ये कृत्य राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है। आतंकवाद के लिए सॉफ्ट और राष्ट्रवादी संगठनों के लिए क्रूर बनकर उनको पूरी तरह से खत्म करने की चेष्टा आतंकी कृत्य है। कांग्रेस का यह कृत्य देश के लिए अपराध था। सीएम योगी ने कहा- पिछले 11 साल में एक नए भारत का दर्शन करने को हम लोगों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विरासत और विकास के समन्वय के साथ आगे बढ़ाया है। अब हर भारतीय भारत और भारतीयता पर गौरव की अनुभूति करता है। भारत के प्रतीकों का सम्मान करता है। अपने पूर्वजों के गौरवशाली परम्परा के सरंक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करता है।

मुख्तार अंसारी का बेटा उमर अंसारी गिरफ्तार धोखाधड़ी के आरोप में पुलिस ने दबौचा

गाजीपुर,। गैंगस्टर से राजनेता बने दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को गाजीपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि गाजीपुर पुलिस ने संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों में जालसाजी करने के आरोप में लखनऊ से गिरफ्तार किया है। गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक के अनुसार, उमर अंसारी ने अपनी माँ अफसा अंसारी, जिन पर 50,000 का इनाम है, के ह्लफर्जी हस्ताक्षरह्व करके जब्त की गई संपत्ति के फर्जी दस्तावेज तैयार किए। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, अफसा अंसारी पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत मोहम्मदाबाद पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने कहा, आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है ह्व गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के प्रावधानों के तहत संपत्तियां जब्त की गईं। बयान में आगे कहा गया है कि उमर अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। गौरतलब है कि मुख्तार अंसारी का 28 मार्च, 2024 को उत्तर प्रदेश के बांदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह उस समय आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे, 13 मार्च, 2024 को उन्हें 1990 में शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करने के लिए जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराया गया था। इससे पहले, अप्रैल 2023 में, उन्हें भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के लिए 10 साल कैद की सजा सुनाई गई थी।

17 जिले में बाढ़ से हाहाकार, 24 जिलों में भारी बारिश, वाराणसी और प्रयागराज में गंगा उफान पर

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण गंगा, यमुना और बेतवा सहित प्रमुख नदियां कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और 17 जिले बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहे हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राहत आयुक्त कार्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी वाराणसी, मिजार्पुर, गाजीपुर और बलिया में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि यमुना औरैया, कालपी, हमीरपुर, प्रयागराज और बांदा में लाल निशान से ऊपर है। इसके अनुसार बेतवा नदी भी हमीरपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। राज्य में रविवार को 14.2 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई और 24 जिलों में भारी बारिश हुई। इस समय राज्य के 13 जिले बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहे हैं। इन जिलों में प्रयागराज, जालौन, औरैया, हमीरपुर, मिजार्पुर, वाराणसी, कानपुर देहात, बलिया, बांदा, इटावा, फतेहपुर, कानपुर नगर और चित्रकूट शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि वाराणसी में सोमवार सुबह गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया, जिससे घाट जलमग्न हो गए और अधिकारियों को दाह संस्कार और अन्य धार्मिक अनुष्ठान छतों और ऊंचे चबूतरों पर करने के आदेश देने पड़े। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, सोमवार सुबह तक गंगा नदी 72.1 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो खतरे के स्तर 71.262 मीटर से ऊपर है। गंगा सेवा निधि के शिवम अग्रहरि ने कहा कि सभी घाट जलमग्न हो गए हैं, जिससे वहां पहुंचना अवरुद्ध हो गया है। दशाश्वमेध घाट पर प्रसिद्ध गंगा आरती अब छतों पर की जा रही है, जबकि मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाटों पर दाह संस्कार ऊंचे चबूतरों पर किए जा रहे हैं। जिले के अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर नदी में नावों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में गश्त कर रही हैं और फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही हैं। प्रयागराज में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण शनिवार से गंगा और यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 84.73 मीटर से ऊपर है, जिससे जिले के 200 से ज्यादा गांव और शहर की लगभग 60 बस्तियां चपेट में आ गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, सोमवार सुबह 8 बजे नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 86.04 मीटर दर्ज किया गया, जबकि फाफामऊ में गंगा नदी का जलस्तर 86.03 मीटर दर्ज किया गया। जिला प्रशासन ने शहर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों के लिए बाढ़ राहत शिविर केंद्र स्थापित किए हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित स्कूलों में शिक्षण कार्य स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शहर में सदर तहसील के अंतर्गत 107 वार्ड और मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं, जिनमें राजापुर, बेली कछार, चांदपुर सलोरी, गोविंदपुर, छोटा बघाड़ा और बड़ा बघाड़ा प्रमुख रूप से प्रभावित हैं। वहीं ग्रामीण इलाकों में फूलपुर तहसील के 18, सोरांव के आठ, मेजा के 12, बारा तहसील के आठ और हंडिया तहसील के छह गांव बाढ़ से प्रभावित हैं।

मेरठ: सिवालखास में लापता तीन बच्चों के शव मिले, इलाके में सनसनी

प्रात : किरण संवाददाता

मेरठ। मेरठ जनपद के सिवालखास कस्बे में रविवार को लापता हुए तीन बच्चों के शव सोमवार सुबह एक खाली भूखंड से बरामद हुए। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और बच्चों के परिजनों के साथ लोगों ने पुलिस चौकी पर हंगामा किया। पुलिस के अनुसार, सिवालखास निवासी मानवी (8) पुत्री जितेंद्र, शिबू (8) पुत्र मोनू और ऋतिक (8) पुत्र हिम्मत रविवार सुबह करीब दस बजे घर के बाहर खेलते हुए लापता हो गए थे। परिजनों और अन्य लोगों ने दिनभर बच्चों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे तीनों बच्चों के शव एक खाली प्लॉट में मिले। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सरधना) आशुतोष कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मौत के कारण की पुष्टि रिपोर्ट के बाद ही की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। बच्चों के परिजन मजदूरी करते हैं। मृतक बच्चों में से दो स्थानीय स्कूलों में पढ़ते थे, जबकि एक स्कूल नहीं जाता था। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात किया गया है।

यूपी : सावन के अंतिम सोमवार पर हर हर महादेव के जयघोष से गूंज रहे शिवालय

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ,। सावन के चौथे और अंतिम सोमवार को उत्तर प्रदेश के शिव मंदिरों में आस्था का अप्रतिम उत्सव देखने को मिला। भोर से ही लखनऊ, बनारस, कानपुर, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर समेत राज्य भर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। रुक-रुक कर हो रही बारिश भी भक्तों की भक्ति में बाधा नहीं बन सकी। कंधे पर कांवड़, हाथों में पूजा की थाली और होंठों पर हर हर महादेव के उद्घोष के साथ भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मंगलकामनाएं कीं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। राज्य के कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश होती रही, लेकिन भोलेनाथ के भक्तों की आस्था पर कोई असर नहीं हो रहा है। रेनकोट और छाता लेकर श्रद्धालु सुबह से ही मंदिरों में दर्शन-पूजन और जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। भक्तों ने सुगंधित पुष्प, बेलपत्र, भांग, धतूरा, शमी पत्र, दूध, दही और मिष्ठान अर्पित कर भोलेनाथ से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। बनारस में श्री काशी विश्वनाथ धाम में काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ का रुद्राक्ष श्रृंगार कयिा गया है। बाबा के दर्शन के लिए कतार में लगे लोगों पर पुष्प वर्षा की गई। राजधानी लखनऊ के प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी जा रही है। श्रद्धालु जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और विशेष पूजन कर भोलेनाथ से अपनी मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना करते नजर आए। वहीं प्रयागराज में सोमेश्वर महादेव, मनकामेश्वर, नागवासुकी, तक्षक तीर्थ, पड़िला महादेव और दशाश्वमेध मंदिर जैसे प्रमुख शिवालयों में हजारों श्रद्धालु कतार में दर्शन के लिए लगे हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष से मंदिर गूंज रहे हैं। कानपुर के परमट मंदिर में श्रद्धालुओं ने आस्था और उल्लास के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। भक्तों ने परिवार और समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। गोंडा जिले में आज सभी प्रमुख और पौराणिक शिव मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है भक्त बम-भोले के जयकारों के साथ देर रात से ही कतारों में लगकर जलाभिषेक कर रहे हैं। गोंडा जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जा रही है। बाराबंकी के रामनगर स्थित प्राचीन लोधेश्वर महादेव धाम में सावन के अंतिम सोमवार पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहां रविवार रात से ही शिवभक्तों का जनसैलाब इस ऐतिहासिक धाम में उमड़ पड़ा। कांवड़िए नंगे पैर, कंधे पर कांवड़ रखकर दूर-दराज से पैदल यात्रा कर लोधेश्वर पहुंचे। उन्होंने जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ में सावन के चौथे सोमवार में भक्तों की देखने को मिल रही है। हर हर बोल बम की गूंज से मंदिर गूंजायमान हो रहा है। गोला गोकर्णनाथ को छोटी काशी भी कहा जाता है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से प्रार्थना करने और गंगा जल चढ़ाने पर भोले बाबा की कृपा बरसती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ज्ञात हो आखिरी सोमवार को लेकर राज्य के विभिन्न शिव मंदिरों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात है। अधिक भीड़ वाले इलाके पर ड्रोन से निगरानी की जा रही है। सीसीटीवी से भी देखरेख की जा रही है।

सीतापुर गांव में दीवार ढहने से दो लड़कियों की मौत, एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल

प्रात : किरण संवाददाता

सीतापुर। जिले के सिधौली थाना क्षेत्र के खैरेन देशनगर गांव में एक मकान की दीवार ढह जाने से दो नाबालिग लड़कियों की मौत हो गई और एक बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना उस वक्त हुई जब सभी सो रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि रविवार से जिले में लगातार बारिश हो रही है जिसके कारण यह घटना हुई। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह मिट्टी और ईंटों से बनी कच्ची दीवार लगातार बारिश का सामना नहीं कर सकी और ढह गई। अधिकारियों ने बताया कि रामपाल (60) अपनी दो पोतियों, चांदनी (14) और शिवसी (12) के साथ घर के अंदर सो रहे थे, तभी यह हादसा हुआ और वे मलबे में दब गईं। स्थानीय लोगों ने तीनों को मलबे से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों लड़कियों को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि रामपाल का इलाज हो रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है, लेकिन वह खतरे से बाहर हैं। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। इस बीच, ग्रामीणों ने शोक संतप्त परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है। जिले के अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। नुकसान का आकलन करने और सरकारी नियमों के अनुसार राहत प्रदान करने के प्रयास जारी हैं।

किशोरी के साथ बलात्कार

प्रात : किरण संवाददाता

हाथरस। जिले के मुरसान थाना क्षेत्र के एक गाँव में एक किशोरी के साथ एक व्यक्ति ने कथित तौर पर बलात्कार किया। घटना रविवार शाम करीब पांच बजे हुई जब 14 वर्षीय लड़की अपने घर में अकेली थी और पड़ोसी देवेश (20) ने उसके घर में घुसकर उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। पीड़ित की चीख-पुकार सुनकर जब उसका भाई आया तो आरोपी मौके से भाग गया। सदाबाद के क्षेत्राधिकारी अमित पाठक ने बताया कि लड़की के परिवार की शिकायत पर इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और फरार आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

पूर्व सांसद विश्वनाथ दास को अर्पित किया श्रद्धासुमन

अयोध्या,। सुप्रसिद्ध पीठ जगतगुरु स्वामी रामानंदजी का मंदिर दर्शन भवन जानकीघाट, अयोध्याधाम के पूवार्चार्य महंत एवं पूर्व सांसद ब्रह्मचारी विश्वनाथ दास शास्त्री महाराज को संतों ने नमन किया। अवसर श्रावण शुक्ल दशमी तिथि पर उनके 10वें पुण्यतिथि महोत्सव का रहा। जो मठ में निष्ठापूर्वक मनाई गई। संतों ने उन्हें श्रद्धा से याद किया। पुण्यतिथि महोत्सव पर मंदिर में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रामनगरी के विशिष्ट संतों ने मठ में स्थापति पूर्व सांसद विश्वनाथ दास शास्त्री महाराज के विग्रह पर सोमवार को श्रद्धासुमन अर्पित किया और भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संतों ने पूर्व सांसद के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। पुण्यतिथि पर काफी संख्या में साधु-संत व मंदिर से जुड़े शिष्य-अनुयायी, परिकरों ने प्रसाद ग्रहण किया। जगतगुरु स्वामी रामानंदजी का मंदिर दर्शन भवन की वर्तमान पीठाधिपति महंत डॉ. ममता शास्त्री द्वारा पधारे हुए साधु-संत और विशिष्टजनों का स्वागत-सत्कार किया गया। इस अवसर पर दर्शन भवन पीठाधीश्वर महंत डॉ. ममता शास्त्री

ने कहा कि आश्रम में गुरुदेव पूर्व सांसद व महंत ब्रह्मचारी विश्वनाथ दास शास्त्री महाराज की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। यह गुरुदेव की 10वीं पुण्यतिथि रही। पुण्यतिथि महोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रथम दिन रविवार को भक्तों द्वारा सामूहिक रूप से मंदिर में स्थापति नर्वदेश्वर भगवान शंकर का अभिषेक-पूजन किया गया। उसके बाद अपरान्ह सुंदरकांड का पाठ हुआ। फिर पाठ के समापन उपरांत सायंकाल मठ के मुख्य द्वार पर भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को सुबह मंदिर में स्थापति सदगुरुदेव भगवान के विग्रह का अभिषेक, विशेष पूजन एवं आरती हुआ। तदुपरांत अयोध्याधाम के प्रतिष्ठित संतों द्वारा जेवनार गायन किया गया। उसके बाद संतों ने पुण्यतिथि महोत्सव पर प्रसाद पाया। डॉ. ममता शास्त्री ने कहा कि गुरुदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। वह संत और गौ सेवी रहे। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार था। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी। उन्होंने सेवा को ही अपना धर्म माना और उसी को अंगीकार किया। उनके अंदर संतत्व के सारे गुण थे। रामनगरी के सभी संत-महंत महंत उनका आदरपूर्वक सम्मान करते रहे। गुरुदेव हम सबके बीच में नही हैं। लेकिन उनकी यश-कीर्ति सदैव हम लोगों के साथ रहेगी। उनके रिक्त स्थान की पूर्ति कभी नही की जा सकती है। मठ में गौ, संत, विद्यार्थी, अतिथि सेवा सुचार रूप से चल रही है। सभी उत्सव, समैया, त्योहार आदि परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। इस मौके पर अयोध्या विधायक के सुपुत्र अमल गुप्ता, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अशोक मिश्रा, विजय राज उर्फ चुलबुल, बालकृष्ण वैश्य समेत अन्य विशिष्टजन एवं मंदिर से जुड़े शिष्य-अनुयायी, परिकर मौजूद रहे।

गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से जौनपुर का प्रशासन अलर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर,। जौनपुर जनपद से गुजरने वाली गोमती नदी का जलस्तर इन दिनों लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड़ पर आ गया है। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारों को 24 घंटे सतर्क रहने का निर्देश दिया है हालांकि नदी का जलस्तर अभी यह खतरे के निशान से 13 फीट नीचे है। यहां पर पानी बढ़कर शाहीपुल स्थित गोमतेश्वर नाथ मंदिर तक पहुंच गया है। इससे चकप्यार अली और बलुआ घाट के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए खतरा बढ़ गया है। केराकत में निमार्णाधीन टाई नाले की पुलिया तक गोमती का पानी पहुंचने से कई गांवों का संपर्क टूट गया है। प्रशासन ने बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सभी एसडीएम को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। बढ़ते जलस्तर से तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। रविवार को अस्थाई सड़क पर पानी पहुंचने से केराकत-खुज्जी मार्ग अवरुद्ध हो गया है। इससे कई गांवों का संपर्क टूट गया है। नदी के तटीय इलाके वाले गांव जैसे सरोजबड़ेवर, सरौनी पूरब पट्टी और चकरारेत जोखुआना में पानी पहुंचने से खतरा बढ़ रहा है। लगभग सौ एकड़ की फसल जलमग्न हो चुकी है। कुछ गांवों में खेतों तक जाने वाले रास्ते भी बाधित हो गए हैं। मापक केंद्र पसेंवा के अनुसार, जलस्तर बढ़ने की रफ्तार तीन से चार सेंटीमीटर प्रति घंटे है। इस मामले में सोमवार को बात करते हुए जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि लेखपालों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। गोमती नदी के किनारे वाले गांवों पर नजर रखी जा रही है। जौनपुर में बाढ़ से बचाव और राहत के लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। नियंत्रण और निगरानी के लिए 48 चौकियां बनाई गई हैं। 42 गोताखोरों की व्यवस्था की गई है। सभी तहसीलों के एसडीएम को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। छह तहसीलों में प्रभावित होने वाले 347 गांवों को चिह्नित कर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

2017 के बाद सीएम योगी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश लिख रहा निवेश की नई कहानी

● एफडीआई से लेकर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी तक, यूपी ने तय की विकास की ऐतिहासिक उड़ान

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश, जो कभी निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य नहीं माना जाता था, आज देश के सबसे भरोसेमंद और तेजी से विकसित होते औद्योगिक राज्यों की पंक्ति में खड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में ऐसी छलांग लगाई है, जिसकी मिसाल कम ही देखने को मिलती है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज ह्वरिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्मह्व मॉडल का सर्वोत्तम उदाहरण बन चुका है। जहां एक ओर 2017 से पहले यूपी निवेश मानचित्र पर मुश्किल से स्थान पा रहा था, वहीं अब यह राज्य वैश्विक निवेशकों के लिए पहला विकल्प बन गया है। विगत 8 वर्षों में लाखों करोड़ का निवेश और दुनिया भर के निवेशकों का उत्तर प्रदेश की ओर रिझान इसी ओर इशारा कर रहा है। 2017 से पहले था निवेश का सूखा, नीति और व्यवस्था की कमी मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वर्ष 2000 से 2017 तक 17 वर्षों में यूपी को महज 3,000 करोड़ का एफडीआई प्राप्त हुआ था। 2016ह्न17 में यह आंकड़ा गिरकर 50 करोड़ तक सिमट गया था जो राज्य की छवि और औद्योगिक अभाव को दशार्ता है। राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग औसत थी, सिंगल विंडो सिस्टम जैसी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। यही नहीं, औद्योगिक विकास के लिए न तो स्पष्ट विजन था और न ही स्थिर कानून व्यवस्था, जिससे निवेशकों में विश्वास की कमी बनी रही। 2017 के बाद एक नए युग की शुरूआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने निवेश के लिए सर्वश्रेष्ठ गंतव्यह्व बनने का संकल्प लिया। इसके चलते 2019 से 2023 के बीच यूपी ने हजारों करोड़ से अधिक के एफडीआई को आकर्षित किया जो पूर्व की तुलना में कई गुना अधिक वृद्धि रही। सरकार ने दो इन्वेस्टर्स समिट (2018 यूपी इन्वेस्टर्स और 2023 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट) सफलतापूर्वक आयोजित किए। 2018 जीआईएस से 4.28 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जबकि 2023 जीआईएस से रिकॉर्ड 33.50 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हासिल हुए। योगी सरकार ने इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए अब तक चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया और अब जीबीसी-5 की तैयारी जोरों पर है। सिर्फ वादे नहीं, परिणाम भी प्रदेश में अब तक जो चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित की गई हैं, उनके माध्यम से 16,000 से अधिक परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। इनमें 8,000 से अधिक में वाणिज्यिक संचालन शुरू हो चुका है, जबकि 8,000 से अधिक कार्यान्वयनाधीन हैं। जो निवेश धरातल पर उतर रहा है उसमें सबसे ज्यादा निवेश विनिर्माण (62.25%), सेवा (28.09%) और अवसंरचना क्षेत्रों में हुआ है। इसके माध्यम से वीवो, टाटा, अदानी, पेप्सिको, हल्दीराम, आइकिया जैसी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर अपने निवेश को धरातल पर उतारा है। इस वर्ष नवंबर में प्रस्तावित जीबीसी-5 के जरिए 5 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का लक्ष्य है जो आयोजन की तिथि तक बढ़कर 10 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। इस निवेश के धरातल पर उतरने से रोजगार के लाखों नए अवसर, स्थानीय उद्यमों का विकास और समग्र सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की उम्मीद है।

एसएससी परीक्षा में अनियमितताओं के खिलाफ अभाविप का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और अभ्यर्थियों के साथ दुर्व्यवहार को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने कड़ा विरोध जताया है। आज अभाविप के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग की और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। अभाविप ने ज्ञापन के माध्यम से आरोप लगाया कि एसएससी परीक्षा में परीक्षा केंद्र निर्धारण, तकनीकी गड़बड़ियों और प्रवेश पत्र देर से जारी किए जाने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आई हैं। अभ्यर्थियों को सुदूर केंद्र आवंटित किए गए, कुछ परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी समस्याएं आईं और विरोध करने वाले छात्रों के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। इससे लाखों युवाओं के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सोलंकी ने इस मुद्दे पर बयान जारी करते हुए कहा, एसएससी परीक्षा में अनियमितता केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि युवाओं के आत्मसम्मान और भविष्य के साथ किया गया गंभीर अन्याय है। अभाविप पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की मांग करता है। उन्होंने दिल्ली स्थित DoPT कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस बलप्रयोग की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभाविप अभ्यर्थियों की मांगों का समर्थन करता है और न्याय के लिए हर स्तर पर संघर्ष करता रहेगा। ज्ञापन में यह मांग की गई कि रद्द की गई परीक्षाओं की तिथि शीघ्र घोषित की जाए, परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए और अभ्यर्थियों से सम्मानजनक संवाद स्थापित किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

सड़क बनी तालाब, जूते उतारकर पहुंच रहे घर

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेनो वेस्ट स्थित सेक्टर दो में बारिश के बाद सड़कें तालाब में तब्दील हो गई हैं। निवासियों का आरोप है कि सड़क से निकलना भी संभव नहीं हो पा रहा है। सेक्टर के डी ब्लाक के 1 से 96 तक जाने वाली सड़क पर लोगों को चलने के लिए जूतों को उताराना पड़ रहा है। निवासियों ने बताया कि सड़कों पर पानी भरा होने के कारण कई लोग गड्ढों में भी गिरे हैं। मुख्य सड़क से लेकर सेक्टर की आंतरिक सड़क पर केवल पानी और कीचड़ ही दिखाई दे रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों का बाहर निकलना बंद हो गया है। निवासियों का कहना है कि कई बार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से मामले की शिकायत की गई लेकिन कोई भी सुनने वाला नहीं है। बच्चों को स्कूल बस से आने में भी परेशानी हो रही है। उनकी ड्रेस तक खराब हो जा रही है। उन्होंने अधिकारियों से बेहतर सड़क बनवाने की मांग की है।

दुकान से 12 बैटरी और तीन इन्वर्टर चोरी

नोएडा,। चोरों ने चोटपुर कॉलोनी स्थित दुकान से रविवार रात 12 बैटरी और तीन इन्वर्टर चुरा लिया। जब सोमवार सुबह दुकान का मालिक दुकान खोलने आया तब चोरी का पता चला। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली सेक्टर-63 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कानपुर देहात निवासी रितेश प्रताप परिवार के साथ बहलोलपुर गांव में रहते हैं और चोटपुर गिट्टी प्लांट के पास बैटरी की दुकान चलाते हैं। रविवार रात को वह दुकान बंद कर घर गए थे। रात में ही चोर दिल्ली नंबर प्लेट लगी गाड़ी से आए और दुकान से बैटरी और इन्वर्टर चोरी कर ले गए। सुबह जब रितेश दुकान पर पहुंचे तब चोरी का पता चला। इस मामले की जांच पुलिस कर रही है।

लेनदेन के विवाद में युवक के साथ मारपीट का आरोप

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में एक युवक के साथ तीन से अधिक लोगों ने मारपीट की। पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस ने बताया कि एक जुलाई को तिगरी गोल चक्कर के पास राघव शर्मा निवासी सरस्वती कुंज बिसरख के साथ तीन से अधिक लोगों ने मारपीट कर दी। पीड़ित के पिता ने मामला दर्ज कर आरोप लगाया है कि विजय चौधरी, आरिफ, सोनू वर्मा निवासी खुर्रमपुर मुरादनगर के साथ पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी मामले में आरोपियों ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर उनके बेटे पर जानलेवा हमला किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मानसिक रूप से कमजोर वृद्धा को परिजनों से मिलाया

गाजियाबाद,। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में लावारिस हालत में मिली 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को पुलिस ने परिजनों से मिलाया है। पुलिस का कहना है कि वृद्धा मानसिक रूप से अस्वस्थ्य है और अपने परिजनों के बारे में बताने में असमर्थ थी। काफी प्रयास के बाद परिजनों को ट्रेस कर महिला को सुपुर्द किया गया। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि सोमवार को अकबरपुर-बहरामपुर इलाके में 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला लावारिस हालत में मिली। महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ्य थी। वह केवल अपना नाम बता रही थी, जबकि परिजनों के बारे में वह कुछ नहीं बता सकी। वृद्धा के परिजनों का पता लगाने के लिए पुलिस टीम गठित की गई और काफी प्रयास के बाद उनका पता लगाया गया। थाने आए महिला के पोते ने बताया कि उसकी दादी पूर्व में भी कई बार घर से लापता हो चुकी है। वह दो दिन से लापता थी, उनके द्वारा दादी की खोजबीन की जा रही थी। दादी को पाकर परिजन खुश हैं और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकारिणी इकाई स्योहारा का गठन, शानू शेख पुनः बने अध्यक्ष

जिला प्रमुख व विभाग संगठन मंत्री सतेंद्र कुमार व जिला संयोजक अनुज राजपूत रहे मौजूद

स्योहारा।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्योहारा इकाई द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विभाग संगठन मंत्री सतेंद्र जी एवं जिला प्रमुख भी मौजूद रहे। इस अवसर पर संगठन विस्तार एवं नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। विभाग संगठन मंत्री सतेंद्र जी ने कहा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक छात्र हित मे कार्य करने वाला अनुशासन युक्त संगठन है जो की 365 दिन छात्र हितों में कार्य करता रहता है। बैठक के दौरान आरुषि पाल को जिला छात्रा प्रमुख बनाए जाने की घोषणा की गई। इस घोषणा का उपस्थित कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत कर आरुषि पाल को बधाई दी गई। नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। नई कार्यकारिणी मे शानू शेख नगर अध्यक्ष, लक्षित राठी नगर मंत्री,निगम राजपूत नगर सह मंत्री, इशू शर्मा नगर सह मंत्री, अक्षित नगर सह मंत्री, निखिल कुमार नगर सयोंजक (SFD) बनाये गये।

भगवान शिव सिर्फ हमारे नहीं इस जगत में समस्त प्राणियों एवं देवताओं के भी आराध्य देव हैं: त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री वेंकटेश्वरा संस्थान में देवों के देव महादेव भगवान आशुतोष के पावन श्रावण मास के अंतिम सोमवार की पूर्व संध्या पर विशाल भंडारा, एवम् कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा वं आर एस एस एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष शुभम चौधरी के नेतृत्व में ह्लएक कावड़ राष्ट्र के नामह्व पर पश्चिम उत्तर प्रदेश से आए कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा एवं महादेव की झांकी एवं भगवान शिव की शोभायात्रा का वेंकटेश्वरा के मुख्य द्वार पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि देवों के देव महादेव भगवान आशुतोष की कृपा अपरंपार है, मनुष्य तो छोड़ो देवता भी उन्हीं से दिव्य ज्ञान प्राप्त करते हैं, इसलिए उनको महादेव कहा जाता है।प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी ने कहा कि भगवान शिव सिर्फ हमारे नहीं इस जगत में समस्त प्राणियों एवं देवताओं के भी आराध्य देव हैं,जो भी भक्त सच्चे मन से शिव भक्ति करता है उसे जीवन में समस्त सुखों की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर संस्थान के प्रतिकुलाधिपति डॉ राजीव त्यागी एवं तेजतर्रार आईपीएस एसपी अमित कुमार ने कावड़ियों पर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित फुटओवर ब्रिज से पुष्प वर्षा करते हुए उनका स्वागत किया, एवं समस्त शिवभक्तों को शिव प्रसाद ग्रहण कराकर भोले बाबा आशुतोष की पूजा अर्चना की ।इस अवसर पर युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम चौधरी, कुलपति डॉ कृष्णकांत दवे, रजिस्ट्रार पीयूष पांडे ,मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

बिजनौर में कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, 20 विक्रय केंद्रों पर छापेमारी, तीन के लाइसेंस निलंबित

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशी रसायन उपलब्ध कराने की दिशा में प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर के निर्देश पर गठित कृषि विभाग की टास्क फोर्स ने तहसील चांदपुर एवं बिजनौर क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाकर कुल 20 कीटनाशक विक्रय केंद्रों पर छापेमारी की। इस दौरान कई केंद्रों पर गंभीर अनियमितताएं उजागर हुईं। जिला कृषि रक्षा अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के तहत मेसर्स गणपति बीज भंडार (चांदपुर), राजश्री कृषि सेवा केंद्र (खासपुर) और विपिन खाद भंडार (शादीपुर चौराहा, अमहेड़ा) के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। इसके अलावा आर्य खाद बीज भंडार (खासपुर), मनोज बीज भंडार (चांदपुर), विश्वकर्मा फर्टिलाइजर (हीमपुर दीपा), विवेक खाद भंडार (हीमपुर बुजुर्ग), आईपीएल किसान सेवा केंद्र (कामराजपुर) एवं गौरव खाद भंडार (नांगल सोती) को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही दो कीटनाशी रसायनों के नमूने आहरित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी इस तरह की सघन जांच अभियान जारी रहेंगे। नियमों के उल्लंघन पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। कृषि विभाग की इस कार्रवाई से किसानों में राहत और व्यापारियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। प्रशासन की यह पहल किसानों की सुरक्षा और फसल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बखनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास को मिलेगी गति जिलाधिकारी की अध्यक्षता में न्यास की बैठक सम्पन्न

एस्ट्रोनॉमी लैब, आंगनबाड़ी केन्द्रों व स्कूल भवनों के निर्माण को मिली मंजूरी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, खनन प्रभावित क्षेत्रों के सतत विकास को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विधायक नगीना मनोज पारस, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, खनिज अधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश जिला खनिज फाउंडेशन न्यास नियमावली 2017 के तहत खनिज प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला-बाल कल्याण और कौशल विकास जैसे कार्यों पर न्यास निधि का न्यूनतम 60% खर्च किया जाना अनिवार्य है, जबकि शेष 40% राशि अन्य प्राथमिकता वाले बुनियादी ढांचे और विकास योजनाओं पर खर्च की जा सकती है। बैठक में तय किया गया कि आकांक्षात्मक विकास खण्ड कोतवाली के 9 और नजीबाबाद के 12 प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में एस्ट्रोनॉमी लैब बनाई जाएंगी। साथ ही, कोतवाली विकास खंड के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय महेशपुर (हीरावाली) में इंटरलॉकिंग कार्य और पुरैनी विद्यालय में मिट्टी भराव का कार्य कराया जाएगा। नजीबाबाद के बैरमपुर, सिकरोड़ा व इस्सेपुर के विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षा कक्ष बनाए जाएंगे। इसके अलावा, कोतवाली और नजीबाबाद में कुल 5 नए आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण भी प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने यह निर्देश भी दिए कि समस्त कार्य नियमानुसार नामित कार्यदायी संस्था के माध्यम से ही कराए जाएं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों द्वारा सुझाए गए कार्यों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें कार्ययोजना में शामिल करने को कहा। विधायक मनोज पारस के सुझाव पर कुछ धर्मशालाओं में टाइल्स आदि के कार्य को भी अनुमोदन दिया गया। यह बैठक खनिज फाउंडेशन न्यास निधि के प्रभावी उपयोग और पारदर्शिता के साथ स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

13 अगस्त को भाकियू टिकैत का ट्रैक्टर मार्च और अनिश्चितकालीन धरना: बारिश में भी तैयारियों को मिली रफ्तार

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) द्वारा 13 अगस्त को प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च और अनिश्चितकालीन आंदोलन को सफल बनाने के लिए जिलेभर में जोरशोर से तैयारियां की जा रही हैं। भारी बारिश के बावजूद भाकियू कार्यकताओं ने दर्जनों गांवों में किसान सभाएं आयोजित कर आंदोलन की रणनीति तय की। इन सभाओं में भाकियू जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान और युवा जिलाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने भी भाग लिया। उन्होंने चान्दानंगली, नवादा, जीतपुरा, खरक सहित कई गांवों का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की। ग्राम खरक में आयोजित किसान पंचायत को संबोधित करते हुए सुनील प्रधान ने कहा कि बिजनौर के कई भ्रष्ट सरकारी विभाग अब भाकियू के रडार पर हैं। उन्होंने घोषणा की कि 13 अगस्त से कलेक्ट्रेट परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा, जो किसानों की समस्याओं के समाधान तक जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो इस बार 15 अगस्त को भाकियू झंडा कलेक्ट्रेट परिसर में ही फहराया जाएगा। सुनील प्रधान ने कहा, यह आंदोलन न केवल किसानों की आवाज बुलंद करेगा, बल्कि भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों को भी सबक सिखाएगा। संगठन की दिशा और दशा इसी संघर्ष से तय होगी।ह्व उन्होंने सभी किसानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने ट्रैक्टरों के साथ 13 अगस्त को बिजनौर पहुंचें और इस आंदोलन को ऐतिहासिक बनाएं। आज की बैठक की अध्यक्षता तेजपाल जी ने की और संचालन मुनि देव जी ने किया। इस अवसर पर युवा जिला अध्यक्ष मनप्रीत सिंह, जितेंद्र सिंह, मुनेंद्र सिंह काकरान, राकेश चौधरी, विनीत चौधरी, कीरत बालियान, तिलकराम कोबे, पुष्पेंद्र सिंह, दिनेश कुमार, धीरज सिंह, आशु चौधरी, मोनू चौधरी, नीरज कुमार और टीकम सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के सफल आयोजन के लिए जिलाधिकारी ने की बैठक

● विभागवार झंडे निर्माण के लिए लक्ष्य किया निर्धारित

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। हर घर तिरंगा अभियान के सफल आयोजन को लेकर कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हर घर तिरंगा अभियान 2025 को सफल तथा भव्य आयोजन हेतु निर्देश दिये। कहा कि कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य नागरिकों के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करते हुये स्वतन्त्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना है। विगत वर्षों में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद में समस्त आवासित घरों सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालयों एवं समस्त शिक्षण संस्थानो पर लाखों तिरंगा फहराते हुये कीर्तिमान स्थापित किया गया है। इस वर्ष भी पुनः दिनांक 02 अगस्त 2025 से दिनांक 15 अगस्त 2025 तक अवधि के मध्य हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अतः जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से प्रचुर संख्या में झण्डो की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सम्बन्धित विभागवार लक्ष्य निर्धारित किये गए हैं। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागाध्यक्ष को निर्देशित करते हुए कहा कि वह उनके विभाग हेतु निर्धारित लक्ष्य के अनुसार झंडो की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुये लक्षित मात्रा में झण्डे जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में दिनांक 08 अगस्त 2025 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की अवधि समयबद्ध है इसलिये समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाये। जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए की सभी स्कूलों में 2500 से 3000 तिरंगा राखियां बनाने के लिए स्कूलवार लक्ष्य निर्धारित कर दें। और इसी के साथ ज्यादा से ज्यादा आभार पत्र लिखवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्य करें। सभी स्कूलों में अच्छा कार्य करने वाले बच्चों और टीचर को 15 अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के समस्त विद्यालयों की दीवारों एवं बोर्डो की तिरंगा सजावट तथा सेल्फी बूथ स्थापित कराये जाने की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें तथा फोटो अभियान के वेबपोर्टल बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, महिला कल्याण एवं बाल विकास, कृषि विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन तथा नगर पालिका द्वारा संयुक्त रूप से तिरंगा महोत्सव/मेला/भव्य म्यूजिकल कन्सर्ट का आयोजन किया जायेगा। जिसमें स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल भी लगवाये जायेंगे। उक्त गतिविधि में मा0 सांसद/मा0 विधायक एवं अन्य मा0 जनप्रतिनिधियों को भी आमन्त्रित किया जाये। समस्त विभागाध्यक्षों द्वारा अपने जनपद स्तरीय/विकास खण्ड स्तरीय कार्यालय परिसर में तिरंगा सेल्फी बूथ तैयार कराकर स्थापित कराये जायें तथा सेल्फी फोटो अभियान के वेबपोर्टल पर अपलोड करायेंगे।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री सत्यपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी श्रीमती सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए श्री अम्बरीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा

अमरोहा।पहले चरण में स्कूलों की दीवारों और बोर्ड को तिरंगे से प्रेरित कला से सजाया जाएगा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी भवनों आदि में प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। स्कूल, कालेज व सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएं और प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ ही सैनिकों और पुलिसकर्मियों को आभार पत्र लिखकर डाक विभाग के समन्वय से राखियां भेजी जाएंगी।

तिरंगा महोत्सव के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा

अमरोहा।दूसरे चरण में नौ से 12 अगस्त के बीच वृहद आयोजन होंगे। इस दौरान ह्यतिरंगा महोत्सव के रूप में एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। इसमें वृहद तिरंगा मेला और भव्य तिरंगा म्यूजिकल कन्सर्ट का आयोजन होगा। प्रदेश स्तरीय तिरंगा महोत्सव का आयोजन किसी प्रमुख स्थल पर व्यापक जनभागीदारी के साथ होगा।व्यापक जनभागीदारी के साथ, प्रसिद्ध और स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ भव्य तिरंगा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा बाइक रैली और/या तिरंगा साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। बृहद तिरंगे कपड़े के साथ तिरंगा रैलियों यात्राओं का आयोजन किया जाना। ये आयोजन सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों ब्लॉकों और पंचायतों में आयोजित किए जाएँगे जिनमें स्कूली बच्चों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो। तिरंगा और उससे संबंधित वस्तुओं की बिक्री को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय बाजारों में सौंदर्यपरक तिरंगा प्रकाश और सजावट किया जाएगा। जनपद में स्वयं सहायता समूहों, पी०डी०एस० दुकानों, खादी भंडारों और स्थानीय बाजार के वस्त्रालयों आदि के माध्यम से तिरंगा की बिक्री और वितरण का प्रबंधन किया जाएगा।

तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट पर होगी अपलोड

अमरोहा। अभियान के तीसरे चरण में 13 से 15 अगस्त 2025 के मध्य सभी शासकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, होटलों, कार्यालयों, बांधो, पुलों आदि पर ध्वजारोहण समारोह और तिरंगा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

बाढ़ पूर्व तैयारी हेतु जिलाधिकारी द्वारा बाढ़ संभावित ग्रामों का किया निरीक्षण

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा जनपद की बाढ़ पूर्व तैयारियों की जमीनी हकीकत का जायजा लेने के लिए तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम चकनवाला मुस्तकम और दारानगर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी नाव और ट्रैक्टर में बैठकर दारानगर गांव तक पहुंची और जमीनी हकीकत को परखते हुए ग्रामीणों से आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की और तटबंधों की सुदृढ़ता, जलनिकासी व्यवस्था, राहत शिविरों की संभावित व्यवस्था, नावों की उपलब्धता, मेडिकल टीम, आवश्यक दवाओं एवं एंटी वेनम की उपलब्धता, पशुपालन व्यवस्था एवं खाद्य सामग्री के भंडारण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से वार्ता कर उनसे समस्याओ एवं जिला प्रशासन से अपेक्षित सहयोग की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग अपनी तैयारियों को गंभीरता से लें तथा आपसी समन्वय से बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सशक्त कार्ययोजना तैयार कर धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए।डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब कोई लापरवाही नहीं चलेगी। राजस्व, सिंचाई, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें 24 घंटे निगरानी में रहें। तटबंधों की नियमित पेट्रोलिंग की जाए और बाढ़ राहत सामग्री को पहले से चिन्हित स्थानों पर स्टॉक कर दिया जाए। नाव, वाहन और मल्लाहों की सूची अद्यतन कर तैयार रखी जाए, ताकि आपात स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया दी जा सके। स्वास्थ्य विभाग संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल किट, आवश्यक दवाइयों, एंटी वेनम, एंबुलेंस व टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करे। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के टीकाकरण, चारे की व्यवस्था एवं बचाव हेतु पशु राहत केंद्रों की तैयारी पूर्ण करें। आपूर्ति विभाग राहत शिविरों हेतु पर्याप्त राशन सामग्री एवं जरूरी आवश्यकताओं की पूर्व व्यवस्था करें। पुलिस प्रशासन एवं राजस्व विभाग बाढ़ की स्थिति में समय से सूचना प्रसारण, जनता को सुरक्षित निकालने, राहत एवं पुनर्वास की कार्य योजना को सशक्त बनाएं।

मेरा नेशनल अवॉर्ड समाज के हाशिए पर पड़े लोगों को समर्पित

बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी को हिट फिल्म 12वीं फेल में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। उन्होंने यह अवार्ड जीतने पर अपनी प्रतिक्रिया दी। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ सर्वश्रेष्ठ एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार साझा करने वाले इस एक्टर ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का आभार व्यक्त किया है। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने एक बयान में कहा, मैं माननीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, एनएफडीसी और 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के सभी सम्मानित जूरी सदस्यों को मेरे अभिनय को इस सम्मान के योग्य समझने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं विधु विनोद चोपड़ा को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मुझे यह अवसर दिया। आज एक सपना सच हो गया है। उन्होंने आगे कहा, मेरे अभिनय को सम्मान देने और इतनी प्यार से इस फिल्म की सिफारिश करने के लिए मैं दर्शकों का हमेशा आभारी रहूंगा। शाहरुख खान जैसे दिग्गज के साथ अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार साझा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने आगे कहा, अंत में, मैं यह पुरस्कार हमारे समाज के सभी हाशिए पर पड़े लोगों को समर्पित करता हूं, जिन पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता, और जो हर दिन हमारे देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति से जूझ रहे हैं।

विक्रम मैसी ने विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म लुटेरा से हिंदी सिनेमा में कदम रखा, जिसमें उनके साथ रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा भी थे। उन्होंने रणवीर के सहायक और दोस्त देवदास की भूमिका निभाई। 2015 में, उन्होंने जोया अख्तर की पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म दिल धड़कने दो में रिद्धिमा सूद के साथ सहायक भूमिका निभाई। इस फिल्म में अनिल कपूर, शेफाली शाह, प्रियंका चोपड़ा, अनुष्का शर्मा और फरहान अख्तर भी मुख्य भूमिकाओं में थे। विक्रांत को 12वीं फेल में उनके काम के लिए यह सम्मान मिला, जबकि शाहरुख को एटली द्वारा निर्देशित व्यावसायिक फिल्म जवान में उनके काम के लिए सम्मानित किया गया।

सीरीज मंडला मर्डर्स के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलीं वाणी

वाणी कपूर ने साल 2013 में फिल्म शुद्ध देसी रोमांस से इंडस्ट्री में डेब्यू किया। तब से उन्होंने कई ग्लैमरस रोल किए हैं। अब इस साल उन्होंने ओटीटी डेब्यू किया है और पहली सीरीज से ही वे छा गई हैं। सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर यशराज फिल्म्स की वेब सीरीज मंडला मर्डर्स में वाणी के काम की काफी तारीफें हो रही हैं, जो बीते हफ्ते नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अभिनेत्री ने बताया कि यह रोल करते हुए वे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलीं, जो आसान नहीं था।

वाणी के करियर के नए चैप्टर की शुरुआत

वाणी सीरीज में सीबीआई ऑफिसर रिया थॉमस के रोल में दिखी हैं। मंडला मर्डर्स के जरिए वाणी ने करियर के नए चैप्टर की शुरुआत की है। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में अपने संघर्ष के दौर के बारे में बात कीं। बॉलीवुड फिल्मों में कई वर्ष से ग्लैमरस और रोमांटिक रोल करने वाली वाणी मंडला मर्डर्स में एक अलग अवतार में नजर आई हैं। उनका कहना है कि यह बदलाव उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। मनीकंट्रोल के साथ बातचीत के दौरान जब वाणी से इस किरदार का चयन करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह उनके पिछले हर किरदार से अलग था।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलना मुश्किल रहा

रिया ने कहा कि उन्हें यह किरदार बिना इमोशन और लंबे-लंबे डायलॉग और नाटकीय हाव भाव के सिर्फ आंखों के जरिए अदा करना था। ऐसा करना इमोशनली और मेंटली थका देने वाला था, लेकिन इस चुनौती ने उन्हें आकर्षित किया। वाणी कपूर ने मंडला मर्डर्स के लिए अपने कंफर्म जोन से बाहर निकलने की कोशिश की। वे बताती हैं कि निरंतरता सबसे मुश्किल हिस्सा था। आप किरदार के डिजाइन से बाहर नहीं निकल सकते। मगर, एक्शन सीक्वेंस, फिजिकल ट्रेनिंग और मानसिक आघात के बोझ ने उन्हें उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकाल दिया।

खुद को दो साल का वक्त देकर मुंबई आई वाणी

वाणी ने मुंबई में अपने शुरुआती संघर्षों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इंट्रोवर्ट होने के चलते दिल्ली से आने के बाद उनके लिए ग्लैमरस बॉलीवुड की दुनिया और उसके तौर-तरीकों में ढलना मुश्किल रहा। वे बिना किसी को जाने-पहचाने मुंबई आ गईं। यहां आकर उन्होंने खुद से कहा कि वे अपने इस सपने को एक-दो साल देंगी और अगर यह पूरा नहीं हुआ, तो वह आगे बढ़ जाएंगी।

'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाकर गदगद रानी

फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड पाकर रानी मुखर्जी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वह अपने इस अवॉर्ड को दुनिया भर की मांओं को समर्पित करती हैं। रानी मुखर्जी अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहती हैं, 'फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में अपनी एक्टिंग के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतकर मैं काफी खुश हूं। यह मेरे 30 साल के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड है। एक कलाकार के तौर पर मैं लकी रही हूं कि कुछ कमाल की फिल्में की हैं। मुझे उन फिल्मों के लिए बहुत प्यार मिला है। फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में मेरे काम को सम्मानित करने के लिए मैं नेशनल अवॉर्ड ज्यूरी का धन्यवाद करती हूं। मैं इस पल को फिल्म की पूरी टीम, मेरे प्रोड्यूसर निखिल आडवाणी, मोनिशा और मधु, डायरेक्टर आशिमा छिब्बर के साथ शेयर करती हूं। यह अवॉर्ड 30 साल के मेरे काम, मेरे डेडिकेशन और सिनेमा के लिए मेरे जुनून का सबूत है।'

दुनिया की सभी मांओं को समर्पित किया अवॉर्ड

रानी मुखर्जी आगे कहती हैं, 'मैं अपना नेशनल अवॉर्ड दुनिया की सभी मांओं को समर्पित करती हूं। हमारी फिल्म में एक मां की ही कहानी है, जिसने अपने बच्चों को पाने के लिए सबकुछ कुर्बान कर दिया। इस कहानी ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया था। सच में, एक मां का अपने बच्चे के लिए प्यार बिना शर्त का होता है। इस बात का अहसास मुझे तब हुआ जब मेरा अपना बच्चा हुआ। इसलिए यह नेशनल अवॉर्ड, यह फिल्म बेहद इमोशल, पर्सनल है। हमने फिल्म के जरिए यही दिखाने की कोशिश की कि एक मां अपने बच्चों के लिए पहाड़ भी हिला सकती है। दुनिया को एक बेहतर जगह भी बना सकती है।'

रानी मुखर्जी ने फैंस को भी शुक्रिया कहा

नेशनल अवॉर्ड पाकर गदगद रानी मुखर्जी अपने फैंस को भी नहीं भूलती हैं। वह फैंस का भी शुक्रिया अदा करती हैं। रानी कहती हैं, 'दुनिया भर के अपने सभी फैंस का एक बार फिर शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। 30 साल के मेरे करियर वे साथ रहे। आपका बिना शर्त का प्यार, सपोर्ट ही मेरे लिए सब कुछ है। इस बात से मुझे काम करने की, एक्टिंग करने की इंस्पिरेशन मिलती है। आप लोगों ने मुझे हर रोल, हर कहानी में अपनाया है, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

सैयारा की सक्सेस पर बोले मोहित सूरी

फिल्म 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी के झंडे गाड़ दिए हैं। फिल्म ने अब तक घरेलू बाजार में 273.50 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर इस फिल्म ने सिनेमाघरों में रोमांस की बहार ला दी है। फिल्म के निर्देशक मोहित सूरी ने इसकी कामयाबी पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनका सिर्फ एक ही मकसद था – एक अच्छी फिल्म बनाना और दर्शकों को खुश करना। मोहित ने बताया कि उन्होंने कभी इतनी बड़ी सफलता की उम्मीद नहीं की थी। वहीं, इस फिल्म के प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स के ष्टश्वह्र अक्षय विधानी ने इस फिल्म को लेकर एक दिलचस्प बात भी सामने आई। यशराज फिल्म्स के अक्षय विधानी ने बताया कि इस फिल्म को लेकर मोहित सूरी से प्रोडक्शन हाउस की पहली बार बात मंदिर में हुई थी। अक्षय विधानी ने बताया कि यह फिल्म बनाने का विचार एक मंदिर में चर्चा के दौरान आया था, इसलिए वो इसे अपनी किस्मत मानते हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो उन्हें तुरंत ये समझ आ गया कि ये फिल्म बनानी है।

इमरान के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल

अदिवि शेष और इमरान हाशमी फिल्म गुडाचारी 2 में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अदिवि ने इमरान के साथ काम करने को लेकर अपनी राय पेश की है। अदिवि ने कहा कि मैं इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं हमेशा से उनका फैन रहा हूं। मैं थिएटर में उनकी शानदार मौजूदगी और जोश देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता था। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल है। बता दें कि हैदराबाद में गुडाचारी 2 के एक एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त इमरान घायल हो गए थे। उनकी गर्दन में चोट लग गई थी। दरअसल, इमरान जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हुए थे, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया था। गुडाचारी 2 एक थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में अदिवि और इमरान लीड रोल प्ले कर रहे हैं। जबकि इससे पहले इमरान, सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 में नजर आ चुके है, जिसमें उन्होंने विलन का रोल प्ले किया था।

सन ऑफ सरदार 2 के लिए फैंस के प्यार से बेहद खुश हुईं मृणाल ठाकुर

णाल ठाकुर ने आज सोशल मीडिया स्टोरी पर एक खास पल शेयर किया। जिसमें वह प्रशंसकों के साथ फिल्म की आधी रात की स्क्रीनिंग देख रही हैं। इस पल को उन्होंने अब तक का सबसे अच्छा एहसास बताया। बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने आज इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के कई वीडियोज और तस्वीरें शेयर कीं। इन सभी वीडियो में मृणाल के फैंस फिल्म को देखकर उत्साहित और खुश नजर आ रहे हैं। वहीं एक वीडियो में मृणाल भी फैंस के बीच फिल्म का आनंद लेती नजर आईं।

फिल्म सन ऑफ सरदार 2 के बारे में

सन ऑफ सरदार 2 को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने मिलकर बनाया है, जबकि एनआर पचीसिया, प्रवीण तलरेजा और कुमार मंगत पाठक इसके निर्माता हैं। फिल्म पहले 25 जुलाई, 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे 1 अगस्त को रिलीज किया गया। इस कॉमेडी फिल्म में अजय देवगन, मृणाल ठाकुर, रवि किशन, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल जैसे कई शानदार कलाकार हैं। यह फिल्म दिवंगत अभिनेता मुकुल देव की आखिरी फिल्म है।

आयुष्मान खुराना करेंगे मोहम्मद रफी की बायोपिक में लीड रोल?

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के दिग्गज सिंगर मोहम्मद रफी वो आवाज हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी अपना जादू बिखेर रहे हैं। उनकी आवाज और गाने आज भी उतने ही पसंद किए जाते हैं, जितने उनके दौर में किए जाते थे। इस मौके पर रफी साहब के बेटे शाहिद रफी से बात की। इस खास बातचीत में शाहिद ने पिता से जुड़ी यादें साझा कीं। साथ ही उनकी बायोपिक के बारे में भी जानकारी दी।

बायोपिक के निर्माता हैं शाहिद रफी

ओह माय गॉड जैसी फिल्में बना चुके निर्देशक उमेश शुक्ला ने घोषणा की है कि वे रफी साहब की बायोपिक पर काम कर रहे हैं। अब रफी के बेटे शाहिद रफी ने इस फिल्म को लेकर कई जरूरी बातें साझा कीं। शाहिद ने बताया कि वो खुद इस फिल्म से बतौर निर्माता जुड़े हैं। उन्होंने कहा, मैंने यह तय किया था कि अब्बा की बायोपिक तभी बननी चाहिए, जब इसे सच्चाई और ईमानदारी से बनाया जाए। मेरे लिए यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि मेरे अब्बा की जिंदगी को दुनिया के सामने लाने का जरिया है। जब डायरेक्टर उमेश शुक्ला से मेरी बातचीत हुई तो मुझे उनके काम करने का तरीका और सोच समझ आई। मुझे लगा कि वही इस कहानी को सही तरीके से दिखा सकते हैं।'

उमेश शुक्ला किरदार को गहराई से समझते हैं

शाहिद ने आगे बताया कि उमेश जी थिएटर से आए हैं, इसलिए उन्हें किरदारों को महसूस करने का हुनर आता है। वो सिर्फ सीन नहीं बनाते, वो किरदार के भीतर जाते हैं। रफी साहब जैसे इंसान को समझने के लिए यह बहुत जरूरी है। उनकी पहले की फिल्मों में भी मैंने यह दिल से जुड़ी समझ देखी है। वे इस फिल्म के सह-निर्माता भी हैं।

जो उन्होंने जिया, वही फिल्म में दिखेगा

जब पूछा गया कि फिल्म में रफी साहब की जिंदगी के कौन-कौन से हिस्से शामिल होंगे, तो शाहिद ने बताया कि मेरे अब्बा की जिंदगी एक खुली किताब जैसी थी। मैं चाहता हूं कि लोग उन्हें सिर्फ गायक के तौर पर नहीं, इंसान के रूप में भी जानें। कई बार फिल्मों में सच्चाई से हटकर बातें जोड़ दी जाती हैं या बदल दी जाती हैं। मैंने शुरू से साफ कहा कि जो जैसा था, वैसा ही दिखाया जाए। हमें कुछ भी छुपाने या बदलने की जरुरत नहीं है।

आयुष्मान खुराना सबसे बड़े दावेदार

फिल्म में मोहम्मद रफी का किरदार कौन निभाएगा? इस पर अभी कोई पक्की जानकारी तो नहीं है पर इंडस्ट्री में आयुष्मान खुराना को इस किरदार के लिए संपर्क किया गया है। इस बारे में शाहिद ने कहा कि हमारी कुछ बड़े नामों से बातचीत चल रही है। दो-तीन एक्टर्स से संपर्क भी हुआ है, लेकिन अभी तक कुछ फाइनल नहीं हुआ है। जब सब तय होगा, तब हम खुद इसकी जानकारी देंगे।

शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद

शाहिद ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और अब आगे की तैयारी चल रही है। वे इस साल नवंबर या दिसंबर तक इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। सब कुछ सही रहा, तो यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में आ सकती है।

अगले जन्म में भी रफी साहब का बेटा बनना चाहूंगा

पिता को याद करते हुए शाहिद रफी ने कहा, 'वो बहुत सादगी और अमन पसंद इंसान थे। मैंने कभी उन्हें गुस्से में या ऊंची आवाज में बात करते हुए नहीं देखा। सभी उनका आदर करते थे। मेरे लिए वो सिर्फ अब्बा नहीं, एक मिसाल थे। आज भी मैं दिल से यही दुआ करता हूं कि अगर अगला जन्म हुआ तो फिर से उनका बेटा बनूं।'

निवेश-बचत: ट्रंप के टैरिफ अटैक में अच्छा पैसा बनाने का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव ने एक नया मोड़ ले लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर 25 फीसदी टैरिफ यानी आयात शुल्क दिया है। यह निर्णय न सिर्फ द्विपक्षीय व्यापार पर असर डालेगा, बल्कि भारतीय कंपनियों की अमेरिका में प्रतिस्पर्धा को भी कमजोर करेगा। इसके अलावा, रूस से सस्ता तेल और रक्षा उपकरण खरीदने को लेकर अमेरिका की जुर्माना लगाने की चेतावनी से निवेशकों के बीच अनिश्चितता और बढ़ गई है। ऐसे हालात में शेयर बाजार और निर्यात आधारित सेक्टरों पर दबाव बढ़ सकता है। इस दौरान कुछ चुनिंदा शेयरों में निवेश कर अच्छा पैसा बनाया जा सकता है।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल 186 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जिसमें भारत ने 86.5 अरब डॉलर का निर्यात किया और अमेरिका से 45.3 अरब डॉलर का आयात हुआ। इससे भारत को 41 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष मिला, जो अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा प्लस पॉइंट है। अब यह अधिशेष संकट में है। दरअसल, अन्य एशियाई देश वियतनाम, थाईलैंड और बांग्लादेश पर कम टैरिफ लगाया गया है। अब ये देश अमेरिका में भारतीय उत्पादों की तुलना में सस्ते विकल्प के रूप में उभर सकते हैं।

बाजार में मिल रहे क्या संकेत

ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद शेयर बाजार में हल्की अस्थिरता देखी जा रही है। विशेष रूप से उन कंपनियों के शेयरों पर दबाव बढ़ा है, जो निर्यात पर निर्भर हैं। जैसे टेक्सटाइल, जूलरी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर। निवेशकों को आशंका है कि बढ़ती लागत और घटती मांग से इन क्षेत्रों की कंपनियों की कमाई प्रभावित हो सकती है। वहीं, फार्मा और एफएमसीजी जैसी घरेलू मांग आधारित कंपनियों में अपेक्षाकृत स्थिरता बनी है। बाजार फिलहाल अमेरिका-भारत के बीच संभावित व्यापार वार्ता पर नजर बनाए हुए है, जिससे आगे की दिशा तय होगी।

नए मौके के लिए पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को इस समय पोर्टफोलियो की समीक्षा कर उन कंपनियों पर फोकस करना चाहिए, जिनकी अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम है या जो घरेलू मांग से संचालित होती हैं। एफएमसीजी और आईटी जैसे सेक्टर्स में स्थिरता बनी रह सकती है। अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित कंपनियों की कमाई और मैनेजमेंट कमेंट्री पर नजर रखना जरूरी है। लंबी अवधि के निवेशक बाजार की गिरावट को नए अवसर की तरह देख सकते हैं।

पेरासिटामोल समेत 35 दवाएं हुई सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मरीजों को बड़ी राहत देते हुए कई दवाओं की कीमत कम कर दी है। नैशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 35 जरूरी दवाओं के दाम घटा दिए हैं। इनमें पेरासिटामोल, एटोरवास्टेनिन और एमोक्सिसिलिन जैसी दवाएं शामिल हैं जो हार्ट, डायबिटीज और सायकायट्रिक के मरीजों के लिए जरूरी हैं। अब ये दवाइयां कम

कीमत पर मिलेंगी। इससे खासकर उन मरीजों को काफी राहत मिलेगी जो लोग लंबे समय से बीमारियों से जूझ रहे हैं।

नई कीमत

अकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स कंपनी एसीक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन की एक टैबलेट बनाती है। इसे डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज बेचती है। अब इसकी कीमत 13 रुपये तय की गई है। वहीं, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स इसी दवा को 15.01 रुपये में बेचेगी। इसी तरह दिल की बीमारियों में काम आने वाली एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम की एक टैबलेट अब 25.61 रुपये में मिलेगी। बच्चों के लिए पेरासिटामाल के ओरल सस्पेंशन (घोल) भी सस्ते किए गए हैं। विटामिन डी की कमी दूर करने के लिए ड्रॉप्स और डाइक्लोफेम इंजेक्शन भी सस्ते हुए हैं।

तुमसे न हो पाएगा... भारत-चीन की दुकान बंद करने चले थे ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के देशों पर टैरिफ लगाया है। हालांकि फार्मा को इससे अलग रखा गया है लेकिन ट्रंप ने इस पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इसकी वजह यह है कि ट्रंप ने फार्मा कंपनियों को अमेरिका में दवा बनाने की क्षमता का विस्तार करने को कहा है। भारत और जापान अमेरिका को जेनरिक दवाओं के सबसे बड़ा सप्लायर हैं। मतलब साफ है कि ट्रंप दवाओं के मामले में अमेरिका को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों ने अमेरिका में अपनी कैपेसिटी बढ़ाने की बात कही है। लेकिन जानकारों का कहना है कि

एक्सपर्ट्स ने बता दी औकात

अमेरिका के लिए दवा सेक्टर में आत्मनिर्भर बनना आसान नहीं है।

ट्रंप की दवाओं के आयात पर टैरिफ लगाने की धमकी के बाद कई दवा कंपनियों ने अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस बढ़ाने की बात कही है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एस्ट्राजेनेका ने अमेरिका में 50 अरब डॉलर, जॉनसन एंड जॉनसन ने 55 अरब डॉलर और एली लिली ने 27 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। कुल मिलाकर दवा कंपनियां अमेरिका में 250 अरब डॉलर का निवेश करने जा रही हैं। ट्रंप

का कहना है कि यह देश के राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। साथ ही उन्होंने दवा कंपनियों से कीमत में कमी की भी मांग की है।

कई देशों से जुड़े हैं तार

लेकिन जानकारों का कहना है कि दवा कंपनियों के इस निवेश के बावजूद अमेरिका की विदेश पर निर्भरता में कमी आने की उम्मीद नहीं है। दवा बनाने में काम आने वाले कच्चे माल के लिए अमेरिका को विदेशों पर ही निर्भर रहना होगा। साथ ही अमेरिका के लोगों के लिए दवा की कीमत में कमी आने की भी उम्मीद नहीं है। इसकी वजह यह है कि फार्मा इंडस्ट्री के तार दुनिया के कई देशों से जुड़े हैं। अमेरिका और विदेशी कंपनियां भी लंबे समय से कई दवाएं अमेरिका में ही बना रही हैं। एनालिस्ट्स का कहना है कि ट्रंप की धमकी के बाद कुछ कंपनियां अमेरिका में प्रॉडक्शन बढ़ा सकती हैं। लेकिन जेनरिक दवा बनाने वाली कंपनियों ने ऐसा कोई वादा नहीं किया है। इसकी वजह यह है कि वे इस तरह का जोखिम नहीं ले सकती हैं क्योंकि उनका मार्जिन बहुत कम होता है। कुछ जेनरिक दवाएं अमेरिका में ही बनाई जाती हैं। इनमें स्टेराइल इंजेक्टेबल ड्रग्स, ओरल लिक्विड मेडिकेशन और कंट्रोल्ड सब्सटेंसेज शामिल हैं। लेकिन अधिकांश दवाएं और कैप्सूल विदेशों खासकर भारत में बनती हैं।

जेनरिक दवाएं

दो कंपनियों ने अमेरिका में जेनरिक दवाओं का प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए निवेश की घोषणा की है। लेकिन बाकी कंपनियों आगे आने को तैयार नहीं हैं। इसकी वजह यह है कि इसमें मार्जिन बहुत कम हैं और कंपनियों को संदेह है कि शायह उन्हें अपने निवेश पर रिटर्न नहीं मिल पाएगा। अमेरिका में डॉक्टरों की पर्ची में 90 फीसदी हिस्सा जेनरिक दवाओं का होता है। इसमें से ज्यादातर दवाएं विदेशों से आती हैं। अमेरिकी सांसद कई बार यह चिंता जता चुके हैं कि भूराजनीतिक संकट के समय इन दवाओं का सप्लाई बाधित हो सकती है। जानकारों का कहना है कि अगर सरकार ने स्थानीय कंपनियों को इंसेंटिव नहीं दिया तो अमेरिका में जेनरिक दवाओं के प्रोडक्शन में तेजी आने की उम्मीद नहीं है। अगर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ऐसा करना जरूरी है तो इसके लिए अमेरिका को भारी कीमत चुकानी होगी। अभी यह साफ नहीं है कि फार्मा इंडस्ट्री पर कितना टैरिफ लगेगा।

लोगों पर बोझ

लेकिन जानकारों का कहना है कि नई फैसिलिटी बनाने में तीन से पांच साल का समय लग सकता है। उसके बावजूद भी दवा कंपनियों के लिए लॉन्ग टर्म निवेश पर कोई फैसला करना आसान नहीं होगा। अमेरिका में दवा बनाने से वे टैरिफ से तो बच जाएंगे लेकिन इसका कच्चा माल विदेशों से मंगाने के लिए उन्हें टैरिफ देना होगा। अमेरिका में दवा बनाने का यह मतलब नहीं है कि वे सस्ती होंगी। अमेरिका में उत्पादन की लागत ज्यादा होती है। अंत में इसका बोझ आम लोगों पर ही पड़ेगा।

टैरिफ के प्रभाव पर चर्चा करेगा कपड़ा मंत्रालय

- केंद्रीय मंत्री करेंगे उद्योगपतियों से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी निर्यात पर निर्भर देश के कपड़ा उद्योग ने भी टैरिफ के प्रभाव का आकलन करना शुरू कर दिया है। इसे लेकर कपड़ा मंत्रालय ने भी कमर कस ली है। टैरिफ

के बारे में जल्द ही केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह बड़े उद्योगपतियों से मुलाकात करेंगे। इसमे उद्योगपतियों से टैरिफ के प्रभाव के बारे में बात की जाएगी। इस मुलाकात में भारत-ब्रिटेन एफटीए को लेकर भी चर्चा होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत से किए जाने वाले आयातों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का आदेश सात अगस्त से प्रभावी होगा। समाचार एजेंसी पीटीआई को कपड़ा मंत्रालय के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार अमेरिकी टैरिफ के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। सरकार और उद्योग का लक्ष्य 2030 तक 100 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करना है। सूत्रों ने कहा कि टैरिफ को लेकर घरेलू कपड़ा निर्यातकों को समर्थन देने के लिए विचार किए जा रहे किसी भी उपाय के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी, लेकिन सरकार उद्योग की प्रतिक्रिया जानना चाहती है।

7 साल तक सुपरवाइजरी करने के बाद उठाया बड़ा कदम

शुरू किया ये काम, अब 15 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के एक युवा ने अपनी मेहनत से बड़ा कारोबार खड़ा कर दिया है। उनका नाम शिवम त्यागी है। शिवम ने 2013 में गाजियाबाद की एक दवा कंपनी के गोदाम में काम करना शुरू किया था। वह वहां ऑपरेशन सुपरवाइजर थे। सात साल बाद उन्होंने नौकरी छोड़ दी। फिर अपना बिजनेस शुरू किया। आज उनकी कंपनी फायटिका हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स ब्यूटी, वेलनेस और डाइटरी सप्लीमेंट बनाती है। इसमें न्यूट्रास्युटिकल्स और इम्युनिटी बूस्टर भी शामिल हैं। पिछले साल कंपनी ने 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। शिवम त्यागी ने यह सब अपनी मेहनत और लगन से किया है। उन्होंने दिखा दिया कि अगर मन में कुछ करने की ठान लो तो उसे पूरा किया जा सकता है। आइए, यहां शविम त्यागी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

साल 2013 में ग्रेजुएशन करने के बाद शिवम त्यागी ने अपने पिता की सलाह पर एक दवा कंपनी

के गोदाम में काम करना शुरू किया। वहां उन्हें फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री के बारे में प्रैक्टिकल जानकारी मिली।

सामने आईं कई चुनौतियां

फायटिका की सफलता का सफर चुनौतियों से भरा रहा है। त्यागी को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। साथ ही ग्राहकों को अपने उत्पादों के फायदों के बारे में शिक्षित करने में काफी मेहनत करनी पड़ी। इन चुनौतियों के बावजूद उनकी कंपनी लगातार बढ़ी। आज फायटिका के 23 से ज्यादा प्रोडक्ट बाजार में उपलब्ध हैं। वह अब मैग्नीशियम जैसे नए प्रोडक्ट और डायबिटीज तथा कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने वाले जूस की रेंज भी बढ़ाना चाहते हैं। शिवम त्यागी ग्राहकों को बनाए रखने और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर लगातार काम कर रहे हैं ताकि उनकी कंपनी की ग्रोथ जारी रहे।

कम हो सकती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें!

ओपेक+ देशों ने हर दिन 547000 बैरल तेल उत्पादन पर जताई सहमति

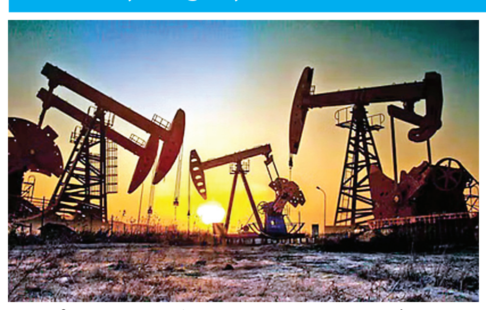

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक+ गठबंधन के सदस्य देशों ने तेल उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। अब ओपेक देश हर दिन 547000 बैरल तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। ओपेक देशों के इस कदम से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आ सकती है।

ओपेक देशों के समूह ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को एक वर्चुअल बैठक की। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि समूह के आठ सदस्य देश सितंबर में प्रतिदिन 547,000 बैरल तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। तेल उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कजाकिस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं।

अभी तक ये देश अपनी मर्जी से कम तेल उत्पादन कर रहे थे। उन्होंने यह कम उत्पादन नवंबर 2023 में शुरू किया था, जिसे सितंबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना थी। लेकिन अब यह फैसला किया गया है कि वे स्वैच्छिक उत्पादन कटौती को तय समय से पहले ही समाप्त कर देंगे।

स्मॉल बैंक के क्यू1 नतीजों से निवेशक हुए निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में जिन कंपनियों की हालत खराब है उन कंपनियों की लिस्ट में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक भी है। कंपनी के शेयरों में 8 प्रतिशत की गिरावट आज देखने को मिली है। कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 2023 में हुई थी। मौजूदा समय में कंपनी के शेयरों का भाव इश्यू प्राइस से भी कम का है।

52 वीक लो लेवल पर भाव

बीएसई में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर 21 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों भाव 8 प्रतिशत टूटने के बाद 20.09 रुपये के लेवल पर आ गया। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। इस कंपनी का मार्केट कैप 2221.95 करोड़ रुपये का है।

60 प्रतिशत तक टूट चुका है शेयर- कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 25 रुपये पर हुई थी। उसकी तुलना में भी यह स्टॉक और नीचे लुढ़क चुका है। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का 52 वीक हाई 51.40 रुपये (बीएसई में) है। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है। बता दें, इस साल यह स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर 41 प्रतिशत गिर चुका है।

आरबीआई अगस्त एमपीसी में वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य कम कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगामी अगस्त एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) की बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति के लक्ष्य को घटा सकता है। केयरएज रेटिंग्स की एक हालिया रिपोर्ट में यह कही गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी की बैठक 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 के बीच हो रही है। इसमें लिए गए फैसलों का एलान 6 अगस्त को होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 26 में औसतन 3.1 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, जो आरबीआई के मौजूदा 3.7 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। वित्त वर्ष 26 के कम आधार प्रभाव के कारण, वित्त वर्ष 27 में मुद्रास्फीति लगभग 4.5 प्रतिशत पर उच्च रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, एमपीसी मुद्रास्फीति लक्ष्य कम

रिपोर्ट में किया गया दावा

करेगी...वित्त वर्ष 26 में सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन लगभग 3.1 प्रतिशत रहेगी। वित्त वर्ष 26 के निम्न आधार को देखते हुए, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 27 में औसत सीपीआई मुद्रास्फीति अधिक, लगभग 4.5 प्रतिशत रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, जून में मुख्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई, जो उम्मीद से कम है और जनवरी 2019 के बाद से सबसे निचला स्तर है। मुद्रास्फीति में यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में निरंतर नरमी और पिछले वर्ष के अनुकूल आधार प्रभाव के कारण हुई।

आंकड़ों की बात करें तो सीपीआई श्रेणी में, खाद्य और पेय पदार्थ की कीमतों में कमी आई है। यह जून में साल-दर-साल आधार पर 0.2 प्रतिशत घटी। इसकी वजह सब्ज़ियों (-19 प्रतिशत), दालों (-12 प्रतिशत), मसालों (-3 प्रतिशत) और मांस (-1.6 प्रतिशत) की कीमतों में भारी गिरावट रही।

भविष्य की ओर देखते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि बेहतर कृषि उत्पादन और निरंतर आधार प्रभाव समर्थन के कारण खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रित रहने की उम्मीद है। इस बीच, जून में मुख्य मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई, लेकिन रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि यह व्यापक आधारित नहीं थी और मुख्य रूप से कीमती धातुओं की ऊँची कीमतों के कारण थी।

आखिरी दिन 4 विकेट लेकर ओवल टेस्ट जीता भारत

इंग्लैंड में सीरीज 2-2 से बराबर कराई, सिराज ने 5 विकेट लेकर मैच पलटा

लंदन (एजेंसी)। भारत ने द ओवल टेस्ट के आखिरी दिन 4 विकेट लेकर 6 रन से मैच जीत लिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी भी 2-2 से बराबर करा ली। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर मैच पलटा और टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

द ओवल में गुरुवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। पहली पारी में भारत ने 224 और इंग्लैंड ने 247 रन बनाए। 23 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बना दिए। इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट मिला। टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना दिए थे। तभी हैरी ब्रूक सेंचुरी लगाकर आउट हो गए। यहां से भारत ने 354 तक इंग्लैंड के 8 विकेट गिरा दिए।

गस एटकिंसन और जोश टंग ने आखिर में टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन सिराज ने आखिरी विकेट लेकर भारत को करीबी जीत दिला दी। इंजर्ड क्रिस वोक्स भी लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने उतरे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। सीरीज का दूसरा और पांचवां टेस्ट भारत ने जीता, पहला और तीसरा टेस्ट इंग्लैंड के नाम रहा। वहीं चौथे टेस्ट ड्रॉ हुआ।

इस मैच का दूसरा दिन (एक अगस्त) दिवंगत थोर्प को समर्पित था। इंग्लैंड के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले थोर्प का कई वर्षों से अवसाद और चिंता से जूझने के बाद पिछले साल निधन हो गया था। कृष्णा ने रूट के शतक पूरा होने के तुरंत बाद जैकब बेथल (पांच) को बोल्ड किया और फिर रूट को विकेट के पीछे कैच कराकर भारतीय खिलाड़ियों में जोश भर दिया। इससे पहले दिन के दूसरे सत्र में भारत के तीनों तेज गेंदबाजों पर थकान का असर दिखा जो गेंद की चमक खोने के बाद पिच से ज्यादा मदद लेने में नाकाम रहे। वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा की स्पिन गेंदबाजी भी असरहीन दिखी। उन्हें हालांकि ज्यादा गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला। भारतीय तेज गेंदबाजों ने रूट और ब्रूक के खिलाफ शॉट गेंद डालने की रणनीति अपनाई लेकिन गेंद पुरानी होने के कारण बल्लेबाजों को उससे सामंजस्य बिठाने में कोई परेशानी नहीं हुई।

ब्रूक ने शतक पूरा करने के बाद आकाशदीप की गेंद पर कवर क्षेत्र में जब शानदार चौका जड़ा तो मैदान पर भारतीय क्षेत्ररक्षकों की हताशा और बढ़ गयी। वह हालांकि दो गेंद के बाद एक और आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में कवर क्षेत्र में सिराज द्वारा लपके गये। शॉट खेलने के साथ ही बल्ला उनके हाथ से छूट गया और वह शॉट पर नियंत्रण नहीं बना सके। ब्रूक ने अपनी पारी के दौरान जहां ताकत का इस्तेमाल किया वहीं रूट ने बिना किसी परेशानी के कलात्मक शॉट से रन बटोरे। इससे पहले दिन की शुरुआती सत्र में सिराज ने आठ ओवर के शानदार स्पैल में इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 50 रन पर से आगे से की। मैच तीसरे दिन के आखिरी ओवर में जैक क्रॉली को आउट करने के बाद सिराज ने चौथे दिन आकाशदीप के साथ गेंदबाजी की शुरुआत की। उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने की जिम्मेदारी उठाते हुए एक और शानदार स्पैल डाला। उन्होंने इस दौरान बेन डकेट और ओली पोप को कई बार परेशान किया। टीम को हालांकि दिन की पहली सफलता कृष्णा ने बेन डकेट (54) को आउट कर दिलाई। डकेट बाहर निकलती गेंद को ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेते हुए दूसरे स्लीप में खड़े लोकेश राहुल के हाथों में चली गयी। इसके तुरंत बाद सिराज को भी शानदार गेंदबाजी का फल मिला। उन्होंने मैच में पोप (27) को दूसरी बार पगबाधा कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पोप ने इस ओवर से पहले ही कृष्णा के खिलाफ तीन चौके लगाकर लय हासिल की थी। रूट ने सिराज के खिलाफ दो शानदार कवर ड्राइव लगा कर दबाव कम किया।

आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे ब्रूक को इस दौरान जीवनदान भी मिला जब प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर कैच पकड़ने के बाद मोहम्मद सिराज का पैर बाउंड्री लाइन से टकरा गया और यह छह रन में बदल गया। ब्रूक ने इससे पहले आकाशदीप के खिलाफ अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा था। जीवनदान मिलने के बाद उन्होंने कृष्णा के खिलाफ दो बेहतरीन चौके जड़े। इस मैच से पहले ओवल में चौथी पारी में सबसे सफलतापूर्वक सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम ही है, जिसने 1902 में 263 रन का लक्ष्य हासिल किया था।

इतिहास एक सीरीज में 9 बैटर्स ने 400 रन का आंकड़ा पार किया

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार एक सीरीज में 9 बैटर्स ने 400 रन का आंकड़ा पार किया है। मौजूदा सीरीज में भारत के 5 और इंग्लैंड के 4 बैटर्स ने 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। टेस्ट इतिहास में यह दूसरी सीरीज है, जिसमें 7 हजार से ज्यादा रन बने हैं। इससे पहले 1993 की एशेज सीरीज में 7221 रन बने थे। उस सीरीज में 6 मैच खेले गए थे।

इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी चोटिल

मियामी (एजेंसी)। इंटर मियामी के कप्तान लियोनल मेसी को दाहिने पैर की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की है। यह चोट मेसी को शनिवार को मेक्सिको की टीम नेक्शाका के खिलाफ लीग्स कप मैच के दौरान लगी। मेसी की चोट के बावजूद, इंटर मियामी ने नेक्शाका के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत हासिल की।मेसी को केवल 11वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि वे खुद अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम तक गए, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। इंटर मियामी के बयान के अनुसार,रिपोर्ट में मेसी के दाहिने पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि हुई है। उन्हें खेलने की अनुमति उनकी मेडिकल स्थिति और उपचार पर प्रतिक्रिया के आधार पर दी जाएगी।मेसी इस सीजन में इंटर मियामी के लिए 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट कर चुके हैं। वह स्स्स्(मेजर लीग शॉकर) के टॉप स्कोरर की सूची में फिलहाल पहले स्थान पर हैं।इंटर मियामी वर्तमान में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में 12 जीत, 4 हार और 6 ड्रॉ के साथ 42 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। वे शीर्ष पर मौजूद फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे हैं, लेकिन उनके पास तीन अतिरिक्त मैच बाकी हैं। लीग्स कप क्वालिफिकेशन के लिए एमएलएस स्टैंडिंग में इंटर मियामी 5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए उन्हें बुधवार को यूएनएएम पुमास के खिलाफ जीत की जरूरत है।

सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद फिट होने के लिए एनसीए पहुंचे, एशिया कप की तैयारी शुरू

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सर्जरी के बाद एशिया कप से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में पुनर्वास और फिटनेस आकलन के लिए बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर में रिपोर्ट की थी। पूरी तहर फिट न होने के कारण उन्हें पश्चिम क्षेत्र के चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए 15 सदस्यीय टीम से बाहर रखा। ऐसा माना जा रहा है कि सूर्यकुमार ने उन्हें सूचित कर दिया था कि उन्होंने सीओई जांच करा ली है। म्यूनिख में हुई उनकी हर्निया की सर्जरी के बाद वह पुनर्वास की प्रक्रिया में है। सूर्यकुमार का अगला बड़ा टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाला एशिया कप है। इस तेजतरर्र टी-20 बल्लेबाज से इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करने की उम्मीद है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों के अनुसार उन्हें इस आयोजन से पहले पूरी तरह फिट होने का भरोसा है। उन्हें आखिरी बार आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए देखा गया था। इस बीच पता चला है कि श्रेयस अय्यर पिछले हफ्ते फिटनेस टेस्ट के लिए सीओई आये थे। अब वह मुंबई लौट गये हैं और माना जा रहा है कि यह दौरा नियमित जांच के लिए था। बताया जा रहा है कि वह पूरी तरह फिट हैं और खेलने के लिए तैयार हैं। एशिया कप के लिए चुने जाने तक, उन्हें दलीप ट्रॉफी में खेलना चाहिए। अय्यर आखिरी बार आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी की कप्तानी करते हुए देखे गए थे। आईपीएल के बेहद सफल सीजन के बाद एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उनके शामिल होने की काफी अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अपेक्षित चयन नहीं हो पाया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय पुरूष हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने के आखिर में होने वाले एशिया कप की तैयारी के मद्देनजर 15 अगस्त से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में 24 सदस्यीय भारतीय पुरूष टीम का ऐलान किया है जिसमें कर्नाटक के पूवन्ना सीबी नया चेहरा होंगे। अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए एशिया कप क्वालीफायर टूर्नामेंट है जो 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा।

इसकी तैयारी के लिए भारतीय टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। टीम की कमान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत के ही पास है जबकि गोलकीपिंग का जिम्मा कृशन पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, अमित रोहिदास, नीलम संजीप सेस, जुगराज सिंह और नए खिलाड़ी कर्नाटक के पूवन्ना होंगे।

मिडफील्डर में युवा राजिंदर सिंह को शामिल किया गया है जिनकी अक्सर तुलना पूर्व कप्तान सरदार सिंह से होती है। उनके अलावा राजकुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम, विष्णु कांत सिंह भी मिडफील्ड में होंगे। फॉरवर्ड पंक्ति में मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, सेल्वम कार्ति और आदित्य लालागे रहेंगे।

दादरी में गोल्ड मेडल विजेता रचना का स्वागत

चरखी दादरी (एजेंसी)। ग्रीस में आयोजित वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप की गोल्ड मेडल विजेता पहलवान रचना परमार का रविवार को गांव बौंद खुर्द में पहुंचने पर ग्रामीणों ने खिलाड़ी का स्वागत किया। ग्रामीणों ने फूल मालाओं से उसका स्वागत किया और उसे जीत की बधाई दी।

बता दें कि हाल ही में ग्रीस में वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चरखी दादरी जिले के गांव बौंद खुर्द निवासी पहलवान रचना परमार ने अंडर -17 आयुवर्ग के 43 किलोग्राम में हिस्सा लिया। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए फाइनल में चीन की खिलाड़ी को 3-0 से हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया। उनकी इस जीत से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

रविवार शाम को खिलाड़ी के गांव लौटने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया और खेरड़ी मोड़ से गांव तक विजयी जुलूस निकाला गया। इस दौरान ग्रामीणों ने फूलों की व नोटों की माला पहनाकर उसका स्वागत किया

पाकिस्तान ने तीसरा टी-20, 13 रन से जीता

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज पर 2-1 से कब्जा किया, फरहान-अयूब के अर्धशतक

ब्रोवार्ड (एजेंसी)। पाकिस्तान ने सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में खेले गए तीसरे और आखिरी टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 13 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

सईम अयूब और साहिबजादा फरहान की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 189 रन बनाए, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 6 विकेट पर 176 रन ही बना सकी।

अयूब और फरहान ने दी शानदार शुरुआत

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम को साहिबजादा फरहान और सईम अयूब की जोड़ी ने मजबूत शुरुआत दी। दोनों ने पावरप्ले में बिना विकेट गंवाए 47 रन जोड़े। पहले विकेट के लिए 98 गेंदों में 138 रन की साझेदारी हुई। वेस्टइंडीज के गेंदबाज समर जोसेफ ने 16.2वें ओवर में साहिबजादा फरहान को शाई होप के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा।

साहिबजादा फरहान ने 53 गेंदों पर 74 रन और सईम अयूब ने 49 गेंदों पर 66 रन की शानदार पारी खेली। इसके अलावा, हसन जवाज ने 7 गेंदों पर 15 रन, खुशदिल शाह ने 6 गेंदों पर 11 रन और फहीम अशरफ ने 3 गेंदों पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे।वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और समर जोसेफ ने 1-1 विकेट लिए।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम को साहिबजादा फरहान और सईम अयूब की जोड़ी ने मजबूत शुरुआत दी।

190 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज को एलिक अथानाजे और ज्वेल एंड्रयू ने ठोस शुरुआत दी। पहला विकेट 44 रन पर गिरा, जब ओपनर ज्वेल एंड्रयू ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाकर आउट हुए।

वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में 1 विकेट खोकर 59 रन बनाए। दूसरा विकेट 74 रन पर गिरा, जब शाई होप 9 गेंदों पर 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

एलिक अथानाजे ने 40 गेंदों में 60 रन की प्रभावशाली पारी खेली। वहीं, शेफर्न रदरफोर्ड ने 35 गेंदों पर 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 51 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके।

सिराज ने अविश्वसनीय रूप से अच्छी गेंदबाजी की- वरुण आरोन

लंदन (यूके) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वरुण आरोन का मानना है कि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने पांचवें टेस्ट के चौथे दिन तीसरे सत्र में तेज गेंदबाजी की जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण विकेट मिले। आरोन को लगता है कि सिराज बदकिस्मत रहे, उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें स्स्ब्ब्ल्यू आउट नहीं मिला। चायकाल के बाद सिराज और प्रसिद्ध ने तेज गेंदबाजी की, हालांकि सिराज ने अंतिम सत्र में कोई विकेट नहीं लिया लेकिन वह टाइट लेंथ पर गेंदबाजी कर रहे थे, जबकि प्रसिद्ध ने जैकब बेथेल को 5 रन पर आउट किया और उसके बाद शतकवीर जो रूट को 105 रन पर आउट किया।

जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ वरुण आरोन ने कहा, %सिराज और प्रसिद्ध ने चाय के बाद 5-5 तेज ओवर फेंके और इस प्रयास के परिणामस्वरूप दो महत्वपूर्ण विकेट मिले। सिराज ने अविश्वसनीय रूप से अच्छी गेंदबाजी की। उनकी कई गेंदें पैड पर लगीं, लेकिन उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट नहीं मिला। दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड का स्कोर 339/6 था, जिसमें जेमी ओवरटन (0*) और जेमी स्मिथ (2*) नाबाद थे। इंग्लैंड को जीत के लिए अभी भी 35 रनों की जरूरत है और यह भी अनिश्चित है कि कंधे की चोट के कारण क्रिस वोक्स बल्लेबाजी के लिए आएंगे या नहीं। ॉ

आरोन को लगा कि इंग्लैंड मुश्किल में है और उन्होंने चाय के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल की चतुर कप्तानी की प्रशंसा की, जिन्होंने मेहमान टीम को आसानी से सिंगल लेने का मौका नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा, इंग्लैंड अब खुद को मुश्किल स्थिति में पा रहा है और मुझे सचमुच लगता है कि यह ब्रेक भारत के लिए बहुत फायदेमंद होगा। गेंदबाजों को आराम करने, स्ट्रेचिंग करने, मालिश करवाने और फिजियो से कुछ उपचार लेने का मौका मिलेगा। वे तरोताजा होकर वापसी कर सकते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। चाय के बाद का यह सत्र शानदार रहा, सटीक गेंदबाजी, शुभमन गिल की चतुर कप्तानी ने आसान सिंगल नहीं लेने दिए और दो बेहद महत्वपूर्ण विकेट।

जो रूट और हैरी ब्रूक के शतकों ने इंग्लैंड को बढ़त दिला दी है, जबकि भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी देर से वापसी करते हुए उम्मीद जगाई है। चौथे दिन बारिश और खराब रोशनी के कारण खेल बाधित होने के कारण ओवल में पांचवें और अंतिम टेस्ट का खेल सोमवार को अंतिम दिन तक पहुंच गया है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

नोएडा की सड़कों पर इन दैत्यों का आतंक! दो महीने में 16 हजार लोगों को बनाया शिकार

नोएडा एजेंसी। पिछले दो महीनों में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में लगभग 16 हजार लोगों को कुत्तों ने काटा। सरकारी चिकित्सकीय संस्थानों में ही 12 हजार लोगों ने टीका लगवाया। कुत्ते काटने के बाद कई अन्य मरीजों ने निजी संस्थान में टीके लिए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मई और जून महीने में जिला अस्पताल सहित अन्य सरकारी संस्थानों में लगभग 20 हजार एंटी रेबीज वैक्सीन लोगों को लगाई गई। इसमें से 60 प्रतिशत यानि 12 हजार लोगों को पहली खुराक दी गई। यानि ये कुत्ता काटने के 24 घंटे के अंदर अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अन्य चार हजार मरीजों को दूसरी, तीसरी और चौथी खुराक दी गई। इसी तरह दो महीनों में चार हजार लोग कुत्ता काटने के बाद निजी अस्पताल, क्लीनिक, नर्सिंग होम आदि में वैक्सीन के लिए गए। कुत्ता काटने के बाद एंटी रेबीज की चार खुराक दी जाती है। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. टीकम सिंह ने बताया कि एक महीने में औसतन 10 हजार लोगों को सरकारी संस्थानों में टीके लगाए जाते हैं। कटखने कुत्तों के लिए विभाग ने हॉट स्पॉट भी बनाया है। प्रत्येक साल सर्वे के आधार पर इसकी संख्या घटाई या बढ़ाई जाती है। पिछले साल के मुकाबले इस साल यह संख्या बढ़ी है। इस साल 28 जुलाई को सबसे 392 मरीज आए ~इस साल जिला अस्पताल में 28 जुलाई को एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने 392 मरीज आए, जो इस साल एक दिन में आए सबसे अधिक मरीज हैं। जबकि वर्ष 2018 में एक दिन में 436 मरीज एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने जिला अस्पताल में आए थे, जो अब तक एक दिन में सबसे अधिक मरीज थे। वहीं, दो महीनों में दो हजार से अधिक को बंदर और बिल्लियों ने भी काटा। इनके काटने के बाद भी एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) लगाई जाती है।

फरीदाबाद में गले की फांस बन रहा चाइनीज मांझा, 20 से अधिक लोग पहुंचे अस्पताल

पलवल/ फरीदाबाद, एजेंसी। पलवल में जुलाई के दौरान सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों के लिए चाइनीज मांझा बड़ा ही पीड़ा लेकर आया। 27 जुलाई को आयोजित हरियाली तीज के दिन जिले के अंदरूनी सड़कों से लेकर हाईवे पर आवागन करने वाले करीब 20 वाहन चालक चाइनीज मांझे की चपेट में आकर घायल हो गए। घायलों में एक डॉक्टर और पुलिसकर्मी भी शामिल थे। 15 अगस्त नजदीक आते ही फरीदाबाद समेत पलवल और नूंह में पंतगों का बाजार सजने लगा है। बच्चे,किशोर और युवाओं में पतंगबाजी का जोश भी बढ़ रहा है। धूप ढलते ही आसामन में पतंग की संख्या भी बढ़ने लगती है। इससे आसमान में उड़ रही पक्षियों से लेकर सड़क पर चलने वाले वाहन चालक मांझे में उलझकर घायल हो रहे हैं। बताया जा रहा है पतंगबाजी से आसमान में उड़ रहे कबूतर व अन्य पक्षी के पंख आदि कट रहे हैं। 28 जुलाई को दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर पलवल एलिवेटेड मार्ग पर चाइनीज मांझा के चपेट में आए बाइक सवार को बचाने के चक्कर में एक ऑटो के पलटने से जवाहर कॉलोनी निवासी एक युवक की मौत हो गई थी। वहीं,पलवल में ही हाईवे पर जून माह में चाइनीज मांझा की चपेट में बाइक सवार एक दंपति घायल हो गए थे। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई थी। दोनों का गला कट गया था। रविवार को साप्ताहिक अवकाश का दिन था। ऐसे में पतंग उड़ाने के शौकीन बच्चे, किशोर और युवा सुबह से ही बाजारों में पतंग की खोज करते नजर आए। एनआईटी पांच स्थित एक दुकानदार ने बताया कि उनके यहां जो खरीदार पहुंच रहे हैं, वह प्लास्टिक कोटेड मांझे की मांग करते हैं। हालांकि,खरीदार चाइनीज मांझा को सीधे तौर पर मांगने में हिचकिचाते हैं,लेकिन कुछ देर बात करने के बाद कोड वर्ड में चाइनीज मांझे की मांग करते हैं। दुकानदार ने बताया कि चाइनीज मांझा की उपलब्धता नहीं होने की बात कहते ही खरीदार बिना पतंग खरीदे लौट जा रहे हैं। जानकारों की मानें तो चाइनीज मांझे की डोर पर शीशे के बुरादे को रोपित किए जाते हैं। यह प्लास्टि से बना होता है। इसे मैटेलिक कोटिंग से तैयार किया जाता है। इसमें शीशा,वर्ज्रम गोंद,मैदा,एल्यूमीनियम ऑक्साइड,जिरकोनिया ऑक्साइड आदि मिलाया जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार मौजूदा समय में आसमान में उड़ रही पतंगों से राष्ट्रीय राजमार्ग भी सुरक्षित नहीं है।

बिहार के बाद असम में भी बनेगी नई वोटर लिस्ट, सीएम हिमंत सरमा ने ही उठाए सवाल

गुवाहटी, एजेंसी।
बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके बाद असम में भी नई वोटर लिस्ट बनाने का काम शुरू हो सकता है। हालांकि चुनाव आयोग के इस फैसले को लेकर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा भी खुश नहीं हैं। वह पहले भी कह चुके हैं कि किसी और प्रदेश की नकल करके असम की समस्याओं को खत्म नहीं किया जा सकता। सीएम सरमा का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की गई एनआरसी की फाइनल लिस्ट तैयार होने के बाद इसी आधार पर वोटर लिस्ट तैयार की जा सकती है।

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग ने असम में एसआईआर की तैयारी शुरू कर दी है। असम में अगले साल की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनाव आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों ([illegible]) की नियुक्ति करके उनकी ट्रेनिंग भी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक शिक्षण कार्य से जुड़े लोगों को बीएलओ बनाया गया है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान ही उन्हें बीएलओ की ट्रेनिंग दी जाने लगी है।

एक बीएलओ ने कहा, ट्रेनिंग के दौरान बीएलओ और एसआईआर के बारे में बताया जा रहा था। हमें बताया जा रहा था कि एसआईआर के दौरान कौन से दस्तावेजों को स्वीकार करना है। इसमें जन्म

प्रमाणपत्र, फोटो, मां-बाप की वोटर आईडी और निवास प्रमाणपत्र जरूरी होगा। इसके अलावा किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटाने के लिए मृत्यु प्रमाणपत्र की जरूरत होगी।

सीएम सरमा ने कहा था कि वोटर लिस्ट में संशोधन करने से घुसपैठ का इलाज नहीं हो सकता है। बता दें कि 6 साल के आंदोलन के बाद असम समझौता हुआ था जिसके मुताबिक 24 मार्च 1971 के बाद अवैध रूप से असम आने वाले लोगों को भारत का नागरिक नहीं माना गया है। वहीं बिहार में एसआईआर को लेकर सरमा ने कहा, हमने यहां एनआरसी करवाया है। अब यहां एसआईआर से क्या हासिल होगा। किसी और प्रदेश में क्या हो रहा है, इससे असम की समस्या दूर नहीं की जा सकती। सीएम सरमा ने कहा कि अगर सूची में संशोधन किया भी जाता है तो एनआरसी को दस्तावेजों में शामिल किया जाना चाहिए और एनआरसी की फाइनल लिस्ट आने तक इंतजार करना चाहिए।

बता दें कि असम ऐसा पहला प्रदेश है जिसमें एनआरसी करवाई गई थी। 31 अगस्त 2019 को एनआरसी की ड्राफ्ट सूची जारी की गई थी। इसमें कुल 3.3 करोड़ आवेदको में से 19.6 लाख लोगों को लिस्ट से बाहर रखा गया था। हालांकि रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने इसे नोटिफाई नहीं किया है। केंद्र सरकार इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उसका कहना है कि एनआरसी में कई कमियां हैं। इसमें अवैध प्रवासियों को शामिल कर लिया गया है और स्वदेशी लोगों को बाहर रखा गया है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एनआरसी की कमियों को लेकर कहा कि लिस्ट से बाहर होने वाले 29 लाख लोगों की संख्या बहुत कम है। असम सरकार का कहना है कि इसका पुनः सत्यापन होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2015 में असम में एनआरसी की प्रक्रिया शुरू की गई थी।

आदिवासी चेतना के प्रतीक थे गुरुजी, शिबू सोरेन के निधन पर अशोक गहलोत ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर, एजेंसी।
झारखंड की राजनीति में आदिवासी अधिकारों की बुलंद आवाज रहे और राज्य निर्माण आंदोलन के केंद्र में रहे शिबू सोरेन का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनके निधन की जानकारी उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए साझा की। पिता के निधन की खबर के साथ ही पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी शिबू सोरेन के निधन पर शोक जताया और उन्हें आदिवासी चेतना का प्रतीक बताया।

अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जमीन से जुड़े नेता शिबू सोरेन ने पूरा जीवन आदिवासी समाज के कल्याण एवं उनके हितों के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा कि 'गुरुजी' के रूप में लोकप्रिय शिबू सोरेन ने न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज की आवाज़ को मजबूती से उठाया और उन्हें सामाजिक सम्मान दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक योगदान दिया। गहलोत ने अपने पोस्ट में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूरे सोरेन परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, झारखंड के मुख्यमंत्री तथा उनके पुत्र हेमंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्यों, उनके सभी शुभचिंतकों के

प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति दें एवं शोकाकुल परिजनों को हिम्मत प्रदान करें। शिबू सोरेन का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने झारखंड की जनता के हक और अधिकारों के लिए लंबा आंदोलन चलाया। 'धनकटी आंदोलन' से शुरू हुआ उनका राजनीतिक सफर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना तक पहुंचा। वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने और केंद्र में मंत्री पद पर भी रहे। उनका राजनीतिक जीवन उतार-चढ़ावों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी अपने आदर्शों से समझौता नहीं किया। उन्होंने आदिवासी समाज को एकजुट करने और उन्हें मुख्यधारा में लाने का जो प्रयास किया, वह भारतीय राजनीति में मिसाल है। उनके निधन से न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश ने एक ऐसा नेता खो दिया है, जो जनता के बीच से आया था और अंतिम समय तक जनता के लिए ही जिया। उनकी राजनीतिक यात्रा और सामाजिक योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

जादू-टोना करने के संदेह में व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या

गजपति, एजेंसी। ओडिशा के गजपति जिले में जादू-टोना करने के संदेह में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। कुछ लोगों ने 35 वर्षीय व्यक्ति को मारने के बाद उसका निजी अंग भी काट दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात जिले के मोहना थाना क्षेत्र के मालासपदार गांव में हुई। ग्रामीणों ने उस व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या कर दी, उसका निजी अंग काट दिया। शव को पास के हरभांगी बांध में फेंक दिया। पुलिस ने रविवार सुबह जलाशय से शव बरामद किया।

उपसंभागीय पुलिस अधिकारी सुरेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस ने 14 ग्रामीणों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। ग्रामीणों को संदेह है कि लगभग दो सप्ताह पहले एक अधेड़ महिला की मौत उस व्यक्ति के काले जादू के कारण हुई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले के डर से गोपाल नामक व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ गंजाम जिले में अपने ससुराल चला गया। वह अपनी एक रिश्तेदार से अपने मवेशियों और बकरियों की देखभाल करने के लिए कह गया।

अपहरण करके ले गए

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को गोपाल अपने पालतू मवेशियों को लेने गांव लौटा था, तभी उसका अपहरण कर लिया गया और उसकी हत्या कर दी गई। दूसरी ओर, सुंदरगढ़ जिले में पिछले शुक्रवार से लापता नाबालिग लड़की का शव रविवार सुबह उसके घर के पास जंगल में पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना जिले के तलवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत लुलकीडीही गांव में घटी। पुलिस के अनुसार, लड़की शुक्रवार को गाय और बकरियां चराने जंगल गई थी। पुलिस ने बताया कि जब वह दोपहर में घर नहीं लौटी तो उसके पिता ने इलाके में उसकी तलाश की और जब वह नहीं मिली तो पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने रविवार सुबह खोजी कुत्तों की मदद से लड़की की तलाश शुरू की और उसका शव पास के

डांस बार में तोड़फोड़ मामले में एमएनएस कार्यकर्ताओं पर कसा शिकंजा, 15 पर केस

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के 15 कार्यकर्ताओं के खिलाफ पनवेल में एक डांस बार में तोड़फोड़ करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह घटना पार्टी प्रमुख राज ठाकरे द्वारा एक सार्वजनिक भाषण के दौरान रायगढ़ जिले में अवैध बारों पर तीखा हमला करने के कुछ ही घंटों बाद हुई थी। मामला दर्ज करने की जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में कुछ लोग शनिवार देर रात पनवेल के बाहरी इलाके में 'नाइट राइडर्स बार' में घुसते हुए, वहां फर्नीचर में तोड़फोड़ करते हुए, शराब की बोतलें तोड़ते हुए और संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

राज ठाकरे ने क्या कहा था? इस घटना से कुछ घंटे पहले [illegible] प्रमुख राज ठाकरे ने रायगढ़ में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) की एक रैली को संबोधित करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि पर डांस

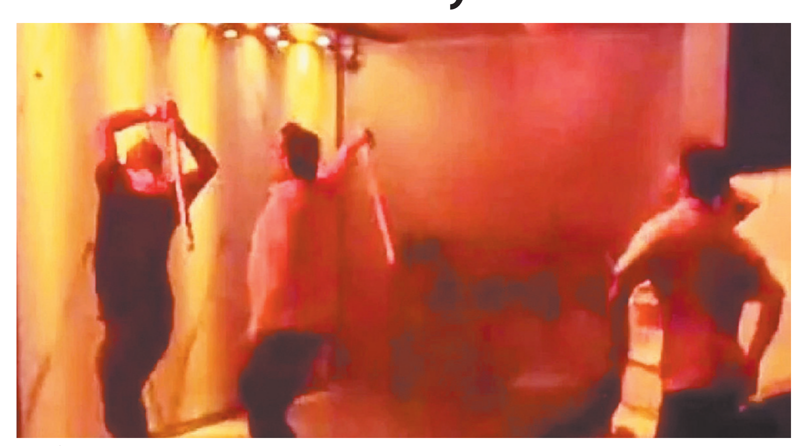

बार के संचालन की निंदा की थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि [illegible] पदाधिकारी योगेश चिले और 15 अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच चल रही है।

एमएनएस कह रही इसे प्रतीकात्मक विरोध

इस बीच, एमएनएस नेता संदीप देशपांडे ने बार में तोड़फोड़ की घटना का बचाव करते हुए इसे प्रतीकात्मक विरोध बताया है। उन्होंने कहा, सरकार को इन अवैध बारों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। क्या वे बार चला रहे हैं या उसे बचा रहे हैं? अगर वे इन्हें बंद नहीं करेंगे, तो लोग कार्रवाई करेंगे।

पाक में बाढ़ ने मचाया तांडव, 299 लोगों की जान गई

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कई हिस्सों में इस समय बाढ़ का कहर देखने को मिल रहा है। पड़ोसी मुल्क में जून के अंत से लेकर अभी तक बाढ़ के कारण 299 लोगों की जान गई। इसके अलावा 700 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 140 बच्चे शामिल हैं।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने इस बात की जानकारी दी है। एनडीएमए ने कहा कि 26 जून से शुरू हुई बाढ़ ने पूरे देश में तबाही का मंजर छोड़ दिया है।

पाकिस्तान समाचार पत्र द डॉन के अनुसार, पाकिस्तान के कई हिस्से इस समय बाढ़ की त्रासदी झेल रहे हैं। सरकारी जानकारी के मुबाबिक, भीषण मौसम ने 1,676 घरों को भी नुकसान पहुंचाया है। इसमें 562 पूरी तरह से नष्ट हो गए और 1,114 आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। बाढ़ के कारण 400 से अधिक पशुओं की भी जान गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एनडीएमए ने पुष्टि की है कि उसने 223 बचाव अभियान

चलाए हैं और बाढ़ प्रभावित इलाकों से 2,880 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला है। बताया जा रहा है कि राहत कार्यों में 13,400 से ज्यादा जरूरी वस्तुओं का वितरण शामिल है, जिनमें 2,000 टेंट, 958 कंबल, 569 रजाईयां, 613 गद्दे और 1,100 से ज्यादा खाने के पैकेट शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के कई हिस्सों में अभी भी बाढ़ का कहर देखने को मिल रहा है। इन क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी है। वहीं, पाकिस्तान के मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले 4 से 6 अगस्त के बीच देश के उत्तरी क्षेत्रों में बारिश की संभावना है।

इजरायली बंधकों को सहायता देने को हमास तैयार

काहिरा, एजेंसी। गाजा में अभी भी कई इजरायली हमास के चंगुल में फंसे हुए हैं, जिनकी स्थिति काफी दयनीय हो चली है। हमास ने पिछले दिनों ऐसे ही बंधकों की दयनीय हालत बयां करता एक वीडियो साझा किया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय जगत में तीखी आलोचना हुई थी। अब हमास ने रविवार को कहा कि अगर इजरायल उसकी कुछ शर्तें पूरी करता है, तो वह गाजा में इजरायली बंधकों को सहायता पहुँचाने के लिए रेड क्रॉस के साथ समन्वय करने को तैयार है। हमास ने कहा कि वह रेड क्रॉस के साथ कोई भी सहयोग और समन्वय तभी करेगा, जह इजरायल गाजा पट्टी में स्थायी तौर पर मानवीय गलियारों को खोलेगा और वहां राहत और राशन वितरण के दौरान हवाई हमले रोकेगा।

इजरायली अधिकारियों के अनुसार, गाजा में अभी भी 50 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से केवल 20 के ही जीवित होने की संभावना है। हमास ने अब तक ह्यूमन राइट संगठनों को इन बंधकों तक किसी भी तरह की पहुँच से रोक रखा है और परिवारों को उनकी स्थिति के बारे में बहुत कम या कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि शनिवार को, हमास ने दो दिनों में इजरायली बंधक एव्यातार डेविड का दूसरा वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में, डेविड, दीन-हीन दशा

में दिख रहा था। वह सिर्फ हड्डियों का कंकाल भर नजर आ रहा था। वीडियो में उसे एक गड्ढा खोदता हुआ दिखाया गया था, जिसके बारे में उस वीडियो में कहा गया कि वह अपनी ही कब्र खोद रहा है।

वीडियो की पश्चिमी शक्तियों ने आलोचना की

डेविड के हालिया वीडियो की पश्चिमी शक्तियों ने आलोचना की है। इस वीडियो ने इजरायलियों को भयभीत कर दिया है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों ने भी इस पर नाराजगी जताई है। दूसरी तरफ इजरायल के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद मंगलवार सुबह गाजा में बंधकों की स्थिति के मुद्दे पर एक विशेष सत्र आयोजित करेगी।

ट्रंप ने गाजा में इजरायल के हमलों का बचाव किया

अमेरिका, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में इजरायल के हमलों का बचाव किया है। उनका कहना है कि गाजा में इजरायल के हमले नरसंहार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 7 अक्तूबर को इजरायल में बहुत बुरा हुआ था। हमास के आतंकियों ने वहां तबाही मचा दी थी और उसी के नतीजे में गाजा में जंग हो रही है। इस तरह उन्होंने गाजा में जारी इजरायल के हमलों का बचाव किया। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से पूछा था कि क्या आप भी मानते हैं कि गाजा में जो हो रहा है, वह नरसंहार है। इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं ऐसा नहीं मानता। वे जंग में हैं।

उन्होंने एक बात यह भी कही कि अमेरिका की ओर से फिलिस्तीन के लोगों को भुखे नहीं मरने दिया जाएगा। हम उन्हें राशन मुहैया करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम चाहते हैं कि लोगों को खाना मिले। इजरायल वहां सहायता मुहैया कराए। हम नहीं चाहते कि वहां कोई

भुखमरी से मर जाए। इस तरह डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल का बचाव किया है तो वहीं सहायता भी मुहैया कराने की बात कही है। गौरतलब है कि यूरोपीय देश फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी की ओर से इजरायल से अपील की गई है कि वह सीजफायर कर दे। यही नहीं फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात भी इन देशों ने कही है।

इस बीच फिलिस्तीन में 92 लोग फिर से एक ही दिन में मारे गए हैं। इन लोगों की मौत रविवार को हुई, जिनमें से 56 लोग तो सहायता का इंतजार कर रहे थे। दरअसल गाजा में हालात ऐसे हैं कि भुखमरी से मौतों का भी डर है। गाजा पट्टी में राशन तक की किल्लत है और दवाओं के लिए भी लोग परेशान हैं। अरब मीडिया के अनुसार इन मौतों में 6 लोग ऐसे हैं, जिनकी भूख के चलते मौत हुई है। अरब न्यूज के अनुसार गाजा में अब तक 175 लोग खाने की कमी से मर गए हैं। इनमें 93 मासूम बच्चे शामिल हैं। बता दें कि गाजा में भुखमरी के हालात के बाद भी हमास सीजफायर के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। उसने अब तक हथियार डालने के संकेत भी नहीं दिए हैं।

दिग्गज कंपनी बोइंग में काम ठप, हड़ताल पर चले गए फाइटर जेट्स बनाने वाले कर्मचारी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। एविएशन दुनिया की दिग्गज कंपनी बोइंग से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। दरअसल, बोइंग डिफेंस के करीब 3000 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। यही अमेरिकी कंपनी एफ-35 और अन्य कई मिलिट्री विमान बनाती है। जानकारी के अनुसार, ये कर्मचारी वेतन, वर्क शेड्यूल और पेंशन से जुड़े ऑफर को लेकर खुश नहीं थे। इसी बात का विरोध जताने के लिए कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इससे कंपनी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। वहीं, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स यूनियन ने रविवार को बताया कि सेंट लुइस, सेंट चार्ल्स, मिसौरी और मस्काउटा, इलिनोइस स्थित बोइंग संयंत्रों के लगभग 3,200 कर्मचारियों ने बोइंग के साथ संशोधित चार-वर्षीय श्रम समझौते को अस्वीकार करने के लिए मतदान किया।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक

मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते घने काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था।

रूस ने यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराने का दावा किया

रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए। हालांकि, रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए।

दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं। इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129